डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 20.12.2021 16.12.2021 वर्ष 38 अंक 49 मूल्य ₹ 00

जनता के लिए दिन-रात कार्य करने में जुटे टीम मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एवं ईज ऑफ लिविंग के लिए प्राथमिकता से कार्य करें

भोपाल, मध्यप्रदेश को तेजी से आगे ले जाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों पर कार्य कर केंद्र सरकार की योजनाओं में नंबर वन रहने की कोशिश करें। राजस्व बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करें। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एवं ईज ऑफ लिविंग दोनों के लिए प्राथमिकता से कार्य करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में मंत्रिपरिषद के सदस्यों, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा विभागाध्यक्षों को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रिपरिषद के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम मध्यप्रदेश जनता के लिए दिन-रात कार्य करने में जुटे। सभी आवश्यक कार्य करते हुए कोविड को कंट्रोल करना हमारी प्राथमिकता है। सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें। बिना टीका लगवाए कोई भी व्यक्ति न रहे। सेकण्ड डोज का टारगेट समय पर पूरा करें।

श्री चौहान ने कहा कि विभाग अपने बजट का उपयोग समय पर करें। जो विभाग पैसा खर्च नहीं कर पाएंगे उनके बजट का पैसा दूसरे विभागों को दे दिया जाएगा। केंद्र सरकार से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक राशि की मांग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भारत सरकार की अनेकों योजनाओं में नंबर वन हैं। हमारी कोशिश सभी योजनाओं में नंबर वन रहने की होना चाहिए।

श्री चौहान ने कहा कि कृषि के विविधीकरण का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है। विभिन्न फसलों की खेती के विकल्प के लिए तेजी से प्रयास किए जाएं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से कार्य करें। कोदो-कुटकी एवं ज्वार-बाजरा की फसलों के उत्पादन पर ध्यान दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के लिए रोडमैप बनाकर लक्ष्य निर्धारित कर समय-सीमा में पूरा करें। राजस्व बढ़े, काम की गुणवत्ता ठीक हो। इन्फ्रास्ट्रक्चर के कामों में देरी न हो। गुणवत्तापूर्ण काम समय पर पूरा नहीं होने पर जुर्माना लगाकर कार्यवाही की जाए। व्यापार, निवेश और रोज़गार बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। स्वरोज़गार के अवसर उपलब्ध करायें।

श्री चौहान ने कहा कि जेम पोर्टल का इस्तेमाल अधिकाधिक हो। विदेशी मुद्रा लाने के लिए निर्यात पर ध्यान दें। 'एक जिला-एक उत्पाद' को लेकर काम करें। कच्चा माल, कृषि उत्पाद निर्यात किये जा सकते हैं। स्टार्टअप के क्षेत्र में ध्यान दें। आत्मनिर्भर भारत निर्माण योजना और रोज़गार योजना पर ध्यान देकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट पर तेज गति से कार्य करें। बेहतर समन्वय एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में केंद्र सरकार के साथ साझा विजन में कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना लोगों की जिन्दगी में क्रांति ला सकती है। इसको बेहतर और प्रभावी बनाकर लागू करें। निजी अस्पतालों में इस योजना का लाभ कार्डधारियों को दिलाए जाने के लिए प्रभावी रूप से कार्य हो।

राजस्व संग्रहण के लिये करें अतिरिक्त कोशिश

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की जैसे ही कोई नई स्कीम लॉन्च हो उस पर तत्काल हमारा ध्यान जाए। राजस्व संग्रहण के लिए अतिरिक्त कोशिश करें। प्रदेश के विकास का आधार राजस्व ही है। रेवेन्यू संग्रहण की बैठक हर हफ्ते हो। इसी पर प्रदेश की प्रगति निर्भर है। राजस्व बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों के माध्यम से कोशिश करें। अधिकतम राजस्व संग्रहण हो।

आत्मनिर्भर परिवार बनाने के लिये लायें क्रांति

श्री चौहान ने कहा कि भू-अधिकार योजना में प्लाट देने का अभियान शुरू कर दें। रोड कनेक्टिविटी, पीने का पानी, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, बिजली, आयुष्मान कार्ड तथा रोज़गार के प्रयास हों। आत्मनिर्भर परिवार बनाने की क्रांति लाएं। कोई भी व्यक्ति बुनियादी सुविधाओं से वंचित नहीं रहे। पात्रों का राशन दिलाने और बैंक में खाता भी हो। बीमा और पेंशन योजनाओं में जागरूकता बढ़ायें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

इसी सत्र से होगी 5वीं और 8वीं कक्षा की पुनः बोर्ड परीक्षा

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय संस्कृति, सभ्यता और गौरव की पुनर्स्थापना के साथ ही भारत को विश्व का सिरमौर बनाने की दिशा में आजादी के बाद उठाया गया सबसे महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों का मूल्यांकन, परीक्षाओं के वर्तमान स्वरूप के अलावा विद्यार्थी की समग्र योग्यता की दृष्टि से विचार किया जाना आवश्यक है। ये बातें स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 'बोर्ड रिफॉर्म्स एंड असेसमेंट' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री परमार ने कहा कि इस सत्र से पांचवीं और आठवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं ली जाएंगी, इसकी व्यापक तैयारियां की जा चुकी हैं। श्री परमार ने शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन के लिए भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए मातृभाषा में अध्ययन और अध्यापन की बात भी रखी। श्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में 53 विश्व स्तरीय स्कूल बनाए जा रहे हैं। श्री परमार ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के लिए 350 सीएम राइज स्कूल की स्थापना की जा रही है।

श्री परमार ने कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से मध्यप्रदेश समग्र मूल्यांकन और असेसमेंट के विचार राष्ट्र को दे सकेगा। श्री परमार ने सेमिनार में जुड़े विषय-विशेषज्ञों को साधुवाद दिया और आयोजन से जुड़े विभागीय सहयोगियों की सराहना भी की। श्री परमार ने कहा कि विभाग के कुछ लोगों के साथ बैठकर चर्चा कर भी नीति बना सकते थे, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर चिंतन-मनन कर आम लोगों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामाजिक लोगों की सहभागिता और सुझाव लेना इस राष्ट्रीय सेमिनार का उद्देश्य है।

खास खबर

शासकीय विज्ञापनों की विषय–वस्तु के विनियमन के लिए समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन ने शासकीय विज्ञापनों के विषय-वस्तु विनियमन के लिए राज्य स्तर पर तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार गठित समिति में सेवानिवृत्त भाप्रसे की अधिकारी श्रीमती अरूणा शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त श्री आत्मदीप और सेवानिवृत्त संचालक जनसम्पर्क श्री लाजपत आहूजा सदस्य बनाए गए हैं। समिति के सदस्य सचिव संचालक जनसम्पर्क होंगे।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

ऊर्जा साक्षरता अभियान

बेहतर भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत जरूरी - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों से ऊर्जा की बचत के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने 14 दिसम्बर- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के मौके पर ट्वीट किया है कि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का निर्माण है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ऊर्जा की अनावश्यक खपत रोकने, ऊर्जा स्रोतों का संरक्षण करने तथा लोगों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करने का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य की सौगात प्रदान करें।

बिजली बचाने के लिए प्रदेशवासियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 25 नवम्बर को ऊर्जा साक्षरता अभियान आरंभ किया गया है। अभियान में जन-जन के सहयोग से 10 प्रतिशत बिजली बचाने का लक्ष्य है। श्री चौहान द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी बिजली बचाने का निरंतर प्रयास किया जाता है। इस संबंध में 3 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि मैं अपने निवास में ट्यूबलाइट या बल्ब व्यर्थ जलता देखता हूं तो स्वयं बंद करता हूं। मुख्यमंत्री ने निवास कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को बिजली बचत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निवास में पदस्थ समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को अनावश्यक जल रही लाइटों को बंद करने, रूम हीटर या एसी का उपयोग आवश्यकतानुसार ही करने के निर्देश दिए हैं।

ऊर्जा साक्षरता अभियान में प्रदेश के सभी नागरिकों को समयबद्ध कार्ययोजना के अनुसार ऊर्जा साक्षर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। अभियान में जनसामान्य में ऊर्जा के व्यय और अपव्यय की समझ विकसित करने के लिए ऊर्जा के पारंपरिक और वैकल्पिक संसाधनों की जानकारी देने और उनके पर्यावरण पर प्रभाव के बारे में समझ पैदा करने के उद्देश्य से गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

अभियान में पर्यावरणीय जोखिम, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के नकारात्मक प्रभावों की जानकारी देने, उन्हें कम करने और इसके लिए विभिन्न ऊर्जा तकनीकों के चयन में जन-सामान्य को सक्षम बनाने के लिए भी गतिविधियां जारी हैं। स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों तथा जनसाधारण को जानकारी देने के लिए प्रदेश में ऊर्जा साक्षरता अभियान एक मिशन के रूप में संचालित किया जा रहा है।

महिला सुरक्षा और साइबर क्राइम पुलिस की प्रमुख चुनौतियां

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पुलिस स्थापना दिवस पर पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करते हुये।

भोपाल, महिला सुरक्षा, ड्रग माफिया का पूरी तरह सफाया और साइबर क्राइम पर प्रभावी कार्यवाही मध्यप्रदेश पुलिस के सामने प्रमुख चुनौतियां हैं। मध्यप्रदेश पुलिस को जो भी दायित्व सौंपा गया है वह पूरी दक्षता, दृढ़ता, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी से निभाया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश पुलिस स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के खाते में एक नहीं अनेक उपलब्धियां हैं, जिन पर मुझे मुख्यमंत्री के रूप में और प्रदेश की जनता को भी पुलिस पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश पुलिस को दिशा देने के लिए श्री रुस्तम जी, श्री आर.एन. नागू, श्री चमनलाल, श्री अशोक पटेल, श्री जे.एन. सक्सेना और श्री ओ.एन. श्रीवास्तव आदि का स्मरण किया। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश पुलिस ने अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्थापना वर्ष 1956 से लेकर 2020 तक 877 कर्मियों ने शहादत दी है। इन पुलिसकर्मियों ने प्रदेश की जनता को सुरक्षित रखने की महान परंपरा स्थापित की।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

11 दिसम्बर

वैज्ञानिकों ने खोजा बृहस्पति से 11 गुना बड़ा ग्रह

● वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक विशाल ग्रह खोजने का दावा किया है। यह ग्रह हमारे सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति से भी 11 गुना बड़ा है। वैज्ञानिकों ने इस गृह को बी-सेंचुरी नाम दिया है। यह ग्रह पृथ्वी से लगभग 325 प्रकाश वर्ष दुर है। वैज्ञानिकों ने बताया कि बृहस्पति की तरह यह ग्रह भी गैस से भरा हुआ है। इसका परिक्रमा पथ बृहस्पति ग्रह से 100 गुना चौड़ा है। इस ग्रह की खोज चिली के वैज्ञानिक मार्क्स जॉनसन और उनकी टीम ने यूरोपियन टेलिस्कोप के जरिये की है। मार्क्स जॉनसन ने बताया कि मैंने सोचा था कि सितारों के आसपास कोई ग्रह नहीं होगा, लेकिन वहां कई संभावित ग्रह मौजूद हैं।

● मैक्सिको में प्रवासी संकट बढ़ने लगा है। मैक्सिको के चिपाया डिकोर्जो (चिपापास) में प्रवासियों से लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस ट्रक में बड़ी संख्या में प्रवासी नागरिक सवार थे, जो ग्वाटेमाला सहित अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों से पलायन कर मैक्सिको के रास्ते अमेरिका में जाने की कोशिश कर रहे थे। इस हादसे में लगभग 54 लोगों की मृत्यु हो गई है और 105 लोग घायल हुये हैं। घायलों में 83 पुरुष और 22 महिलायें शामिल हैं। मैक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुएल लोपेज ने इस हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदनायें प्रकट कीं।

12 दिसम्बर

भारत ने मानवीय आधार पर अफगानिस्तान में भेजी 1.6 टन दवाइयां

● भारत ने अफगानिस्तान के नागरिकों के लिये मानवीय आधार पर दवाइयां भेजी हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 10 दिसम्बर को अफगानिस्तान से जिस विमान से 104 अफगानी हिंदुओं और सिक्खों का जत्था भारत आया था, उसी विमान से केंद्र सरकार ने 1.6 टन दवाइयां भेजी हैं। ये दवाइयां काबुल स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को भेजी गई हैं। भारत ने पहले ही कह दिया था कि मानवीय आधार पर भेजी जा रही मदद सीधे तालिबानी प्रशासन के हाथ में देने की जगह अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के माध्यम से वितरित की जायेगी। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुंदजाय ने भारत की मानवीय मदद पर धन्यवाद कहते हुये कहा कि जीवन रक्षक दवाओं की खेप इस मुश्किल घड़ी में कई परिवारों की मदद करेगी।

● फ्रांस प्रशासित प्रशांत सागरीय क्षेत्र न्यू कैलेडोनिया में हुये जनमत संग्रह में लोगों ने फ्रांस के साथ बने रहने के पक्ष में मतदान किया। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैंक्रो ने जनमत संग्रह के परिणाम को हिंद प्रशांत क्षेत्र में फ्रांस की भूमिका पर शानदार मुहर बताया है। हालांकि न्यू कैलेडोनिया में स्वतंत्रता समर्थक लोगों ने इस जनमत संग्रह का विरोध करते हुये इसका बहिष्कार किया था। उल्लेखनीय है कि चीन न्यू कैलेडोनिया क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिये प्रयास कर रहा है। इस जनमत संग्रह को चीन के लिये झटका माना जा रहा है।

13 दिसम्बर

संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को दिया पर्यवेक्षक का दर्जा

● संयुक्त राष्ट्र ने भारत की अगुवाई में बने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह सौर गठबंधन विश्व के लिये न्यायोचित ऊर्जा समाधान प्रस्तुत करने में सहायक होगा। केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह ने इस संबंध में ट्वीट करते हुये कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा देना एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड' विजन को आगे बढ़ाने का प्रारंभिक प्रयास होगा। श्री आर.के. सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में वैश्विक सहयोग के माध्यम से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

● अमेरिका के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्र में आये बवंडर ने जमकर तबाही मचाई। केंटुकी राज्य के गवर्नर एंडी बेशियर ने बताया कि चक्रवात और खराब मौसम के कारण कम से कम पांच राज्यों में व्यापक पैमाने पर नुकासन हुआ है। उन्होंने बताया कि बवंडर की रफ्तार 365 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बवंडर के चलते अमेरिका में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। गवर्नर बेशियर ने कहा कि अमेरिका में सबसे भीषण बवंडर वर्ष 1925 में आया था, तब लगभग 700 लोगों की मृत्यु हुई थी। उन्होंने कहा कि ताजा बवंडर हमारे राज्य के इतिहास का सबसे विनाशकारी बवंडर है।

14 दिसम्बर

एनडीए में प्रवेश के लिये 1.77 लाख महिलाओं ने किया आवेदन

● राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश के लिये महिलाएं बड़ी संख्या में आवेदन कर रही हैं। एनडीए में प्रवेश के लिये एक लाख 77 हजार से अधिक महिला कैंडिडेट

द्वारा आवेदन किया गया है। यह जानकारी रक्षा राज्यमंत्री श्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में दी। श्री भट्ट ने बताया कि एनडीए में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षा में महिला कैंडिडेट की ओर से आवेदन की संख्या पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि एनडीए में चयन के लिये यूपीएसी परीक्षा का आयोजन करता है। इस परीक्षा में पास होने के बाद आवेदक थल सेना, वायु सेना और नौसेना में शामिल होते हैं। उल्लेखनीय है कि यूपीएसी ने एनडीए में प्रवेश के उद्देश्य से महिला कैंडिडेट के लिये चिकित्सा मानकों को अधिसूचित कर दिया है।

● लोकपाल में अब ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। यह जानकारी लोकपाल जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष ने ऑनलाइन शिकायत का डिजिटल प्लेटफॉर्म 'लोकपाल ऑनलाइन' की शुरुआत करते हुये दी। जस्टिस घोष ने कहा कि लोकपाल ऑनलाइन लोक सेवकों के विरुद्ध शिकायतों का डिजिटल समाधान है। ये शिकायतों के शीघ्र और पारदर्शी तरीके से समाधान में मदद करेगा। अभी तक लोग भारत के लोकपाल के पास डाक, ई-मेल या हस्तलिखित शिकायत दर्ज कराते थे। अब ऑनलाइन माध्यम से भी लोग शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

● बाल्टिक सागर में स्वीडन के नजदीक दो मालवाहक जहाज आपस में टकरा गये। स्वीडन के मैरीटाइम एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार यह टक्कर धुंध की वजह से हुई। डेनमार्क का 55 मीटर लंबा मालवाहक जहाज और स्कॉटलैंड का 90 मीटर लंबा जहाज एक ही दिशा में चल रहे थे। बर्नहोम द्वीप के पास दोनों जहाज आपस में टकरा गये। इस हादसे के बाद डेनमार्क के जहाज के दो क्रू मेंबर्स लापता हो गये हैं।

15 दिसम्बर

एशियाई देशों के साथ सैन्य और आर्थिक संबंधों का विस्तार करेगा अमेरिका

● एशिया और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रमकता को रोकने के लिये अमेरिका एशिया के अपने साझेदारों के साथ सैन्य और आर्थिक संबंधों का विस्तार करेगा। यह जानकारी अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दी। ब्लिंकन ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व में अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि कायम रखने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी रणनीति अपनायेंगे, जो हमारी राष्ट्रीय ताकत जैसे कूटनीति, सेना, इंटेलिजेंस सिस्टम आदि को हमारे साझेदारों और सहयोगियों के नजदीक लाये। इसमें अमेरिकी तथा एशियाई रक्षा उद्योग को जोड़ना, आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करना और प्रौद्योगिकी नवोन्मेष में सहयोग शामिल है।

● केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशकों के सेवा के कार्यकाल को बढ़ाने वाले विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई है। राज्यसभा में केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया गया। इस विधेयक में सीबीआई और ईडी के निदेशकों के कार्यकाल को 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष किये जाने का प्रस्ताव है। यह विधेयक लोकसभा में पहले ही पारित हो चुका है। अब यह अनुमोदन के लिये राष्ट्रपति के पास भेजा गया है।

● इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप के पास समुद्र में आये तेज भूकंप के बाद मौसम वैज्ञानिकों ने सुनामी की चेतावनी जारी की, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र मउमेरे शहर से लगभग 112 किलोमीटर दूर समुद्र में 18.5 किलोमीटर की गहराई पर था।

16 दिसम्बर

अमेरिका से मुकाबले के लिये साथ आये चीन और रूस

● अमेरिका और पश्चिमी देशों से मुकाबले के लिये चीन और रूस साथ आ गये हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वीडियो कॉल के जरिये एकजुट होने की बात कही। बातचीत के दौरान दोनों देशों के नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बताया। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन को अपना पुराना दोस्त बताया है। उन्होंने कहा कि पुतिन ने अपने मूल हितों की रक्षा में चीन का दृढ़ता से समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि चीन और रूस ऐसे समय में साथ आ रहे हैं, जब यूक्रेन मुद्दे पर रूस और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। इस दौरान रूस ने यूक्रेन पर हमला न करने का आश्वासन दिया है, लेकिन यूक्रेन को नाटो में शामिल न किये जाने की शर्त पर उसे अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

● हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज-2022 के लिये आयु प्रतिबंधों को संशोधित किया है। इस संशोधन के अनुसार अब 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग भी हज यात्रा पर जा सकते हैं। हज कमेटी ने कहा कि 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिये हज यात्रा पर लगाई गई रोक को समाप्त कर दिया गया है। इस निर्णय से पूर्व की व्यवस्था बहाल हो गई है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु के लोग एक सहायक के साथ हज यात्रा पर जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि हज यात्रा के लिये आवेदन शुरू हो गये हैं, जो 31 जनवरी 2022 तक किये जा सकते हैं।

17 दिसम्बर

एक हजार महिलाओं ने पास की एनडीए परीक्षा

● राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में पहली बार महिलाएं शामिल की गई। महिलाओं ने पहली बार में ही जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस बार 1.77 लाख महिलाओं ने परीक्षा के लिये आवेदन किया था, जिसमें से 1002 महिलाओं ने प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित की है। अब ये महिलायें सेवा चयन बोर्ड और उनकी चिकित्सा जांचों में शामिल होंगी। इनमें से 19 महिलाएं अगले साल एनडीए पाठ्यक्रम के लिये शॉर्ट लिस्ट की जायेंगी। शॉर्ट लिस्ट महिलाएं सेना, वायु सेना और नौसेना में अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार एनडीए अगले साल लगभग 400 कैडेटों की नियुक्ति करेगा। इनमें से सेना में 10 महिला कैडेट सहित 208 उम्मीदवार शामिल होंगे, वहीं वायु सेना में 6 महिला कैडेट सहित 120 उम्मीदवार तथा नौसेना में 3 महिला कैडेट सहित 42 उम्मीदवारों को लिया जायेगा।

● हिंदुस्तान एयरो नॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2400 करोड़ रुपये के एक रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर किये हैं। इस सौदे के तहत बेंगलुरु में हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके 1ए कार्यक्रम के लिये 20 प्रकार की प्रणालियों का विकास एवं आपूर्ति की जायेगी। इस अनुबंध की अवधि वर्ष 2023 से 2028 होगी। इस अवधि में अनुबंध के तहत महत्वपूर्ण एविओनिक्स लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स, फ्लाइट कंट्रोल कम्प्यूटर्स और नाइट फ्लाइंग एलआरयू की आपूर्ति की जायेगी। हिंदुस्तान एयरो नॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन आर. माधवन ने बताया कि यह आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिये एचएएल द्वारा किसी भी भारतीय कंपनी को दिया गया सबसे बड़ा ऑर्डर है। उन्होंने कहा कि एचएएल स्वदेशी उत्पादों के लिये प्रतिबद्ध है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

आजाद पी 3 एकेडमी
सपनों की उड़ान आप भरें, उसे साकार हम करें।
UPSC | MPPSC | MPSI | PATWARI | SAMVIDA 1,2,3
प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सेवा हेतु सम्मानित
संविदा शिक्षक ग्रेड-3 20-DEC'21
MPSI 25-DEC'21
MPPSC PRE + MAINS 1 YEAR PLAN
NEW BATCH START 27-DEC-21
हेड ऑफिस : वेदा बिजिनेस ट्रिवीव सप्रिट, एम्पल हॉस्पिटल के पास, मंगलकुंज, इंदौर
0731-4966653 / 54, 97559-16644, 70244-86260, 91092-57973
R-46345/2021

BALAJI TUTORIALS
20 दिसंबर से प्रवेश प्रारंभ
2 Days Free Demo Class
MP-TET GRADE - 3
(संविदा शिक्षक वर्ग - 3)
टेस्ट सीरीज, नोट्स, फ्री लायब्रेरी
सभी विषयशास्त्र की विशेष कक्षाएँ
221, Veda Business Park, Bhanwarkua, Indore Mo.: 9893053653
R-46346/2021

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)
ADMISSION OPEN 2021-22
PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RC
MPT Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT
BPT Bachelor of Physiotherapy 4½ yrs Degree Course
BMLT Bachelor of Medical Lab Technology 3 yrs Degree Course
DMLT Diploma in Medical Lab Technology 2 yrs Diploma Course
DDT Diploma in Dialysis Technology 2 yrs Diploma Course
Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology
People's Institute of Hotel Management
BBA Bachelor of Business Administration In Hospitality & Hotel Administration 3 years Degree Course
International Placement Assistance
Industrial Training in Star Category Hotels of India /Abroad
Eligibility : 12th with Any Stream(Science/Arts/Commerce/Vocational)
Ph. - 0755-400 5203, 9538500200
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.)-462037
R-46347/2021

वर्ष 38, अंक 51 20.12.2021 से 26.12.2021
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश की सफलताओं में जनता का सहयोग महत्वपूर्ण

मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आवास योजना और स्वामित्व योजना के बेहतर क्रियान्वयन के पीछे आम जनता का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। कोविड की दोनों लहरों के दौरान भी नागरिकों की भागीदारी से महामारी पर नियंत्रण के प्रयासों में अच्छी सफलता मिली। मध्यप्रदेश में हुये इस कार्य को यदि अन्य राज्यों ने एक मॉडल माना है तो इसके पीछे आमजन के सहयोग के साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन की मुख्य भूमिका है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उपरोक्त बातें वाराणसी में प्रधानमंत्री द्वारा आहूत मुख्यमंत्रियों के कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश में किए गये नवाचारों और योजनाओं के क्रियान्वयन प्रेजेंटेशन के अवसर पर कहीं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में कुछ वर्ष पहले शुरू किये गये आनंद विभाग की रचनात्मक गतिविधियों और आम लोगों को अवसाद से दूर कर प्रसन्न रखने के प्रयासों की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति निर्माण, निर्णय लेने और मॉनीटरिंग में जनता की भागीदारी प्राप्त की जा रही है। नीति निर्माण के अंतर्गत विभिन्न वर्गों की पंचायतों में जनता से सुझाव प्राप्त किये गये। लाड़ली लक्ष्मी, संबल योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाएं पंचायतों की देन हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर योजनायें बनायी गयीं। यह सब पूर्व वर्षों में फलीभूत हुआ। कोविड के दौर में महामारी के प्रबंधन और वैक्सीनेशन में जिला, विकासखंड, ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर 30 हजार 600 क्राइसिक मैनेजमेंट ग्रुप्स बनाये गये। इनमें धर्मगुरू, जनप्रतिनिधि, नागरिक, डॉक्टर्स और स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। इसी तरह 'मैं कोरोना वॉलेंटियर' जागरूकता अभियान में करीब डेढ़ लाख स्वयंसेवी जुड़े। योग से निरोग कार्यक्रम में लाखों कोविड रोगियों को 3 हजार योग प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन अभ्यास करवाया। युवा शक्ति कोरोना मुक्ति अभियान में 10 लाख से अधिक कॉलेज विद्यार्थी कोविड से बचाव के लिये टीकाकरण और कोविड अनुकूल व्यवहार के लिये प्रशिक्षित किये गये। वैक्सीनेशन का कार्य चल रहा है। प्रदेश के 94 प्रतिशत पात्र लोगों को वैक्सीन का पहला डोज और 77 प्रतिशत को दोनों डोज लग गये हैं। कोविड प्रबंधन ने प्रदेश की जनता को पूरा सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से प्रदेश में अंकुर अभियान शुरू किया गया है। इसमें पौधारोपण करने पर पौधा रोपने वाले नागरिक को डिजिटल प्रमाण पत्र और प्राण वायु पुरस्कार देने का प्रावधान किया गया है। नागरिकों से परिवार के सदस्यों की जन्म वर्षगांठ और विवाह वर्षगांठ के साथ ही परिवार के दिवंगत सदस्यों की स्मृति में पौधा लगाने का आह्वान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन वितरण, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति वितरण और संबल योजना की मॉनीटरिंग जनसहयोग से हो रही है। दीनदयाल अंत्योदय समितियां सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के अमल पर निगाह रखती हैं। ये समितियां ग्राम पंचायत विकासखंड, नगरपालिका, नगरनिगम, जिला और राज्य स्तर पर गठित की गयी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बताया कि मध्यप्रदेश में सरकार की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है, इससे योजनाओं के सफल होने की संभावना और बढ़ गयी है।

शरीर के लिये नुकसानदेह है तनाव

मानव शरीर एक जटिल तंत्र है। इसमें आँखें, हृदय, हाथ, पैर और इसके अलावा अनेकों अंग हैं, जिनके सुचारू रूप से चलने से ही मानव शरीर बेहतर ढंग से काम करता है। मानव शरीर के विभिन्न अंगों के बीमार होने पर आज की मेडिकल साइंस में उनका बेहतर इलाज भी संभव है। लेकिन तनाव एक ऐसा कारण है, जिसके चलते मनुष्य अनेक समस्याओं से घिर जाता है। क्रान्स रोग एक ऐसा ही रोग है, जिस तनाव से शरीर में बैक्टीरिया की ताकत बढ़ती है। इससे मरीज की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। वैज्ञानिकों की तरफ से किये गये एक अध्ययन में यह नतीजे सामने आये हैं। आंतों में होने वाले रोगों के एक समूह को क्रान्स रोग कहा जाता है। वर्तमान में दुनियाभर की बड़ी आबादी इस रोग से पीड़ित है। कनाडा के ओंटारियो में मैक मास्टर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने चूहों पर तैयार किये एक मॉडल की मदद से क्रान्स रोगियों पर मनोवैज्ञानिक तनाव के प्रभाव की जांच की। इस दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि चूहों में मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण आंत में ई-कोलाई (बैक्टीरिया) की वृद्धि हुई। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि कैसे तनाव ने ई-कोलाई जैसे बैक्टीरिया को आंत में बढ़ा दिया है और आंत को बैक्टीरिया के हमले से बचाने वाले साइकोराइन को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि तनाव की वजह से शरीर की वह कोशिकायें भी प्रभावित हो गई हैं, जो एक प्रोटीन की मदद से आंत की परत की रक्षा करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि उनके अध्ययन से नये उपचारों का विकास हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में तनाव और मानव स्वास्थ्य के बारे में बहुत सारे शोध हुये हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि तनाव से स्ट्रोक, अल्जाइमर रोग और मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही तनाव आंत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे कब्ज जैसी समस्या हो सकती है। क्रान्स रोग एक आटोइम्यून बीमारी है, जठरांत्र संबंधी मार्ग की सूजन का कारण बनती हैं। जठरांत्र संबंधी मार्ग में वह सब कुछ शामिल होता है, जो किसी व्यक्ति के शरीर को खाने, पचाने और भोजन तथा अपशिष्ट को बाहर निकालने के लिये आवश्यक होता है। इसमें मुंह, पेट, आंत, और मलाशय शामिल है। एक लाख लोगों में से यह 300 लोगों को प्रभावित करता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस | 10 दिसम्बर

समानता ही खत्म कर सकती है असमानता

"खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं"

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यह कथन बिलकुल सही लगता है, जब हम अपने आसपास की बुराइयों पर प्रतिक्रिया देते हैं, क्योंकि अगर हमें हमारे समाज, हमारे देश, हमारी दुनिया में कुछ बदलाव करना है तो हमें उसके लिए स्वयं ही प्रयास करना होगा। मानवता के संरक्षण के लिए, मनुष्यों के अधिकारों, अपने आसपास के लोगों की समानता के लिए खुद से कुछ प्रयास करने होंगे। तभी हमारी यह वसुंधरा प्रेम, वात्सल्य और मानवता से परिपूर्ण होगी। मानव के अधिकारों के संरक्षण के लिए ही संपूर्ण विश्व में 10 दिसम्बर को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस दिन सन् 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स को अपनाया था, जिसे 1950 में लागू किया गया था। मनुष्य के अधिकारों की ही हम ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखें तो मानवाधिकार की सर्वप्रथम शुरुआत ईसा पूर्व 539 सदी में मानी जाती है, जब बेबीलॉन को जीतने के बाद साइरस ने गुलामों को आजाद किया था। मानवाधिकार दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उनके साथ किसी भी तरह के भेदभाव को रोकना है। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनकी वजह से मनुष्य को नस्ल, रंग, जाति, धर्म, लिंग, भाषा, राष्ट्रीयता और अन्य विचारधारा आदि के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। साथ ही इन्हें देने से भी वंचित नहीं किया जा सकता है। इसमें स्वास्थ्य, आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए गए मानवाधिकार संबंधी घोषणा पत्र में भी कहा गया था कि, मानव के बुनियादी अधिकार किसी भी जाति, धर्म, लिंग, समुदाय, भाषा, समाज आदि से इतर होते हैं। मौलिक अधिकार देश के संविधान में उल्लिखित अधिकार हैं। ये अधिकार देश के नागरिकों को और किन्हीं परिस्थितियों में देश में निवास कर रहे सभी लोगों को प्रदान किए गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में 10 दिसम्बर, 1948 को, मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र को पारित करके, एक बेहतर विश्व के निर्माण में पेश आने वाली विषमताओं का उन्मूलन करने का प्रयास किया गया था। वर्ष 2021 के लिए मानवाधिकार दिवस की थीम, 'समानता - विषमताएं दूर करना और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना' है। यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त ने आगाह किया कि कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान विषमताओं में भयावह वृद्धि हुई है। कोरोना वायरस संकट ने अब तक दर्ज की गई प्रगति को मजबूत करने के प्रयासों में मिली असफलता को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र पर पहली बार हस्ताक्षर होने के बाद से, दुनिया में संपन्नता बढ़ी है और लोग लंबा जीवन जी रहे हैं। 'ज्यादा बच्चे स्कूल जाते हैं और ज्यादा महिलाएं पहले से अधिक स्वायत्ता हासिल करने में सक्षम हैं। पहले से ज्यादा संख्या में देशों में लोगों के पास - निर्धनता, वर्ग, जाति और लैंगिकता की बेड़ियों को तोड़ पाने का अवसर है। हालांकि, उन्होंने सचेत किया कि इस प्रगति के बावजूद, पिछले 20 वर्षों में, निरन्तर वैश्विक झटकों तथा व्यवधानों और फिर 2020 में वैश्विक महामारी का, प्रगति की रफ्तार पर असर हुआ है।

समानता पर बल

यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त ने ध्यान दिलाया कि समानता, मानवाधिकारों और उन सभी समाधानों के केंद्र में है, जिनकी आवश्यकता वैश्विक संकटों पर पार पाने के लिए होगी। 'इसका अर्थ यह नहीं है कि

हम सभी एक जैसे दिखें, एक तरह से सोचें या एक तरह से काम करें। इसके उलट इसका अर्थ है कि हम अपनी विविधता बनाए रखें और यह मांग करें कि हर किसी के साथ बिना किसी भेदभाव के बर्ताव किया जाए।' यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस दिवस पर शांति के लिए एक नए एजेंडा का उल्लेख किया, जो कि वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुआयामी दृष्टि का परिचायक है। यूएन महासचिव ने इस दिवस पर जारी अपने संदेश में आगाह किया कि कोविड-19 महामारी, जलवायु संकट और जीवन के सभी क्षेत्रों में डिजिटल टेक्नोलॉजी के विस्तार ने, मानवाधिकारों के लिए नए जोखिम उत्पन्न कर दिए हैं। 'बहिष्करण और भेदभाव हर तरफ फैले हैं। सार्वजनिक विमर्श का स्थान सिकुड़ रहा है। निर्धनता और भुखमरी, दशकों में पहली बार बढ़ रहे हैं।' 'करोड़ों बच्चे, शिक्षा प्राप्ति के अपने अधिकार से वंचित हो रहे हैं। विषमता और ज्यादा गहरी हो रही है।' यूएन प्रमुख के मुताबिक, महामारी से उबरने के प्रयास, मानवाधिकारों व स्वतंत्रताओं के विस्तार, और विश्वास का पुनर्निर्माण करने के लिए एक अवसर साबित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय में भरोसा और कानूनों व संस्थाओं की निष्पक्षता को मजबूती प्रदान की जानी होगी। 'ये आस्था कि लोगों की बात न्यायसंगत रूप में सुनी जा सकती है और उनकी समस्याओं व कठिनाइयों के शान्तिपूर्ण समाधान निकाले जा सकते हैं।' महासचिव ने भरोसा दिलाया कि संयुक्त राष्ट्र, मानव परिवार के हर एक सदस्य के अधिकारों की खातिर मुस्तैद है। 'हम, आज और हर एक दिन, सभी के लिए न्याय, समानता, गरिमा व मानवाधिकारों के लिए काम करते रहेंगे।' इस वर्ष का विषय 'समानता' और यूडीएचआर के अनुच्छेद एक से संबंधित हैं। इसके मुताबिक 'सभी मनुष्य स्वतंत्र और सम्मान और अधिकारों के मामले में एक समान हैं।' लोगों को मानव अधिकार उनके मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का हक देता है, जिसके हम सभी हकदार हैं। यह राष्ट्रीयता, निवास स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, धर्म, भाषा, या किसी अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव के बिना हर जगह हर व्यक्ति के अधिकारों की ग्यारंटी देता है।

मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुसार मनुष्य के अधिकारों को 6 भागों में विभक्त किया गया है, मनुष्य के सभी अधिकार इसी में निहित हैं :

- सामाजिक या नागरिक मानवाधिकार
- राजनीतिक मानव अधिकार
- आर्थिक मानव अधिकार
- सांस्कृतिक मानव अधिकार
- विकास उन्मुख मानव अधिकार

सामाजिक या नागरिक मानवाधिकार

भारतीयों के मानव अधिकार और उनका संरक्षण : अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार दिवस की शुरुआत 10 दिसम्बर, 1948 से मानी जाती है जबकि भारत में इसे लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 को किया गया, इसकी स्थापना मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के प्रावधानों के अनुसार की गई थी। इसमें बाल विवाह, महिला अधिकार, बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, एचआईवी (एड्स), भोजन, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत और अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के अधिकारों को सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का मुख्यालय दिल्ली में है। ऐसा जरूरी नहीं है कि मानव अधिकार आयोग में अगर कोई व्यक्ति आवेदन देगा तभी उसके मामले की सुनवाई होगी। मानव अधिकार आयोग अखबार में प्रकाशित किसी खबर के आधार पर भी अपने विवेक से स्वत: संज्ञान ले सकता है। देश की तरह ही राज्यों में भी मानव अधिकार आयोग की स्थापना की गई है।

भारत में स्त्रियों की समानता के अधिकार के लिए निरंतर संघर्षरत रहीं हंसा जीवराज मेहता : संयुक्त राष्ट्र के यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स के आर्टिकल 1 के बारे में सभी जानते हैं, 'All humans are equal and born free' ये लाइन हम सभी ने कहीं न कहीं पढ़ी होंगी। लेकिन यह लाइन पहले ऐसी नहीं थी। संयुक्त राष्ट्र में पहले इस वाक्य को 'All men are equal and born free' लिखा गया था? इसे 'All Men' से बदलवाकर 'All Humans' किया भारतीय महिला हंसा जीवराज मेहता ने।

अधिकार के संग कर्तव्यों का बोध

गांधीवादी अर्थशास्त्री श्रीमन नारायण अग्रवाल ने अपनी किताब 'स्वतंत्र भारत का गांधीवादी संविधान- द गांधीयन कांस्टीट्यूशन ऑफ फ्री इंडिया' नामक किताब में लिखा है कि 'कानून के समक्ष सभी नागरिक समान होंगे और जाति, वर्ण, पंथ, लिंग, धर्म या संपत्ति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा' और इन आधारों पर वे रोज़गार, लोक सम्मान, व्यापार और वाणिज्य में किसी भी किस्म की अक्षमता की सामना नहीं करेंगे। अहिंसा और सार्वजनिक/लोक नैतिकता के अधीन हर नागरिक को अपनी बात कहने, संगठन बनाने और संवाद करने की स्वतंत्रता होगी। इसके साथ ही लोक व्यवस्था और नैतिकता के सिद्धांतों के अधीन हर नागरिक को अपनी निजी और सामाजिक परम्पराओं का पालन करने की स्वतंत्रता होगी। सभी नागरिकों को अपनी लिपि, भाषा और संस्कृति को सहेजने और विकसित करने की आजादी होगी। सभी नागरिकों को कुओं, तालाबों, मार्गों, विद्यालयों, स्थानीय निकायों या राज्य या निजी व्यक्तियों द्वारा स्थापित सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने की स्वतंत्रता होगी। हर नागरिक को निःशुल्क बुनियादी शिक्षा हासिल करने का अधिकार होगा। हर नागरिक हो हिंसा या विपरीत परिस्थितियों में पुलिस का संरक्षण पाने, अपने ईमानदार काम के एवज में जीवनयापन के लिए न्यूनतम वेतन पाने, स्वास्थ्य सेवाएं पाने, मतदान करने का अधिकार होगा। महात्मा गांधी अधिकारों के समान ही कर्तव्यों को महत्व देते थे। उनका नियम तो यही था कि जब कर्तव्य निभाए जाएंगे, तो अधिकार भी मिलेंगे ही। अगर कर्तव्य नहीं निभाए जाएंगे, तो अधिकार मिलना संभव नहीं है। कर्तव्यों के मामले में वे इन बातों से सहमत थे कि 'हर नागरिक राज्य के प्रति निष्ठा रखेगा; खासतौर पर राष्ट्रीय आपदाओं और विदेशी आक्रमण के समय। हर नागरिक लोक कल्याण के विस्तार के लिए राज्य निधि में नकद, सामग्री या श्रम के रूप में योगदान करेगा। हर नागरिक यह निरीक्षण करेगा कि किसी भी व्यक्ति का व्यक्ति के द्वारा शोषण न किया जाए और यदि वह शोषण देखता है तो उसका विरोध करेगा। यानी समाज में अन्याय होने पर वह उसका विरोध करेगा। साथ ही राष्ट्र के प्रति निष्ठा को अपने जीवन का मूल्य मानेगा।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

कम्प्यूटर प्रोग्रामर परीक्षा 2021

विज्ञापन क्रमांक 09/2021/14.12.2021
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, मध्यप्रदेश शासन

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 23.01.2022

महत्वपूर्ण

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, मध्यप्रदेश शासन हेतु कम्प्यूटर प्रोग्रामर के कुल 02 पदों की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार है :-
   शैक्षणिक अर्हता सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर विज्ञान में प्रथम श्रेणी इंजीनियरिंग उपाधि (डिग्री) अथवा मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन प्रथम श्रेणी।
   अन्य अर्हता **रोज़गार पंजीयन** - अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन पत्र **दिनांक 24.12.2021** (दोपहर 12:00 बजे) से **दिनांक 23.01.2022** (रात्रि 12:00 बजे) तक **https://mppscforms.in/, www.mppsc.nic.in** पर भरे जा सकते हैं।
   आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदनपत्रों में दिनांक 29.12.2021 से दिनांक 25.01.2022 तक त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क देय होगा। त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन सरसरी तौर पर अमान्य किए जाएंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
3. इस विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु OMR आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के तीन गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन परिणाम, परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम, परीक्षा तिथि एवं प्रवेश-पत्र उपलब्धता तिथि यथासमय आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा।
4. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनायें, परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए e-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर आवश्यक होने पर e-mail तथा SMS Alert भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर **अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर** का अवश्य उल्लेख करें तथा इसे अंतिम चयन परिणाम आने तक अपरिवर्तित रखें एवं आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें।
5. **आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आएं और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।**
6. उक्त विज्ञापन का अंतिम चयन परिणाम याचिका क्रमांक 25181/2019 के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
7. आयोग द्वारा अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अर्हता, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र एवं अन्य समस्त दस्तावेजों को संधारित नहीं किया जाता है। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत स्व-प्रमाणित दस्तावेजों का मूल दस्तावेजों से मात्र मिलान का कार्य आयोग द्वारा किया जाता है। अंतिम चयन परिणाम में चयनित अभ्यर्थियों एवं प्रतिक्षासूची में नामांकित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों को चयन सूची अनुसार विभागों को प्रेषित कर दिया जाता है जिनके सत्यापन का कार्य विभाग द्वारा नियुक्ति के पूर्व किया जाता है। अतः अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जानकारी आयोग द्वारा उपलब्ध करवायी जाना संभव नहीं है। इस संदर्भ में आयोग द्वारा किसी प्रकार का पत्राचार मान्य नहीं किया जाएगा तथा सूचना के अधिकार के अंतर्गत इस संदर्भ में प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को अंतरित किया जाएगा।

एक भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से **मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, मध्यप्रदेश शासन**, के अंतर्गत निम्न पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

पद का नाम :- कम्प्यूटर प्रोग्रामर (Computer Programmer)

रिक्ति विवरण

रिक्तियों की वर्गवार संख्या					रिक्तियों में मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाओं हेतु आरक्षित पद					
UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	कुल पद
01	00	00	01	00	00	00	00	00	00	02

Abbrivations UR- अनारक्षित SC- अनुसूचित जाति ST- अनुसूचित जनजाति OBC- अन्य पिछड़ा वर्ग EWS- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

दो **पद का विवरण**

(A) विभाग का नाम : **मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल**
(B) श्रेणी : राजपत्रित द्वितीय श्रेणी
(C) पद स्थिति : स्थायी
(D) वेतनमान : रुपये 9300-34800+4200 ग्रेड पे तथा राज्य शासन द्वारा समय-समय पर प्रसारित आदेशों के अनुसार मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते देय होंगे।
नोट- उपरोक्त वेतनमान छठे वेतन आयोग अनुसार है। सातवे वेतनमान में तत्स्थानी वेतनमान देय होगा।
(E) कर्तव्य : मण्डल के आवश्यकतानुसार सॉफ्टवेयर डेवलप करना।
(F) पद का नाम : कम्प्यूटर प्रोग्रामर Computer Programmer
(G) अर्हता :
अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर विज्ञान में प्रथम श्रेणी इंजीनियरिंग उपाधि (डिग्री) अथवा मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन प्रथम श्रेणी।
अन्य अर्हता **रोज़गार पंजीयन - अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।**
(H) आयु सीमा : **21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।**
(I) आयु संगणना तिथि : **01.01.2022**

तीन (i) अभ्यर्थी के पास शैक्षणिक अर्हतायें ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक होना चाहिये आवेदन करने की अंतिम तिथि के बाद किसी भी तिथि को अर्हतायें अर्जित करने वाले अभ्यर्थी विज्ञापित पदों हेतु विचारित होने की पात्रता नहीं रखेंगे।
(ii) शासन द्वारा पदों की संख्या का पुनरीक्षण करने पर इस पद संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
(iii) चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा पर की जाएगी।
(iv) अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित पद केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति हेतु पद आरक्षित न होने के कारण उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट देय नहीं होगी तथा वे केवल अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत विचारित किए जाएंगे, ऐसे अभ्यर्थियों को शुल्क में छूट तथा यात्रा भत्ते का लाभ देय होगा।
(v) मध्यप्रदेश के बाहर के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी अपना वर्ग अनारक्षित लिखें।
आयु सीमा में दी गयी अन्य छूटों के लिए **परिशिष्ट-1** देखें।

चार **मध्यप्रदेश सिविल सेवायें (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता** :-
अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंबित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जाएगा।
ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये निरर्हित नहीं होगा।

पांच **महत्वपूर्ण** :- यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भरें। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने अथवा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

छः **अधिवार्षिकी आयु** :- 62 वर्ष

सात **चयन प्रक्रिया** :-
इस विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की OMR आधारित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के तीन गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन परिणाम, परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा आयोजन से संबंधित समस्त जानकारियां, परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम, परीक्षा तिथि एवं प्रवेश-पत्र उपलब्धता तिथि आदि यथासमय आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** पर प्रकाशित किया जाएगा।

आठ **आवेदन प्रक्रिया** :- उक्त पद हेतु आवेदन पत्र इन्टरनेट के माध्यम से ऑनलाइन जमा किये जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

नौ विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए **e-mail Address** तथा मोबाइल नंबर पर आवश्यक होने पर **e-mail** तथा **SMS Alert** भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर **अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर** का अवश्य उल्लेख करें तथा उसे अंतिम चयन परिणाम तक अपरिवर्तित रखें एवं आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें।

दस अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखें :-
(i) आयु सीमा की छूट **परिशिष्ट-1**
(ii) आवेदन पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां **परिशिष्ट-2**
(iii) आप्टिकल स्कैनर द्वारा पढ़ी जाने वाली ओ.एम.आर. शीट के उपयोग संबंधी निर्देश तथा अन्य अनुदेश **परिशिष्ट-3**

सचिव

परिशिष्ट-1

(एक) **उच्चतर आयु सीमा में वर्ग विशेष को देय छूटें**
(1) **मध्यप्रदेश शासन**, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी.3-8/2016/1/3, दिनांक 04 जुलाई, 2019 अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग/शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/ नगर सैनिक/ महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा **उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।**

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गयी सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

स्पष्टीकरण :-

भूतपूर्व सैनिकों से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985 के नियम 2 (ग) में यथा प्रावधानित भूतपूर्व सैनिक।

(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गयी छूट

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

टीप :- (1) परिशिष्ट-1 (दो) के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/योजनाओं के अंतर्गत दी गई छूटों में से यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

(2) समस्त आरक्षण तथा उससे जुड़ी आयु सीमा की छूट मध्यप्रदेश राज्य के संदर्भ में है, अतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, भूतपूर्व सैनिक तथा महिला अभ्यर्थियों को देय आरक्षण अथवा आयु सीमा में छूट केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को ही देय होगी। अन्य प्रदेशों के उक्त श्रेणी के अभ्यर्थी अनारक्षित मान्य होंगे।
(सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के पत्र क्रमांक 969/1197/2012/आ.प्र./एक, दिनांक 06.08.2012 में निहित व्यवस्था के अनुसार)

नोट :- (01) उपरोक्त परिशिष्ट -1 (एक) (1 से 2) (दो) (1 से 2) में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।

(02) अभ्यर्थियों को उपरोक्त सभी छूट देय होंगी किन्तु समस्त छूट को शामिल करते हुए भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात् जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

परिशिष्ट-2

ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी

1. **कम्प्यूटर प्रोग्रामर** के पद हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार हैं:-
   1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन पत्र **https://mppscforms.in/** तथा **www.mppsc.nic.in** वेबसाइट पर भरे जा सकेंगे।
   2. अभ्यर्थी अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक अभ्यर्थी नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
   3. अभ्यर्थी फार्म भरने के पूर्व पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों के पास एक वैध ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। उम्मीदवार को प्रोफाइल में पूछी गई सभी जानकारी को ध्यान से भरना चाहिए और इसे सेव करना चाहिए ।
   4. अभ्यर्थी फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय संलग्न करना होगा। अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि आवेदन पत्र में उनके फोटो एवं हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।
   5. सभी उम्मीदवारों को नवीन पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ और हस्ताक्षर की छवियों को अपलोड करना आवश्यक है इस हेतु फोटोग्राफ का न्यूनतम आकार 20 KB एवं हस्ताक्षर का न्यूनतम आकार-10 KB होना चाहिए ।
   6. आवेदन पत्र submit करने के बाद खुलने वाले pop-up window में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात **उसका नाम, माता पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी** जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Popup window में OK बटन दबाकर फार्म सबमिट करने पर आवेदन पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी जिसमें उसके आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा । **अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन पत्र submit होने के बाद "proceed for payment" बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन पत्र प्राप्त होगा, जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा "Payment Done" स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।**
   7. सिस्टम द्वारा केवल पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले उम्मीदवार के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
   8. **त्रुटि सुधार सुविधा :-** अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सावधानी पूर्वक भरें। आवेदन पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 29.12.2021 से 25.01.2022 तक प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटि सुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा। **अनारक्षित श्रेणी हेतु शुल्क रु. 500 तथा आरक्षित श्रेणी हेतु रु. 250 निर्धारित है। अतः आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा अनारक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रु. 250 त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा आरक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**
   ऑनलाइन आवेदन पत्रों में भरी गयी श्रेणी/वर्ग (अनारक्षित/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग)/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/लिंग (महिला/पुरुष)/शासकीय सेवक) आदि के आधार पर ही परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा।
   9. अभ्यर्थी यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन पत्र में दर्ज किए हस्ताक्षर ही, साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। **विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी।**

2. **परीक्षा तथा आवेदन शुल्क**

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु
रु. 250/-	रु. 500/-

सभी श्रेणी के आवेदकों को उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क रु. 35/- (GST अतिरिक्त) देय होगा। आवेदन एवं परीक्षा शुल्क एवं पोर्टल के शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य कोई राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्क धारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो निम्न दूरभाष नंबर पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हेल्पलाइन :- 0731-2711017

Email :- techsupp.mppsc@gmail.com

केवल विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को आवेदन एवं परीक्षा शुल्क ऑनलाइन पद्धति से वापस किया जाएगा, किन्तु पोर्टल शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

3. **ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि**
   (अ) ऑनलाइन आवेदन जमा करने की **अंतिम तिथि 23.01.2022** है। **अंतिम तिथि को रात्रि 12:00 बजे के बाद** आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जाएगी।

4. **अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ कोई अभिलेख अपलोड नहीं करने हैं किन्तु साक्षात्कार के पूर्व आयोग को प्रेषित किए जाने वाले अनुप्रमाणन फार्म, उपस्थिति पत्रक, व्यक्तिगत विवरण पत्रक तथा आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित प्रति के साथ निम्नांकित प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें :-**

आयु संबंधी प्रमाण के लिए :- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मेट्रीक्यूलेशन की अंकसूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण पत्र :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें अभ्यर्थी ने उत्तीर्ण किया है के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां।

शासकीय सेवक होने का प्रमाण-पत्र :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण-पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

जाति के प्रमाण-पत्र :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग का स्थायी जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो की मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत हैं द्वारा जारी किया गया हो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उसे नस्तीबद्ध किया जाएगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। विवाहित महिलाएं विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है। अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे। इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा :-

घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप

मैं ..... के विज्ञापन क्रमांक 09/2021, दिनांक 14.12.2021 के अंतर्गत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूं। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूं।

1. मैं ..... पिता श्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर/..... जिला ..... मध्यप्रदेश का मूल निवासी हूं। मैं ..... जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा मध्यप्रदेश हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्य है।
2. मैं यह भी घोषित करता/करती हूं कि मैं शासन के नवीनतम परिपत्रों द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार क्रीमीलेयर में नहीं आता/आती हूं।

हस्ताक्षर——
नाम——
रोल नंबर ——

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति केवल साक्षात्कार के पूर्व प्रस्तुत किए जाने वाले अनुप्रमाणन-पत्र के साथ संलग्न करें)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु :- सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र।

शासकीय सेवकों हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट-1 की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट-1 की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो अभ्यर्थी पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हों, उनको यह अभिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। अभ्यर्थियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर उनकी अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

6. **अनुशासनिक निर्देश :-**
   यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-
   01 जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिए साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
   02 प्रतिरूपण किया हो; या
   03 किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
   04 कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
   05 ऐसे कथन दिए हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छुपाई हो; या
   06 परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या
   07 परीक्षा कक्ष में अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या
   08 परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारियों को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक छति पहुंचाई हो; या
   09 उनके द्वारा प्रवेश पत्र में अभ्यर्थियों के लिए दिए गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमें परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी द्वारा मौखिक रूप से दिए गए अनुदेश सम्मिलित है, अतिक्रमण किया हो; या
   10 परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,

   तब आयोग द्वारा :-
   (क) उसे उस परीक्षा के लिए जिसके लिए वह उम्मीदवार है, निरर्ह ठहरा सकेगा
   और/ या
   उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी

परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसपर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

एवं तब शासन द्वारा :-

उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हताएं** :- ऐसे अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी निरस्त की जाएगी जिन्हें किसी परीक्षा अथवा चयन से उपरोक्त दर्शित प्रावधानों के तहत विवर्जित किया गया है।

8. **परीक्षा की पश्चातवर्ती प्रकिया के संदर्भ में आवश्यक निर्देश :-**

01 परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेवसाइट **www.mppsc.nic.in** पर प्रकाशित किया जाएगा। अभ्यर्थियों को उनके परिणाम की सूचना अन्य किसी भी रीति से नहीं दी जाएगी तथा न ही इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य किया जाएगा।

02 परीक्षा परिणाम के साथ ही साक्षात्कार के संदर्भ में समस्त आवश्यक सूचनाएं प्रकाशित की जाएंगी। अतः सफल अभ्यर्थी उनके परीक्षा परिणाम के साथ ही साक्षात्कार से संबंधित समस्त सूचनाओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर उसमें प्रदत्त अनुदेशों के अनुरूप आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** पर उपलब्ध कराए गए अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक तथा उपस्थिति पत्रक डाउनलोड करके आवश्यक पूर्तियों के पश्चात एवं सभी आवश्यक अभिलेख संलग्न कर, परीक्षा परिणाम में उल्लेखित साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा करें। अपने ऑनलाइन आवेदन की स्वप्रमाणित प्रति भी उक्त अभिलेखों के साथ अवश्य संलग्न करें।

03 साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि तक अभिलेख जमा न करने पर अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता स्वयमेव समाप्त हो जाएगी तथा आयोग द्वारा इस संदर्भ में अभ्यर्थी को पृथक् से कोई सूचना नहीं दी जाएगी तथा इस संदर्भ में प्राप्त अभ्यावेदनों को बिना विचार किए नस्तीबद्ध किया जाएगा।

9. **यात्रा व्यय का भुगतान :-**

(अ) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी जो कहीं सेवारत न हों को ऑनलाइन परीक्षा तथा साक्षात्कार हेतु मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय की पात्रता होगी।

(ब) उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लिखित वर्तमान निवास के पते के शहर/ग्राम से उन्हें आवंटित परीक्षा शहर तक आने तथा जाने के यात्रा व्यय का भुगतान किया जाएगा।

(स) उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को इसके लिए केंद्राध्यक्ष द्वारा आयोग द्वारा निर्धारित घोषणा-पत्र प्रदान किया जाएगा जिसे भरकर अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय की पात्रता से संबंधित निम्नांकित अभिलेखों के साथ केंद्राध्यक्ष को प्रस्तुत करना होगा :-

1. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर) के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।
2. यात्रा का टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गयी तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो ।

(द) अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण के वाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने बैंक का नाम, खाता क्रमांक तथा बैंक के IFSC Code का उल्लेख करना एवं साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की पठनीय स्केन प्रति आवेदन पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक विवरण में कोई त्रुटि/विसंगति होने के कारण भुगतान निरस्त होने की दशा में आयोग उत्तरदायी नहीं होगा तथा इस संबंध में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

(इ) साक्षात्कार हेतु उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय उपरोक्त नियमानुसार आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

परिशिष्ट-तीन

आप्टिकल स्कैनर द्वारा पढ़ी जाने वाली ओ.एम.आर. शीट के उपयोग संबंधी निर्देश तथा अन्य अनुदेश

टीप - ओ.एम.आर. शीट का मूल्यांकन आप्टिकल स्कैनर/कम्प्यूटर द्वारा किया जावेगा अतः ओ.एम.आर.शीट का उपयोग नीचे बताई गई बातों पर आवश्यक ध्यान रखते हुए अत्यन्त सावधानी पूर्वक करें।

1. आप अपने साथ परीक्षा कक्ष में कम से कम दो काले वाल पाईन्ट पेन अवश्य लाएं।
2. गोले भरने के लिए केवल काला वाल पाईन्ट पेन का ही उपयोग करें। गोलों को पूरी तरह गहरा काला करें, अधूरा अस्पष्ट या हल्का काला करने पर ओ.एम.आर. शीट स्कैनर द्वारा नहीं जांची जा सकेगी।
3. ओ.एम.आर. शीट पर किसी प्रकार का रफ कार्य न किया जाए। इस कार्य के लिए प्रश्नपत्र पर अलग से स्थान निर्धारित है, उस स्थान का ही उपयोग करें।
4. ओ.एम.आर. शीट अत्यन्त सावधानीपूर्वक रखें। उसे किसी तरह से मोड़ा या काटा न जाए और किसी प्रकार से गंदी न की जाए अन्यथा कम्प्यूटर/आप्टिकल स्कैनर उसे रद्द कर देगा।
5. उत्तर देना प्रारंभ करने के पहले सुनिश्चित कर लें कि ओ.एम.आर. शीट पर सभी प्रविष्टियां सही रूप से की गई है। अभ्यर्थी द्वारा उसे प्रदत्त प्रश्नपत्र सेट ए, वी, सी, डी अंकन न करने पर OMR का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
6. आपको प्रत्येक प्रश्न क्रमांक के सामने का केवल एक ही गोला काला करना है। एक से अधिक गोले को काला करने पर या गोलों को हल्का, अस्पष्ट या अधूरा काला करने पर या किसी अन्य पेन्सिल या स्याही से काला करने पर किसी अन्य तरीके से कोई निशान जैसे (✓) या (×) लगाने पर ओ.एम.आर. शीट कम्प्यूटर/आप्टिकल स्कैनर द्वारा नहीं पढ़ी जायेगी।
7. **ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर अंकन के लिये - सामान्य निर्देश -**

(अ) प्रश्नों के उत्तर : ओ.एम.आर. शीट पर यथा स्थान उत्तर अंकित करने के अनुदेश दिए है। इन्हें ध्यान से पढ़ें। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ओ.एम.आर. शीट पर आवश्यक संख्या लिखी है। प्रत्येक प्रश्न क्रमांक के नीचे/सामने क्रमशः 4 गोले ए.वी.सी.डी. बने है। प्रश्नपत्र में प्रत्येक प्रश्न के 4 वैकल्पिक उत्तर ए, वी, सी, डी दिए हैं। इनमें से, सही उत्तर चुनकर संबंधित प्रश्न क्रमांक के नीचे/सामने बने गोलों में से केवल एक गोला काले वाल पाईन्ट पेन से गहरा काला करें।

OMR Sheet में उत्तर अंकित कर उसे काटने/मिटाने/वाईटनर लगाने से उक्त/प्रश्न का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

(ब) ओ.एम.आर. शीट के सामने के पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक, परीक्षा तिथि, प्रश्नपत्र कोड आदि भरने के लिये बने खानों में प्रविष्टि के लिये काले वाल पेन का उपयोग करें। प्रश्न पत्र A, B, C, D set में से कोई एक ही सेट दिया जायेगा। अपने सेट का कोड क्रमांक सावधानी से नियत स्थान पर भरें एवं सेट के गोले को काले पेन से काला करें।

(स) हस्ताक्षर - ओ.एम.आर. शीट पर निर्धारित स्थान पर वाल पेन से हस्ताक्षर करें।

(द) ओ.एम.आर. शीट के पीछे के पृष्ठ पर अनुक्रमांक, प्रश्नपत्र कोड के कॉलम के गोलों में प्रविष्टि करने के लिये काला वाल पाईन्ट पेन का उपयोग कर संबंधित क्रमांक के गोले को काला करें। अभ्यर्थी उसे आवंटित प्रश्न पत्र के सेट कोड ध्यान से देखें तथा सेट की जानकारी सुनिश्चित होने के पश्चात ही प्रश्न पत्र के सेट कोड के गोले को अत्यंत सावधानी से काला करें। इसी काले किए गए कोड (ABCD के गोले) के आधार पर ही उत्तरशीट का मूल्यांकन किया जायेगा। सेट कोड गलत भरने पर त्रुटि सुधार नहीं होगा। मूल्यांकन अभ्यर्थी द्वारा भरे गये सेट कोड की उत्तर कुंजी के आधार पर होगा जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।

8. **रोल नम्बर की प्रविष्टि (चित्र एक)**

चित्र 1

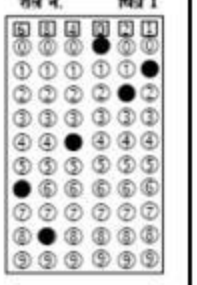

रोल नम्बर के खाने में बायें से दायें 1 से 6 तक स्तम्भ है। पहला स्तम्भ का लाख का, दूसरा स्तम्भ दस हजार का, तीसरा स्तम्भ हजार का, चौथा स्तम्भ सैकड़े का, पांचवा स्तम्भ दहाई का एवं छटा स्तम्भ इकाई का है। इनके नीचे 0 से 9 अंक लिखे हुए गोले हैं। इन्हीं में आपको अपने रोल नम्बर भरना है। उदाहरणार्थ यदि आपका रोल नं. 684021 है तो आप पहले ऊपर की लाइन में चौकोर खानों में दर्शाये अनुसार रोल नम्बर काला वाल पाईन्ट पेन से लिखें तत्पश्चात पहले स्तम्भ के गोले क्रमांक 6, दूसरे स्तम्भ के गोले क्रमांक 8, तीसरे स्तम्भ के गोले क्रमांक 4, चौथे स्तम्भ के गोले क्रमांक 0, पांचवे स्तम्भ के गोले क्रमांक 2 तथा छठे स्तम्भ के गोले क्रमांक 1 को काला वाल पाईन्ट से गहरा काला करें। अनुक्रमांक के गोले न भरने पर या गलत भरने पर **OMR** का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। अंकों में तथा गोले भरने में भिन्नता होने पर भी ओ.एम.आर. शीट का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थियों हेतु निर्देश एवं अनुदेश

निम्नलिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ने के उपरांत ही परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। निर्देशों एवं अनुदेशों का पालन न करने पर परीक्षार्थी आयोग द्वारा निर्धारित दंड का भागी होगा।

एक प्रवेश

01 परीक्षा में परीक्षार्थी को दिया गया प्रवेश नितांत प्रावधिक है।

02 परीक्षा नियत समय पर प्रारंभ होगी। केन्द्राध्यक्ष की घड़ी का समय ही प्रामाणिक मानकर परीक्षा संचालन किया जायेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् आने पर परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

03 परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश-पत्र तथा मान्य फोटो युक्ति परिचय-पत्र आवश्यपक रूप से अपने साथ रखें।

04 परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी की जांच की जाएगी। परीक्षार्थी अपने साथ केवल दो काले वाल पाईन्ट पेन, प्रवेश पत्र एवं मान्य फोटो युक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं। इसके अतिरिक्त मोवाइल, केलक्युलेटर, पेजर एवं किसी भी प्रकार का कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं है।

दो निर्गमन

01 सामान्यतः परीक्षार्थी को परीक्षा की अवधि में परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जावेगी। वीक्षक से विशेष अनुमति लेकर उनकी निगरानी में ही बाहर जाया जा सकेगा।

02 किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् एक घंटे तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी। भले ही उसने प्रश्नपत्र हल कर लिया हो।

03 प्रश्नपत्र हल करने के पश्चात् केन्द्राध्यक्ष/वीक्षक द्वारा ओ.एम.आर. शीट एकत्रित किये जाने के उपरांत वीक्षक की अनुमति से ही परीक्षार्थी परीक्षा भवन छोड़ेगा। ओ.एम.आर. शीट सहित कक्ष से बाहर जाने पर अभ्यर्थी के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाएगा ।

04 निर्धारित समय समाप्त होने के उपरांत किसी भी परीक्षार्थी को अतिरिक्त समय प्रदान नहीं किया जायेगा (केवल दृष्टिबाधित तथा ऐसे अस्थिबाधित जो दोनों ही हाथों से लिखने में असमर्थ हैं तथा जिन्होंने सहलेखक की सुविधा ली है, ऐसे आवेदकों को प्रारम्भिक तथा मुख्य परीक्षा में 20 मिनिट प्रति घण्टा अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।

निर्धारित समय के उपरांत कोई भी परीक्षार्थी न तो लिखे उत्तरों में कोई संशोधन करेगा और न ही शेष रहे प्रश्नों के उत्तर लिखने का प्रयास करेगा।

तीन नाम और अनुक्रमांक

चित्र- चार

A	○
B	●
C	○
D	○

ओ.एम.आर. शीट पर परीक्षार्थी केवल निर्धारित स्थान पर ही अपना नाम और अनुक्रमांक लिखे। ओ.एम.आर. शीट के अन्य किसी भी भाग पर न तो अनुक्रमांक, न अपना नाम और ना ही पता अंकित करें। ओ.एम.आर. शीट के साथ अन्य कोई सामग्री संलग्न करना वर्जित है। ओ.एम.आर. शीट में (आपको दिये गये A, B, C, D प्रश्न पत्र सेट में से कोई एक सेट मिलेगा) प्रश्नपत्र का सेट अवश्य लिखें एवं सेट के गोले को काले पेन से काला करें। आपके द्वारा प्रश्नपत्र सेट के गोले को काला करने पर ही उक्त सेट की उत्तर कुंजी से ही ओ.एम.आर. शीट मूल्यांकन होगा। जैसा चित्र में सेट-B को काला किया है।

चार अनुचित साधन

परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व सुनिश्चित करें कि उनकी सीट के निकट, उनके पास कम्पास, स्केल या पॉकेट में कोई अवांछित सामग्री, कोई पुस्तक या अनावश्यक कागज Electronic Gadget इत्यादि जो परीक्षा में प्रश्नपत्र हल करने में सहायक हो, न हों। परीक्षार्थी अनुचित साधन के प्रयोग से बचें।

परीक्षा कक्ष में अनुचित साधनों का प्रयोग सर्वथा वर्जित व दण्डनीय है। परीक्षा भवन में अपने साथ कोई भी लिखित या कोरा कागज, पुस्तक, वस्तु, टीप विशेषकर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा अन्य वर्जित वस्तुएं आदि लाना अनुचित साधनों के प्रयोग में सम्मिलित माना जायेगा। इसी प्रकार परीक्षा कक्ष में अन्य परीक्षार्थी से चर्चा करना, उसकी ओ.एम.आर. शीट से नकल करना अथवा अपनी शीट से अन्य परीक्षार्थी को नकल करवाना, किसी अन्य परीक्षार्थी से ओ.एम.आर. शीट बदलना, परीक्षा भवन में जोर-जोर से बोलना, किसी भी प्रकार की सांकेतिक भाषा अथवा किसी प्रकार से अन्य परीक्षार्थी को किसी प्रश्न का उत्तर बताना अथवा किसी अन्य परीक्षार्थी से किसी प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने का कोई प्रयास करना या किसी कागज पर प्रश्न पत्र की नकल करना भी अनुचित साधनों के प्रयोग के अन्तर्गत माना जायेगा। परीक्षा भवन में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर परीक्षार्थी द्वारा दी गई परीक्षा को निरस्त किया जा सकेगा, उसे परीक्षा से निष्कासित किया जा सकेगा तथा साथ ही उसे आगामी ऐसी अवधि के लिये जो आयोग उचित समझे आयोग की सभी परीक्षाओं, अन्य आयोगों की परीक्षा एवं साक्षात्कारों से वंचित किये जाने का दण्ड भी दिया जा सकेगा।

परीक्षा की गोपनीयता :- परीक्षा पूर्व/दौरान/पश्चात प्रश्न-पत्र की गोपनीयता के भंग होने की किसी भी गतिविधि में लिप्त पाये जाने वाले अभ्यर्थियों/व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जा कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पांच प्रश्न संबंधी शिकायत

प्रश्न से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत होने पर परीक्षार्थी परीक्षा के प्रावधिक उत्तर कुंजी प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर निर्धारित शुल्क (100 रुपये प्रति प्रश्न तथा रुपये 40 प्रति त्रुटि सुधार सत्र पोर्टल चार्ज) जमा कर ऑनलाइन पद्धति से आपत्ति दर्ज कराये। परीक्षा के प्रावधिक उत्तर कुंजी प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर ऑनलाइन पद्धति से दर्ज शिकायतों पर ही विचार किया जायेगा। इसके पश्चात एवं अन्य किसी पद्धति से प्रस्तुत आवेदनों को नस्तीबद्ध किया जाएगा। जिन प्रश्नों पर

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय प्राचार्य, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल-462016

दूरभाष : 0755-2552560, (कार्या.) 0755-2469466, (नि.) फैक्स : 0755-2552567
ई-मेल : hegsngpgcbho@mp.gov.in

क्रमांक/4454/स्था./सनाशकम/2021 भोपाल, दिनांक : 13.12.2021

विज्ञापन

महविद्यालय में सत्र 2021-22 के लिए जनभागीदारी समिति द्वारा स्ववित्तीय योजनांतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों एवं विजिटिंग फेकल्टी में अध्यापन व्यवस्था हेतु सादे कागज पर निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र.	विषय/पाठ्यक्रम का नाम	पद	पद संख्या	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ)
1.	योग विज्ञान	विजिटिंग फेकल्टी	01	स्नातकोत्तर योगा
2.	पुस्तकालय विज्ञान	अतिथि विद्वान	01	मास्टर्स इन लाइब्रेरी साइन्स (With computer/according to UGC norms)
3.	कम्प्यूटर साइंस	अतिथि विद्वान	01	एम.सी.ए./एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस)

1. इच्छुक अभ्यर्थी समस्त सुसंगत प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों सहित ए-4 साईज के कागज पर आवेदन विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से **07 कार्य दिवसों में** महाविद्यालय कार्यालय में समस्त प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों सहित ए-4 साईज के कागज पर ओवदन महाविद्यालय कार्यालय में कार्यालयीन समय पर जमा करें। निर्धारित अविधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
2. यदि अभ्यर्थी दो पाठ्यक्रमों हेतु आवेदन देना चाहते हैं, तो इस हेतु अलग-अलग आवेदन करना आवश्यक होगा।
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यार्थियों के लिए नियमानुसार छूट रहेगी। अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी आवेदन के साथ नवीनतम आय प्रमाण पत्र आवेदन के साथ ही आवश्यक रूप से जाम करें।
4. प्रत्याशी अपने आवेदन पत्र में फोटो सहित पूर्ण विवरण दें। संपर्क हेतु अपना डाक का पता तथा मोबाइल नम्बर अवश्य लिखें। आवश्यक प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि आवेदन के साथ नहीं लगाने पर संबंधित अधिभार नहीं जोड़ा जाएगा।
5. आवेदन सचिव, जनभागीदारी समिति, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल के नाम पर प्रेषित किए जायें।
6. चयन प्रक्रिया पूर्णतः मैरिट के आधार पर होगी। मैरिट अंकों का निर्धारण म.प्र. शासन का उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश क्र. 969/एफ-1-9/2016/38-1 भोपाल दिनांक 29.12.2015 के अनुसार स्नातकोत्तर/एम.फिल./पी.एचडी., संबंधित विषय में होना अनिवार्य है। किसी भी विषय का कोई सहविषय नहीं है।
7. महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति को चयन प्रक्रिया निरस्त करने अथवा आंशिक संशोधन करने का अधिकार होगा।
8. अतिथि विद्वानों द्वारा किए गए पठन-पाठन कार्य का मूल्यांकन गोपनीय रूप से संबंधित विद्यार्थियों द्वारा कराया जाएगा, जिसके आधार पर उन्हें हटाया भी जा सकेगा। इकसा उपयोग अगले वर्ष में चयन प्रक्रिया में भी किया जायेगा।
9. उपरोक्त सभी किसी भी हैसियत से महाविद्यालय स्थापना के अंतर्गत नहीं माने जाएंगे और न ही लोक सेवक की विधि निहित परिभाषा के अंतर्गत लोक सेवक माने जाएंगे।
10. अतिथि विद्वान प्रतिदिन अधिकतम 03 व्याख्यान ले सकेंगे। उन्हें जनभागीदारी समिति द्वारा स्वीकृत प्रति व्याख्यान हेतु निर्धारित मानदेय प्रदान किया जाएगा। अतिथि विद्वानों की संख्या बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तित की जा सकेंगे।
11. विजिटिंग फैकल्टी एवं परामर्शदाता का मानदेय जनभागीदारी समिति द्वारा स्वीकृत देय होगा।
12. अतिथि विद्वान को महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्यों में सहभागिता करनी होगी।

प्राचार्य एवं सचिव
जनभागीदारी समिति

जी-20341/46330/2021

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी (म.प्र.)

एनआईटी नं. 32/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/..... जबलपुर, दिनांक 13.12.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है -

स.क. एवं कार्य का नाम - 1. लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत अपूर्ण/निरस्त किये हुये कार्यों हेतु जोनल टेण्डर (पंचम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_171410_1	डिण्डौरी	139.98	139980/-	12500/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	-	-
2. शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष एवं लैब का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)							
2021_PWPIU_171395_1	डिण्डौरी	325.53	325530/-	15000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	-	-
3. जिला डिण्डौरी में नवीन स्वीकृत कार्यों में सुवरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)							
2021_PWPIU_173403_1	डिण्डौरी	236.64	236640/-	15500/-	24 माह वर्षाऋतु सहित	-	-
4. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शहपुरा जिला डिण्डौरी में 12 बिस्तरीय आई.सी.यू./एच.डी.यू. वार्ड का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)							
2021_PWPIU_173413_1	डिण्डौरी	44.65	44650/-	5000/-	02 माह वर्षाऋतु सहित	-	-

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mpeproc.gov.in** पर बिन भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 15.12.2021 समय 09.00 से दिनांक 29.12.2021 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.)
डिण्डौरी (म.प्र.)

जी-20392/46339/2021

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर।

(पिछले पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत आपत्ति, विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा सही पायी जाएगी उस प्रश्न हेतु दिया गया आपत्ति शुल्क आपत्तिकर्ता अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पद्धति से वापस किया जाएगा। इस हेतु आपत्तिकर्ता अभ्यर्थियों को आपत्ति मॉड्यूल में उसके बैंक खाते की जानकारी प्रविष्ट करना अनिवार्य होगा।

छः ओ.एम.आर. शीट का लौटाना

परीक्षार्थी परीक्षा के उपरान्त ओ.एम.आर. शीट कक्ष के वीक्षक को ही सौपेंगे परीक्षार्थी द्वारा किसी भी स्थिति में ओ.एम.आर. शीट परीक्षा कक्ष से बाहर ले जाना अथवा परीक्षा के उपरांत उसे वापस न दिया जाना गम्भीर अपराध माना जाएगा और इस हेतु उसके विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

सात ओ.एम.आर. शीट पर अनुक्रमांक अंकन व अन्य पूर्तियां

1 ओ.एम.आर. शीट पर नियत स्थान पर परीक्षार्थी अपना सही नाम और अनुक्रमांक शब्दों एवं अंकों में अंकित करें तथा परीक्षा का विषय कोड के सही गोले भरे। साथ ही प्रश्न पत्र सेट और भी अत्यंत सावधानी से भरें एवं सेट के गोले को काला करें।

2 ओ.एम.आर. शीट पर कोई दाग/चिन्ह न लगने पाए, इस बात की सतर्कता बरतें।

आठ प्रश्नपत्र पर अंकन

परीक्षार्थी प्रश्नपत्र पर भी अनुक्रमांक लिखे तथा रफ कार्य प्रश्नपत्र में दिये गये पृष्ठ पर ही करें इसके अतिरिक्त प्रश्नपत्र पर कुछ भी लिखना, प्रश्नपत्र की नकल करना या उसकी प्रति बनाना निषिद्ध होकर अनुचित साधन प्रयोग के समान दण्डनीय है।

नौ उपस्थिति पत्रक

प्रत्येक प्रश्नपत्र के समय परीक्षा कक्ष में वीक्षक के समक्ष परीक्षार्थी तिथि सहित अपने हस्ताक्षर करें। यह हस्ताक्षर नमूने के हस्ताक्षर के अनुरूप हों। हस्ताक्षर के नीचे अपना नाम भी लिखें।

दस दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु सहलेखक संबंधी नियम

अ. अभ्यर्थियों का विवरण जिन्हें सुविधा प्रदान की जाएगी :-

1. दृष्टिबाधित, ऊपरी हिस्से में (हाथ से) निःशक्त तथा सेरिब्रल पाल्सी से दिव्यांगजन परीक्षार्थी।
2. मानसिक रूप से संस्तम (स्पेस्टिक) डाइसलेक्सिक पर्सन्स विद डिसएबिलिटिज एक्ट 1995 में परिभाषित अशक्तता वाले परीक्षार्थी।
3. ऐसे परीक्षार्थी जो अचानक बीमार हो जाने की स्थिति में जब वह लिखने में असमर्थ हो, इस आशय का प्रमाण-पत्र ऐसे शासकीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिया गया हो, जो सहायक सर्जन रैंक से कम का न हो।
4. आकस्मिक दुर्घटना हो जाने पर जब परीक्षार्थी लिखने में असमर्थ हो और इस आशय का प्रमाण-पत्र ऐसे शासकीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिया गया हो, जो सहायक सर्जन से कम रैंक का न हो।
5. उपरोक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को छोड़कर अन्य अभ्यर्थियों को सहलेखक एवं प्रतिपूरक समय की सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी।

ब. प्रदान की जाने वाली सुविधाएं :-

उपरोक्त से संबंधित अभ्यर्थियों को सहायक एवं प्रतिपूरक समय की सुविधा प्रदान की जावेगी। उपरोक्त सुविधा लेने हेतु अभ्यर्थी द्वारा सम्पूर्ण जानकारी मय दस्तावेजों एवं घोषणा-पत्र सहित परीक्षा दिनांक से एक दिवस पूर्व संबंधित परीक्षा केन्द्राध्यक्ष के सम्मुख प्रस्तुत करना होगी ताकि नियमानुसार लिखित अनुमति प्रदान की जा सके। अपरिहार्य कारणों से पूर्व में आवेदित लेखन सहायक उपस्थित न होने की दशा में अभ्यर्थी द्वारा केन्द्राध्यक्ष के सत्यापन उपरांत नियमानुसार निर्धारित शर्तों के अनुरूप योग्यताधारी अन्य लेखन सहायक की सुविधा हेतु अनुमति दी जा सकेगी। लेखन सहायक से घोषणा-पत्र भरवाया जावेगा।

(i) लेखन सहायक की नियुक्ति हेतु शर्तें :-

लेखन सहायक एक ऐसा विद्यार्थी होना चाहिये जिसकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता अभ्यर्थी द्वारा दी जा रही परीक्षा की अर्हता से कम होना चाहिये। उदाहरण के लिये यदि किसी परीक्षा हेतु अभ्यर्थी की शैक्षणिक अर्हता स्नातक उपाधि है तो लेखन सहायक की योग्यता स्नातक से कम होना चाहिए। (अर्थात् स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं होना चाहिए) यदि किसी पद की परीक्षा की शैक्षणिक अर्हता स्नातकोत्तर उपाधि है, तो सहलेखक की योग्यता स्नातकोत्तर उपाधि से कम होनी चाहिए (अर्थात् स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण नहीं होना चाहिए)

(ii) प्रतिपूरक समय हेतु शर्तें :-

ऐसे अभ्यर्थियों को जिन्हें उपरोक्तानुसार सहलेखक की सुविधा प्रदान की गई है, निम्नानुसार प्रतिपूरक समय की पात्रता होगी :-

3 घंटे की अवधि के प्रश्नपत्र के लिए	60 मिनट
2 घंटे की अवधि के प्रश्नपत्र के लिए	40 मिनट

स. इसके अतिरिक्त प्रदाय की जाने वाली सुविधाएं :-

यथा संभव ऐसे अभ्यर्थियों का परीक्षा कक्ष भूतल पर निर्धारित किया जावेगा।

द. अभ्यर्थी को पात्र सहलेखक साथ में लेकर परीक्षा हेतु आना होगा। आयोग/केन्द्राध्यक्ष द्वारा सहलेखक उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।

टीप :- 1. उपरोक्त प्रकरणों के अतिरिक्त दिव्यांगजन संबंधित अन्य किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण एवं निर्णय लिये जाने हेतु आयोग के सर्वाधिकार सुरक्षित रहेंगे।

2. दिव्यांगजन श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थियों को जिन्हें सहलेखक एवं भूतल पर बैठने की व्यावस्था की आवश्यकता है वे अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उक्त आवश्यकताओं की प्रविष्टि करेंगे। अभ्यर्थी ध्यान रखें कि आकस्मिक दुर्घटना एवं बीमारी के मामलों को छोड़कर अन्य मामलों में अभ्यर्थियों को उक्त सुविधाएं उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गई प्रविष्टि के आधार पर ही देय होगी।

ग्यारह विविध

1. परीक्षार्थियों को किसी भी प्रश्नपत्र में ग्राफ पेपर या नक्शा/स्टेन्सिल उपलब्ध नहीं कराया जावेगा और परीक्षार्थी स्वयं भी ग्राफ पेपर या नक्शा/स्टेन्सिल परीक्षा भवन में नहीं लाएंगे।
2. परीक्षार्थियों को अपने साथ डिजीटल डायरी, वॉच, केल्क्यूलेटर, सेल्युलर फोन, पेजर तथा अन्य electronic gadgets लाना वर्जित है।

बारह परीक्षार्थी ओ.एम.आर. शीट एवं प्रश्नपत्रों पर दी गई समस्त सूचनाएं/निर्देश एवं अनुदेश ध्यानपूर्वक पढ़े व अनिवार्यता से उनका पालन करें।

तेरह अनुशासन व शालीनता

1. परीक्षा कक्ष में धूम्रपान करना/अशिष्ट, अनर्गल वार्तालाप करना पूर्णतः निषिद्ध व दण्डनीय है।
2. परीक्षा परिसर में एवं भवन के अन्दर वीक्षक व केन्द्राध्यक्ष द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों का पालन अनिवार्य है।
3. परीक्षा भवन के फर्नीचर अथवा केन्द्र पर की गई अन्य व्यवस्था को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जाना चाहिए। यह दण्डनीय है।
4. यदि परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्ष द्वारा निर्देशों का पालन नहीं करता है अथवा अशिष्ट आचरण करता है अथवा अनुचित या अशोभनीय या अशालीन व्यवहार करता है तो वह परीक्षा से निष्कासित किया जा सकेगा। उसकी परीक्षा निरस्त की जा सकेगी तथा वह ऐसे अन्य दण्ड का भी भागी होगा, जो आयोग उचित समझे। केन्द्राध्यक्षों को निर्देश दिये गये हैं कि ऐसे परीक्षार्थियों के नाम गोपनीय ढंग से आयोग को सूचित किये जाएं। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्ष के पूर्ण प्रशासकीय नियंत्रण में होगा।

जी-20346/आर-46327/2021

कार्यालय, परीक्षा पूर्व शिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)

(35 श्यामला हिल्स, भोपाल) ISO : 9001: 2008

E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र/प्रशि/2021/472 भोपाल, दिनांक : 16.12.2021

म.प्र. पी.एस.सी. 2021 प्रशिक्षण के लिए अतिथि व्याख्याताओं हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल में मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रशिक्षणार्थियों को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे तथा प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रशिक्षण प्रदाय किया जाता है। उक्त परीक्षाओं में प्रशिक्षण देने के लिये अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से शैक्षणिक सत्र 2021-2022 एवं 2022-23 के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। अतिथि व्याख्याताओं के लिये निर्धारित योग्यता एवं अनुभव निम्नानुसार रहेगा-

1. उम्मीदवारों को प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि धारक ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहां से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो में अध्यापन का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है।
2. योग्य उम्मीदवारों का पैनल बनाकर समय-समय पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में व्याख्याताओं को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जावेगा एवं उन्हें शासन द्वारा नियत मानदेय का नियमानुसार भुगतान किया जावेगा। जो वर्तमान में 90 मिनट का रुपये 800 है।
3. आवेदन पत्र में अतिथि व्याख्याताओं द्वारा पढ़ाये जाने वाले विषयों एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना अनिवार्य है।
4. प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशों के पालन में केन्द्र में गठित समिति द्वारा किया जावेगा, जिसका निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।

निर्धारित अर्हता रखने वाले उम्मीदवार अपना आवेदन शैक्षणिक अभिलेखों व अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियों के साथ **दिनांक 05 जनवरी, 2022 तक** केन्द्र के **E-mail : petcsc.bpl@gmail.com** पर अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा कार्यालयीन पते पर अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में आकर जमा कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 या मोबाइल नं. 9303104557 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल

कार्यालय, प्राचार्य परीक्षा पूर्व शिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)

(35 श्यामला हिल्स, भोपाल) ISO : 9001: 2008
E-mail: petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

अंशकालीन अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु आवेदन पत्र

1. अध्यापन विषय जिसके लिये आवेदन किया जा रहा है : .....
2. प्रतियोगी परीक्षा का नाम : .....
3. नाम : .....
4. पिता/पति का नाम : .....
5. आयु/जन्म तिथि : .....
6. पत्राचार का पता : .....
7. आधार नं. : .....
8. ई-मेल आई.डी. : .....
9. मोबाइल नं. : .....

फोटो

10. **शैक्षणिक योग्यता :-**

क्र.	परीक्षा	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/विश्वविद्यालय	विषय	प्रतिशत/ग्रेड/CGPA
1.	हाईस्कूल				
2.	हायर सेकेण्डरी				
3.	स्नातक				
4.	स्नातकोत्तर				
5.	एम.फिल.				
6.	अन्य				

11. **स्वयं आवेदक द्वारा दी गई विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का विवरण -**

क्र.	परीक्षा का नाम	वर्ष	परिणाम	रिमार्क

12. **प्रतियोगी परीक्षाओं के अध्यापन का अनुभव -**

	परीक्षा का नाम	प्रशिक्षण संस्थान का नाम एवं पता ई-मेल, फोन नं. सहित	प्रशिक्षण के अनुभव की अवधि	कुल प्रशिक्षणार्थी जिनको प्रशिक्षण दिया गया	परीक्षा परिणाम प्रतिशत में संस्थान के प्रमाण पत्र संलग्न करें	रिमार्क
A.	पी.एस.सी.					
B.	बैंक					
C.	रेलवे					
D.	प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड अन्य					

13. अन्य कोई जानकारी जो आपके चयन में सहयोग कर सकें -

दिनांक

आवेदक के इस्ताक्षर
नाम : ——————
आधार नं. : ——————
ई-मेल : —————— मोबाइल नं : ——————
पता : ——————

जी-20384/46337/2021

देवी रुक्मणी शिक्षण समिति द्वारा संचालित

आवश्यकता | देवी रुक्मणी महाविद्यालय खरगोन

बिस्टान रोड़, खरगोन म.प्र. 451001

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली, म.प्र.उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर से सम्बद्धता प्राप्त
बी.एड. (द्विवर्षीय नियमित पाठ्यक्रम हेतु)परिनियम 28 (कॉलेज कोड) के अन्तर्गत नियुक्ति

क्र.	पद	पदों की संख्या
1.	प्राचार्य	1
2.	संकाय पद (शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में)	4
3.	संकाय पद (विज्ञान, गणित, भौतिक, रसायन, सामा.विज्ञान भाषा)	8
4.	शारीरिक शिक्षा	1
5.	ललितकला	1
6.	निष्पादन कलाएं (संगीत, नृत्य, रंगमंच)	1

नोट-समस्त पदों हेतु योग्यता एन.सी.टी.ई. के मापदण्डों के अनुसार। वेतनमान यू.जी.सी. एवं एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार। आवेदन-पत्र विज्ञापन प्रकाशित होने के 8 दिनों के भीतर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित उपरोक्त पते अथवा मेल पर भेजे।

संपर्क : फोन 07282-241040, 81097 68394, 98265 87812 ई-मेल drcollegekgn@gmail.com

R-46348/2021

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-भोपाल

विज्ञप्ति

यूनिसेफ भोपाल का पत्र क्र./BFO/RCH/100/102/100/2021/23 दिनांक 05.08.2021 के अनुसार कोविड पेनडेमिक में नियमित एवं कोविड टीकाकरण हेतु यूनिसेफ सपोर्टेड विकासखण्ड समन्वयक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल को 03 मानव संसाधन (विकासखण्ड समन्वयक) को निम्न निर्धारित मापदण्डों एवं मासिक मानदेय के आधार पर 31 दिसम्बर 2021 तक अस्थाई स्वीकृति प्रदान दी गई है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	पदनाम	योग्यता	कुल पद	मासिक मानदेय प्रतिमाह	प्राथमिकता
01.	विकासखण्ड समन्वयक	एम.बी.बी.एस.	03	50,000/-	प्रथम
		बी.डी.एस.		30,000/-	द्वितीय
		बी.ए.एम.एस.		25,000/-	तृतीय

इच्छुक पात्र उम्मीदवार वॉक इन इन्टरव्यू में अपने निर्धारित शैक्षणिक योग्यता संबंधी समस्त मूल दस्तावेज (प्रशिक्षण हेतु) तथा इनकी स्वप्रमाणित छायाप्रति जमा करने हेतु साथ ले कर आये।

दिनांक 14.12.2021 को आयोजित वॉक इन इन्टरव्यू अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया गया है।

1. दिनांक 14.12.2021 को उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा जमा किये गये आवेदन इस विज्ञप्ति के लिये मान्य होंगे।
2. अभ्यर्थी को म.प्र. मेडिकल काउंसिल/म.प्र. डेंटल काउंसिल/म.प्र. आयुर्वेदिक बोर्ड का स्थायी जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
3. निर्धारित चिकित्सा पद्धति के 21 वर्ष से 45 वर्ष की आयु के पात्र आवेदक आवेदन कर सकते हैं।
4. स्नातक में कुल प्राप्तांकों के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची (चिकित्सा पद्धति अनुसार) तैयार की जावेगी। (प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष तक के कुल प्राप्तांक आधर पर)
5. उपरोक्त चयन प्रक्रिया में एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों को प्राथमिकता दी जावेगी। वांछित संख्या में एम.बी.बी.एस. चिकित्सक उपलब्ध होने पर अन्य चिकित्सा पद्धति के चिकित्सकों पर विचार नहीं किया जावेगा। पर्याप्त संख्या में एम.बी.बी.एस. चिकित्सक उपलब्ध न होने की स्थिति में अन्य चिकित्सा पद्धति चिकित्सकों की मेरिट सूची वर्ग अनुसार तैयार की जावेगी तथा प्रथम प्राथमिकता बी.डी.एस. चिकित्सक, तत्पश्चात बी.ए.एम.एस. चिकित्सकों पर विचार किया जावेगा।
6. यह अस्थायी अनारक्षित नियोजन अनुबंध आधर पर किया जा रहा है। आवेदक को चयन के पश्चात् नियुक्ति के समय 500 रुपये का अनुबंध स्वयं के व्यय से करना होगा।
7. अभ्यर्थी के आवश्यकतानुसार कोविड टीकाकरण एवं नियमित टीकारण की सेवाओं की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी संबंधी कार्य लिया जावेगा।
8. अभ्यर्थी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के प्रशासनिक नियंत्रण में रहेंगे।
9. दस्तावेजों में किसी प्रकार की त्रुटि या कूट रचना पाये जाने पर उम्मीदवारी स्वतः निरस्त होगी।
10. कार्य आवश्यकता न होने अथवा फंड प्राप्त न होने की दशा में अथवा अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित होने, कार्य में लापरवाही/अवहेलना करने पर सेवायें किसी भी समय समाप्त की जा सकेंगी।
11. वॉक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित होने हेतु अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार का टी.ए/डी.ए. देय नहीं होगा।
12. चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

कार्यालय को बिना कारण बताये किसी भी समय इस विज्ञप्ति में आंशिक रूप से परिवर्तन अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। किसी भी विवाद की स्थिति में केवल भोपाल स्थित न्यायालय मान्य रहेगा।

वॉक-इन-इंटरव्यू/प्रपत्र जमा करने का
स्थान - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय
दिनांक - 20.12.2021
समय - प्रातः - 11.00 से अपरान्ह 2.00 बजे तक
चाही गई जानकारी निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुतम करना होगा।
कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अनुमोदित।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला भोपाल

कोविड-19 अंतर्गत अस्थाई नियोजन - आवेदन का प्रारूप

विकासखंड समन्वयक पद के लिये आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम : .....
2. पिता/पति का नाम : .....
3. जन्म दिनांक एवं आयु : .....
4. स्थानीय पता : .....
5. स्थायी पता : .....
6. मोबाइल नंबर : .....
7. ई-मेल आई.डी. : .....

स्वप्रमाणित फोटो

क्र.	शैक्षणिक योग्यता	बोर्ड/वि.वि. का नाम	पूर्णांक/प्राप्तांक	प्रतिशत

8. जीवित स्थायी पंजीयन क्रमांक : .....
9. आधार कार्ड नंबर : .....
10. बैंक खाता नंबर : .....
11. आई.एफ.एस.सी. कोड : .....
12. ई-मेल आईडी : .....
13. संलग्नक (हाईस्कूल मार्कशीट/हायर सेकेण्डरी मार्कशीट/स्नातक मार्कशीट/जीवित स्थायी पंजीयन) : .....

दिनांक :-

शपथ पत्र

मेरे द्वारा ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान के अनुसार पूर्णतः सत्य है। यदि इसमें कोई विसंगति पायी जाती है तो जिसके लिये मैं स्वयं उत्तरदायी रहूंगा/रहूंगी। मैं विभाग को आवश्यकतानुसार संबंधित सभी सेवायें देने हेतु भी सहमत हूं।

जी-20379/46336/2021 आवेदक के हस्ताक्षर

अफवाहों पर न दें ध्यान, कोरोना से बचने का टीका ही समाधान।

मध्यप्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक होगा आनंद उत्सव - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में 14 से 28 जनवरी 2022 तक आनंद उत्सव आयोजित किया जाएगा। हाल ही में वाराणसी में विभिन्न राज्य में संचालित नवाचारों पर हुए प्रस्तुतिकरण में मध्यप्रदेश की ओर से आनंद विभाग पर केंद्रित प्रस्तुतिकरण किया गया था। इसे विभिन्न राज्यों द्वारा बहुत सराहा गया। कई राज्य आनंद विभाग की गतिविधियों का अनुसरण करने के इच्छुक हैं। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में आनंद विभाग की गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा। इसमें अल्पविराम, आनंद घर, आनंद कैलेंडर और आनंद शिविर जैसी गतिविधियां संचालित होंगी।

प्रदेश में वर्तमान में 170 स्थानों पर आनंद घर संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने मंत्री साथियों को अपने विभागों की गतिविधियों में केंद से अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त करने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश में एक साल में तेईस रिडेंसीफिकेशन की योजनाएं स्वीकृत

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने जानकारी दी है कि गत एक वर्ष में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 1900 करोड़ 87 लाख रुपये की 23 (पुनर्घनत्वीकरण) की योजनाएं विभिन्न शहरों में स्वीकृत की गयी हैं। इनमें से कुल 8 योजनाएं प्रगतिरत हैं और शेष में कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया जारी है।

बुरहानपुर पैकज-1 पुराना जिला चिकित्सालय का पुनर्घनत्वीकरण योजना लागत 54 करोड़ 27 लाख रुपये, बुरहानपुर पैकज-2 जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालय पुनर्घनत्वीकरण लागत 45 करोड़ रुपये, सीधी की पुनर्घनत्वीकरण योजना सम्राट चौक स्थित शासकीय कार्यालय परिसर लागत 55 करोड़ रुपये, सिंगरौली पुनर्घनत्वीकरण योजना (ब्लॉक कॉलोनी एवं आर.आई. क्वार्टर की भूमि) 88 करोड़ रुपये, मेघ नगर झाबुआ पुनर्घनत्वीकरण योजना 15 करोड़ रुपये, उज्जैन पुनर्घनत्वीकरण योजना (राजस्व कॉलोनी) 88 करोड़ 60 लाख रुपये, खुरई पुनर्घनत्वीकरण योजना 47 करोड़ रुपये और थाटीपुर-ग्वालियर पुनर्घनत्वीकरण योजना 625 करोड़ रुपये की स्वीकृत की गई है। इसी तरह बैतूल जेल पुनर्घनत्वीकरण योजना 70 करोड़ रुपये, पुरानी सब्जी मंडी पुनर्घनत्वीकरण योजना 40 करोड़ रुपये, बग्गी खाना रुपये और शहडोल गांधी चौक स्थित वन विभाग की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 40 करोड़ रुपये की स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार भिंड सिंचाई कॉलोनी पुनर्घनत्वीकरण योजना लागत 70 करोड़ रुपये, वारा सिवनी, बालाघाट पशु चिकित्सालय की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 46 करोड़ रुपये, रीवा जल संसाधन विभाग गंगा कछार 70 करोड़ रुपये, रीवा लोक निर्माण विभाग की सिरमोर चौराहा स्थित भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 80 करोड़ रुपये, रीवा बाणसागर परियोजना सिंचाई विभाग की समान कॉलोनी की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 85 करोड़ रुपये, निवाड़ी (ओरछा) राजघाट कॉलोनी 40 करोड़ रुपये, दमोह जेल पुनर्घनत्वीकरण योजना 98 करोड रुपये, श्योपुर पुराना कलेक्ट्रेट, पी.डब्ल्यू.डी. गोदाम एवं पुरानी तहसील की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 30 करोड़ रुपये, कटनी तहसील की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 60 करोड़ रुपये, इंदौर वैष्णव पॉलिटेक्निक कॉलेज की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 36 करोड़ रुपये और बैतूल पुरानी कलेक्ट्रेट की भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना 38 करोड़ रुपये की स्वीकृत की गई है।

मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग को जनसाधारण से जोड़ना जरूरी

योजनाओं और अधोसंरचना विकास से संबंधित गतिविधियों का थर्ड पार्टी मूल्यांकन आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राज्य नीति एवं योजना आयोग की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, प्रदेशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से राज्य नीति आयोग कम समय में पूर्ण होने वाली योजनाएं बनाएं, नीतियां निर्धारित करें, उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर जल्द से जल्द परिणाम सामने लाएं। इस उद्देश्य से सर्वोच्च प्राथमिकता के कुछ कार्यक्रम एवं योजनाएं तय कर उनके लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। कार्यों का प्रभाव आगामी दो वर्ष में परिलक्षित होना चाहिए। मुझे परिणाम चाहिए। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुये दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) की प्राप्ति के लिए विभागों की कार्ययोजना, रणनीति एवं समय-सीमा को स्पष्टतः प्रस्तुत किया जाए। प्रदेश में आईएमआर, एमएमआर, माल न्यूट्रिशन, स्टंटिंग के साथ सहकारिता आंदोलन, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण, महिला नीति, सतत् पर्यटन और मत्स्य निर्यात की दिशा में प्रभावी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिणाम दिखाई दे सकते हैं। अतः इन पर विशेष ध्यान दिया जाए। गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर से लेकर जन-प्रतिनिधि, दीनदयाल अंत्योदय समिति, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तक की जिम्मेदारी और समय-सीमा तय की जाए तथा मासिक आधार पर इनकी समीक्षा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक आकांक्षी विकासखंड की जिम्मेदारी एक-एक अधिकारी को सौंपी जाए। इससे तय लक्ष्य की समय-सीमा में प्राप्ति में सहायता मिलेगी। प्रदेश में कल्याणकारी योजनाओं और अधोसंरचना विकास से संबंधित गतिविधियों के थर्ड पार्टी मूल्यांकन के संबंध में भी विचार-विमर्श आवश्यक है।

श्री चौहान ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने में मध्यप्रदेश अधिक से अधिक योगदान कैसे दे सकता है, इस पर भी राज्य नीति आयोग को विचार करना होगा। यह निर्धारित करना होगा कि हम देश की फाईव ट्रिलियन इकोनॉमी और सौर ऊर्जा में राष्ट्रीय स्तर पर कितना योगदान कर सकते हैं। सोच और कार्य के इस तरीके से ही डबल इंजन की सरकार प्रभावी रूप से कार्य कर सकेगी। मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग को जन-साधारण से जोड़ना जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि जन-धन का दुरुपयोग न हो। नीति निर्माण में हितग्राहियों के फीडबैक, कार्यक्रमों और योजनाओं से जुड़े सभी समूहों से परामर्श लिया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न गतिविधियों की प्रतिमाह समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

टीका नहीं लगवाने की सामाजिक गैर जिम्मेदारी के हो सकते हैं घातक परिणाम

वैक्सीन नहीं लगवाने वालों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करना हमारा कर्तव्य

भोपाल, कोरोना के दोनों टीके लगवाना सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। हम कोरोना का टीका नहीं लगवाकर अपने साथ, अपने परिजन और परिचितों की जान को भी जोखिम में डालते हैं। इस प्रकार की सामाजिक गैर जिम्मेदारी के परिणाम घातक हो सकते हैं। प्रदेश में सभी पात्र व्यक्तियों के शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य दिसंबर के अंत तक पूर्ण किया जाना है। इस लक्ष्य को पूरा करने में सभी सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, मीडिया के बंधुओं और प्रत्येक व्यक्ति से सहयोग की अपील है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टीकाकरण महाअभियान-10 के अंतर्गत शिवाजी नगर स्थित सरोजिनी नायडू विद्यालय में संचालित टीकाकरण केंद्र का अवलोकन करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू विद्यालय में टीकाकरण केंद्र का अवलोकन करते हुये।

देश-दुनिया में पैर पसार रहा है ओमिक्रॉन वेरिएंट

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को सतर्क करते हुए कहा कि कोरोना अभी समाप्त नहीं हुआ है। प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 171 है। इसके अतिरिक्त देश-दुनिया में नया वेरिएंट ओमिक्रॉन फैल रहा है। इससे बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। अतः प्रदेशवासियों से निवेदन है कि मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसी सावधानियों का पालन करें। भीड़ से बचें और कोरोना के विरुद्ध सबसे अधिक सशक्त तथा प्रभावी ढाल टीकाकरण को अपनाएं।

मध्यप्रदेश में 94 प्रतिशत पात्र लोगों को लगा वैक्सीन का पहला डोज

श्री चौहान ने कहा कि अधिकतम टीका लगाने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश अग्रणी है। अब तक प्रदेश के 94 प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को टीके का पहला डोज और 77 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। हमारा उद्देश्य दिसम्बर अंत तक प्रदेशवासियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण कर प्रदेश को संपूर्ण सुरक्षा चक्र प्रदान करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निःशुल्क टीका देने की व्यवस्था की गई है। टीका जीवन का रक्षक है, अतः सभी धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, स्वयंसेवी संस्थाएं, कोरोना वॉलेंटियर्स अपने आस-पास ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करें, जिसने अभी तक टीका नहीं लगवाया है। यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने टीकाकरण केंद्र पर नागरिकों से की बातचीत

मुख्यमंत्री ने सरोजिनी नायडू स्कूल के टीकाकरण केंद्र से टीकाकरण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री चौहान ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीकाकरण के लिए बनाए गए स्टालों पर जाकर टीकाकरण के लिए आए व्यक्तियों से कुशल-क्षेम पूछी तथा आईएम वैक्सीनेटेड की स्टाम्प नागरिकों को लगाई। केंद्र में बने सेल्फी पाइंट पर 'मैंने निभाई अपनी जिम्मेदारी-अब है आपकी बारी के संदेश के साथ नागरिकों ने मुख्यमंत्री के साथ फोटो भी खिंचवाई।

केंद्र सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण के लिए 1814 करोड़ रुपये स्वीकृत

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश को 600 किलोमीटर लम्बाई की 23 सड़कों के निर्माण के लिए 1814 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया है। इन सड़कों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से अनुरोध किया था। इसी का परिणाम रहा कि पूर्व के वर्षों में इस मद में मिलने वाली 500-600 रुपये करोड़ की स्वीकृति इस बार तीन गुना बढ़कर 1814 करोड़ रुपये की प्राप्त हुई।

लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने बताया कि केंद्रीय सड़क एवं अधोसंरचना निधि के तहत लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रेषित 4080 करोड़ के प्रस्ताव की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से 16 सितम्बर, 2021 को इन्दौर में अनुरोध किया था।

केंद्र द्वारा स्वीकृत इन 23 सड़क मार्गों में तीस किलोमीटर लंबी चांदपुर-छिरारई बलेह-धनगौर-बांसा काला सड़क, 53 किलोमीटर लंबी शाहपुर-दरारिया-चनोआ-जामघाट-पाटर-रानगिर-ज्वाप सड़क, वही-बालागुड़ा-अंबभ-केंगहट्टी-उग्राम सड़क, 32.80 किलोमीटर लंबी समनापुर-बजग सड़क, 22.80 किलोमीटर लंबी महू जोड़ से गुलावाता-धामंदा-खुजनेर सड़क, 18.30 किलोमीटर लंबी बरोठा-सेमलिया-चउ सड़क, 23 किलोमीटर लंबी कुंडम-निवास सड़क, 14.73 किलोमीटर लंबी कलवाना केनाल से प्रतापपुर बरधा सड़क, 32.80 किलोमीटर लंबी चिनौर-करहिया से भितरवार सड़क, 11.60 किलोमीटर लंबी चिटोली से रानीघाटी सड़क, 4.70 किलोमीटर लंबी डवरा-पिछोर सड़क से कटारे बाबा की मड़ी से सरनागत बडेरा सड़क, 16.80 किलोमीटर लंबी देवतालाब से नईगढ़ी मेजर जिला सड़क, 47.80 किलोमीटर लंबी भादवामाता-सरवानिया महाराज-जावरा थाना-धानी-सरोदा-चंदोल सड़क, 43 किलोमीटर लंबी गांव बंडोल-बंकी-सागर-चंदोरीमरगोदी-जमकनरगाँव-कोहका सड़क, 17 किलोमीटर लंबी जवसियापंथ से फतेहाबाद से चंद्रवटीगंज सड़क, 45 किलोमीटर लंबी व्योहारी-मॉडल गांव-न्यू सपटा मार्ग सड़क, 8 किलोमीटर लंबी पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग 118/8 से 194/6 और 208/10 से 210/10 के बायें हिस्से की सड़क, 6.50 किलोमीटर लंबी फोर लेन एलीवेटेड स्वर्णरेखा नाला ग्वालियर से आईआईटीएम से महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा सड़क, 2.70 किलोमीटर लंबी एलीवेटेड कॉरिडोर वैरागढ़ भोपाल सड़क का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह 55 किलोमीटर लंबी बकतरा-भरखाच सड़क से देहरी बम्होरी-सोमलवाड़ा-ननभेट नान्देर-खैरी सिलेगाना-जौनतला-जैत-सरदारनगर-हथनौरा-संदानिया बनेटा से शाहगंज सड़क का उन्नतीकरण, 50 किलोमीटर लंबी बख्तरा-सियागहन-सागपुर-रिछोडा-खोहा-क्याड़ा-सत्रहमऊ-बोदरा-ग्वाडिया-नीमतोन-डुंगारिया सड़क का उन्नतिकरण, 800 मीटर लंबी रीवा शहर में सिरमौर चौराहे में बने फ्लाई ओवर के तीसरे पिलर के निर्माण और 38.40 किलोमीटर लंबी पन्ना पहाड़ी खेड़ा सड़क शामिल है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनायेंगे - मुख्यमंत्री

विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में करेंगे ड्रोन तकनीक का उपयोग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्वालियर में ड्रोन मेले के दौरान प्रदर्शित विभिन्न ड्रोन का अवलोकन करते हुये।

ग्वालियर, विकास एवं कल्याण के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनायेंगे। ड्रोन एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक है जिसका उपयोग जनकल्याण एवं सुशासन में किया जा सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर में 'ड्रोन मेला' में मौजूद युवाओं और किसानों को संबोधित करते हुये कहीं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले ग्वालियर की प्राचीन परंपरा हैं, पर ग्वालियर में ड्रोन मेले के रूप में अद्भुत मेला लगा है। यह ड्रोन मेला एक मेला भर नहीं, जनता की जिंदगी बदलने का अभियान है। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल खेतों में उर्वरक तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने में किया जा सकता है। इससे किसान हानिकारक रसायनों के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं। यह तकनीक खर्चीली भी कम है। ड्रोन तकनीक से 25 प्रतिशत तक खाद की बचत होती है।

श्री चौहान ने कहा कि हाल ही में मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में आई बाढ़ के दौरान ड्रोन तकनीक काफी मददगार साबित हुई है। बचाव कार्य ड्रोन के जरिए चलाए गए। विदिशा जिले के गंजबासौदा में कुआं धसक जाने की घटना में बचाव कार्य में ड्रोन का उपयोग हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित स्वामित्व योजना में भी ड्रोन तकनीक महती भूमिका निभा रही है। इस योजना में हरदा जिले में शत-प्रतिशत ग्रामीण लोगों को स्वामित्व का अधिकार दिलाया गया है।

प्रदेश में वर्तमान में स्वामित्व योजना के तहत 35 ड्रोन काम कर रहे हैं। ड्रोन तकनीक से दवाएं और आपातकालीन राहत आसानी से दुर्गम स्थलों तक पहुंचाई जा सकती है। इसी तरह बगैर आदमी के सीमाओं की सुरक्षा की जा सकती है। इस तरह कहा जा सकता है कि ड्रोन तकनीक लोगों के जीवन में संजीवनी की तरह काम कर रही है।

ड्रोन तकनीक किसानों के लिये क्रांतिकारी

केंद्रीय किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि उच्च तकनीक और मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ श्रेष्ठ भारत के निर्माण की सोच के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। इसी कड़ी में ड्रोन तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक किसानों के लिये क्रांतिकारी साबित हो रही है।

रोज़गार के नए अवसर सृजन करेगी ड्रोन तकनीक

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ड्रोन मेला ग्वालियर के लिये एक ऐतिहासिक दिन है। इसके माध्यम से हम नई क्रांति के साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले समय में ड्रोन तकनीक से विश्व की अर्थव्यवस्था और जीवन में बड़े बदलाव आयेंगे। खुशी की बात है कि ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल में मध्यप्रदेश देश का अव्वल राज्य है।

मध्यप्रदेश में पांच ड्रोन स्कूल खोले जायेंगे

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने घोषणा की कि मध्यप्रदेश में पांच ड्रोन स्कूल ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर और सतना में खुलेंगे। इन स्कूलों के जरिए ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे युवाओं को रोज़गार मिले।

बेस्ट प्रेक्टिसेस के साथ सुशासन एवं जनभागीदारी से जनकल्याण

वाराणसी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में बनारस में हुई मुख्यमंत्री परिषद में सुशासन और जनभागीदारी से जनकल्याण की मध्यप्रदेश की बेस्ट प्रेक्टिसेस ने सबको आकर्षित किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिये गये प्रजेन्टेशन के बाद परिषद में शामिल अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मध्यप्रदेश के जनभागीदारी मॉडल को भरपूर सराहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना की पहली और दूसरी लहर का सामना भी राज्य सरकार ने जनभागीदारी से किया। अब प्रदेश में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में भी विभिन्न स्तर पर जनता की जवाबदेही तय की गई है, जिसके सफल परिणाम भी मिल रहे हैं। श्री चौहान ने देश में पहली बार मध्यप्रदेश में गठित अपनी तरह के आनंद विभाग और आनंद संस्थान की भी जानकारी दी, जिसे परिषद में सराहा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को समय पर, बिना किसी असुविधा और संतुष्टि के साथ लोक-सेवाएं प्रदान करना सरकारों के लिए चुनौती के साथ प्राथमिकता भी रही है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2010 में समय-सीमा में लोक सेवाएं देने के लिए देश और दुनिया का अनूठा लोक सेवा गारंटी कानून लागू किया गया।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में आमजन की सुविधाओं के लिए कानून, नियम और प्रक्रियाओं में संशोधन के साथ उन्हें सरल भी बनाया गया है। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन से अभिलेखों के डिजिटाइजेशन के साथ सेवा प्रदाय के नए साधनों जैसे कॉल सेंटर्स और मोबाइल का उपयोग बढ़ाया गया है। भू-अभिलेखों की डिजिटल उपलब्धता, ऑनलाइन डायवर्सन, ऑनलाइन भूमि-बंधक प्रक्रिया, सीएम जन सेवा और डीम्ड सेवा प्रदाय के लिए नवाचार किए गए हैं। इनसे अब नागरिकों को जानकारी और आवश्यक अभिलेख समय-सीमा में प्राप्त होने लगे हैं। सीएम जनसेवा से खसरा नकल, खतौनी, नक्शा, आय प्रमाण-पत्र और स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र नागरिकों को उनके मोबाइल पर ही उपलब्ध हो रहे हैं। इस सेवा का लाभ 66 हजार से अधिक लोग ले चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीति-निर्माण में जनता की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न वर्गों की महापंचायतें मुख्यमंत्री निवास पर आमंत्रित की गईं। इन पंचायतों में प्राप्त सुझावों के आधार पर योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। लाड़ली लक्ष्मी, संबल, मेधावी विद्यार्थी, मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन जैसी प्रभावी योजनाएं इन्हीं पंचायतों की देन हैं।

मध्यप्रदेश में कोविड प्रबंधन एवं टीकाकरण में जो जनसहभागिता हुई, वह भी अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बनी। जिले से लेकर ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर तक 30 हजार 600 क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप जनसहभागिता के उदाहरण बने। कोविड जागरूकता कार्यों में एक लाख से अधिक वॉलेंटियर्स और जन-प्रतिनिधि, धर्मगुरु, स्वयंसेवी संस्थाओं, चिकित्सा विशेषज्ञ सहित गणमान्य नागरिकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है, जो अभी भी सतत् जारी है। समन्वित प्रयासों और जन-भागीदारी से टीकाकरण महाअभियानों में भी मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के मिले-जुले प्रयासों से हम मध्यप्रदेश में दिसम्बर अंत तक सौ फीसदी पात्र आबादी को वैक्सीन की दोनों डोज लगाने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

प्रदेश में हरित क्षेत्र और प्राण-वायु वृद्धि वाले अंकुर कार्यक्रम में भी व्यापक जन-भागीदारी मिली है। अभी तक 3 लाख से अधिक नागरिक अपना पंजीयन करा कर 4 लाख 39 हजार पौधे लगा चुके हैं। कार्यक्रम में नागरिकों को डिजिटल प्रमाण-पत्र और प्राण-वायु पुरस्कार देने का प्रावधान भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राशन वितरण, मध्यान्ह भोजन, जननी सुरक्षा, लाड़ली लक्ष्मी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति वितरण और संबल सहित अनेक प्रमुख योजनाओं की मॉनीटरिंग जन-भागीदारी से की जा रही है। ग्राम पंचायत, विकासखंड, नगर परिषद, नगर पालिका, नगर निगम, जिला एवं राज्य स्तर पर मॉनीटरिंग समितियां गठित हैं, जिनमें जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा अशासकीय सदस्यों का नामांकन हुआ है। दीनदयाल अंत्योदय समितियां भी योजनाओं की सतत् मॉनीटरिंग करती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में अग्रणी राज्य बने मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बोर्ड रिफॉर्म्स पर राष्ट्रीय सेमिनार

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के लिये प्रतिबद्ध होकर काम करना होगा। यह बात माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष और प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 'बोर्ड रिफॉर्म्स एंड असेसमेंट' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार के शुभारंभ सत्र को सम्बोधित करते हुये कही।

स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिन्टो हॉल) में आयोजित हुए इस सेमिनार में विभिन्न राज्यों, केंद्र एवं अनेक परीक्षा मंडलों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई., केम्ब्रिज, एन.सी.ई.आर.टी. एवं आई.बी. बोर्ड प्रमुख है।

प्रमुख सचिव श्रीमती शमी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा का नया परिदृश्य होगा। उसमें क्या आमूलचूल परिवर्तन लायें, जिससे बच्चों का समग्र विकास हो, इस पर गहन विचार-विमर्श करने की मंशा से यह सेमिनार किया गया है। पाठ्यक्रम में भी बदलाव लाने की प्रक्रिया चल रही है। नई नीति के तहत उद्देश्य यह है कि बच्चे एक साथ समस्या का समाधान करें। इसमें ग्रुप डिस्कशन को भी बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के साथ इन्टरेक्टिव सेशन के साथ प्रोटेक्टिव सेमिनार के माध्यम से सफल निष्कर्ष पर पहुंचेंगे।

पाठ्यपुस्तक स्थायी समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बरतुनिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये शिक्षा प्रणाली की बेहतर गुणवत्ता का काम चल रहा है। सेमिनार के माध्यम से आपसी विचार साझा कर सुधार एवं सुझाव भी दिये जायेंगे। साथ ही निष्कर्षों के संकलन को उच्च स्तर पर भेजा जायेगा। नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति और परम्पराओं के समावेश के साथ विद्यार्थी की रचनात्मकता का भी ध्यान रखा गया है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की उपाध्यक्ष डॉ. रमा मिश्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि नीति को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करना महत्वपूर्ण है। इस नीति में विद्यार्थी स्वयं का मूल्यांकन करेंगे और अभिभावकों की भी इसमें सहभागिता होगी।

सेमिनार में राज्यों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रकाश में बोर्ड रिफॉर्म्स, दक्षता आधारित शिक्षा और आकलन, समग्र मूल्यांकन पर विमर्श, मौलिक रूप से आकलन पर पुनर्विचार और भावी कार्य-योजना जैसे विषयों पर अनेक सत्र आयोजित कर प्रस्तुतिकरण दिये गये।

योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों में तैयार किए जाएंगे ग्राम मित्र

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया भोपाल में मनरेगा संबंधी बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, पंचायतों में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में 5 ग्राम मित्र तैयार किए जाएंगे। पंचायत स्तर पर नियुक्त रोज़गार सहायकों की सेवायें अंशकालीन होने के कारण इनकी उपलब्धता एवं पंचायत स्तर पर योजना के क्रियान्वयन के बढ़ते दायित्व को देखते हुए ये ग्राम मित्र एक अतिरिक्त वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर तैयार किए जाएंगे। ये बातें पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने भोपाल में मनरेगा संबंधी बैठक को संबोधित करते हुये कहीं। बैठक में रोज़गार सहायकों के मानदेय में वृद्धि करने को लेकर भी चर्चा की गई।

श्री सिसोदिया ने कहा कि पंचायतों में बने सार्वजनिक स्वच्छता परिसरों के संचालन एवं संधारण के लिए गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की मदद ली जाएगी। इन परिसरों को एनजीओ को लीज पर दिए जाकर उनके माध्यम से संचालन कराया जायेगा। इससे पंचायतों को नियमित आय होगी। परिसरों के संचालन की समस्त जिम्मेदारी संबंधित संस्था या समूह की होगी।

ग्राम मित्रों को दिया जायेगा कार्यों का प्रशिक्षण

बैठक में मनरेगा आयुक्त श्रीमती सोफिया फारूखी वली ने बताया कि ग्राम मित्रों को पंचायत स्तर पर किए जाने वाले कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन की राज्य कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती निधि निवेदिता ने बताया कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 में 15207 सार्वजनिक स्वच्छता परिसर स्वीकृत हुए। इनमें से 9431 परिसर तैयार किए जा चुके हैं। तैयार परिसरों में से 6510 का संचालन ग्राम पंचायतों, 1520 का स्व-सहायता समूहों एवं 1401 परिसरों का संचालन अन्य माध्यमों के द्वारा किया जा रहा है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

परिवहन विभाग के लिये 3 हजार करोड़ रुपये के राजस्व संग्रहण का लक्ष्य

भोपाल, राजस्व संग्रहण में परिवहन विभाग आगामी 4 महीनों में 3 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार कर जायेगा। नवम्बर माह तक 1744 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं दुरुस्त किये जाने की आवश्यकता है। अधिकारीगण इस संबंध में आवश्यक नीति-नियम बनाने का काम करें। ये निर्देश राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने वर्ष 2021-22 के लिये परिवहन विभाग के राजस्व संग्रहण पर अधिकारियों से चर्चा के दौरान दिये।

वाहनों पर रेडियम पट्टी लगाने का करें कड़ाई से पालन

परिवहन मंत्री ने प्रदेश में आये दिन होने वाली वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के लिये वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिंग टेप (रेडियम पट्टी) लगाने की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस के संबंध में 7 दिनों के भीतर आरएफपी प्राप्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

श्री राजपूत ने बैठक में प्रदेश की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति की समीक्षा करते हुए ई-व्हीकल के क्रियान्वयन में गति लाने के निर्देश दिये। वातावरण में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये ई-वाहनों का उपयोग आज की आवश्यकता भी है और भविष्य की जरूरत भी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय ई-व्हीकल, सौर ऊर्जा और ड्रोन का है, इसलिये हमें भी ई-व्हीकल को बढ़ावा देना चाहिये। उन्होंने ई-व्हीकल के क्षेत्र में पूंजी निवेश करने वालों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश भी दिये।

शिविर में होगा ऑटो चालकों की समस्याओं का निराकरण

श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में ऑटो सेवा के सुचारू संचालन के लिये परमिट एवं फिटनेस से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिये शिविर आयोजित किये जायेंगे। साथ ही भोपाल कोकता स्थित नवीन आरटीओ भवन का लोकार्पण भी इसी माह किया जायेगा। बैठक में प्रमुख सचिव परिवहन श्री एस.एन. मिश्रा, परिवहन आयुक्त मुकेश जैन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

'सृष्टि सीबीडी परियोजना' की कठिनाईयों को शीघ्र दूर किया जाएगा

भोपाल, 'सृष्टि सीवीडी परियोजना' को पूरा करने में आ रही कठिनाईयों के निराकरण के लिये गठित मंत्रिपरिषद समिति की बैठक मंत्रालय में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि परियोजना से संबंधित कठिनाईयों को शीघ्र दूर किया जाएगा।

समिति ने निर्णय लिया कि आगामी 20 दिसम्बर को समिति की बैठक फिर से की जाएगी, जिसमें संबंधित बिल्डर और बैंक के प्रतिनिधि को भी बुलाया जाएगा, इससे सभी पक्षों के समक्ष में ही व्यापक चर्चा हो सकेगी।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि साउथ टी.टी. नगर स्थित 'सृष्टि सीवीडी परियोजना' में पहले से ही बहुत विलंब हो चुका है। परियोजना में जिन लोगों ने आवास बुक किया है, वे भी परेशान हैं। अतः जल्द ही इस परियोजना को पूरा करना जरूरी है।

वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत और सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया ने भी कहा कि परियोजना के विलंब से प्रदेश की छवि पर भी असर पड़ता है। अतः इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिये हरसंभव प्रयास किये जाने चाहिए।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

नौ हजार करोड़ रुपये से अधिक की समूह जलप्रदाय योजना को मंजूरी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा मध्यप्रदेश जल निगम के माध्यम से क्रियान्वित की जाने वाली समूह जलप्रदाय योजनाओं को मंजूरी दी गई। अनुमोदित की गई 22 समूह जल-प्रदाय योजनाओं से 17 जिलों के 6117 गांवों में प्रत्येक घर को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इन 22 योजनाओं की लागत 9373 करोड़ 99 लाख रुपये है।

परिसम्पत्ति का निर्वर्तन

मंत्रिपरिषद द्वारा परिवहन विभाग की डबरा जिला ग्वालियर स्थित डिपो की भूमि एवं भवन परिसम्पत्ति के निर्वर्तन के लिए ई-नीलामी में लगाई गई बोली में से उच्चतम H-1 निविदाकार बोली मूल्य 5 करोड़ 52 लाख 75 हजार रुपये तथा परिवहन विभाग की बाई क्र. 23, ए.बी. रोड, गुना स्थित गुना बस स्टैंड एवं सब-डिपो स्थित भूमि एवं भवन परिसम्पत्ति के निर्वर्तन के लिए ई-नीलामी में लगाई गई बोली में से उच्चतम H-1 निविदाकार की निविदा बोली मूल्य 32 करोड़ एक लाख रुपये के अनुमोदन का अनुबंध/रजिस्ट्री के निष्पादन की कार्यवाही जिला कलेक्टरों द्वारा किये जाने का निर्णय लिया गया।

स्व-सहायता समूहों का विलय

मंत्रिपरिषद द्वारा तेजस्विनी कार्यक्रम में गठित स्व-सहायता समूहों के कार्यक्षेत्र एवं स्वरूप को यथावत रखते हुए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में उनका विलय किए जाने का अनुमोदन किया गया।

सड़क विकास निगम को क्रियान्वयन एजेंसी बनाने की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम को शासन के विभिन्न विभागों की भवन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए क्रियान्वयन एजेंसी बनाये जाने की स्वीकृति दी।

प्रदेश में भवन निर्माण के लिए मध्यप्रदेश भवन विकास निगम (MP Building Development Corporation (MPBDC)) के रूप में एक नवीन शासकीय कम्पनी के गठन की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई।

नवीन कम्पनी के क्रियाशील होने तक MPRDC को अपने वर्तमान दायित्वों के साथ स्वीकृत पदों पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति/संविदा/सेवाप्रदाता के रूप में चयन कर भवन निर्माण के कार्यों के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी गई। परियोजना में डीपीआर, सुपरविजन कंसल्टेंसी, प्रशासनिक एवं अन्य व्यय, वेतन-भत्ते के लिए निगम को परियोजना लागत पर निर्धारित 6 प्रतिशत सुपरविजन चार्ज के रूप दिया जायेगा। कार्यों की आवश्यकता के दृष्टिगत स्वीकृत सेट-अप में ही विभिन्न जिलों में पृथक से परियोजना क्रियान्वयन इकाई खोलने एवं परियोजना पूर्ण होने के उपरांत उसे बंद करने का निर्णय लेने के लिए प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम को अधिकृत किया गया।

मंत्रिपरिषद के अन्य निर्णय

मंत्रिपरिषद द्वारा सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों के रिक्त 144 पदों में से पहले चरण में 72 पदों की पूर्ति किये जाने का अनुमोदन किया गया।

केन-बेतवा लिंक परियोजना

मध्यप्रदेश के 9 जिलों के सूखे खेतों और क्षेत्र की जनता की बुझेगी प्यास

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की जनता के लिए 8 दिसम्बर, 2021 का दिन एक ऐसा शुभ समाचार लेकर आया, जिसे पूरा बुंदेलखंड हमेशा याद रखेगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने केन-बेतवा नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजना को मंजूरी दी। यह परियोजना देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी की सूखे एवं बाढ़ से एक साथ निपटने के लिए नदी जोड़ो अभियान की परिकल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा में पहला कदम है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परियोजना को मंजूरी देने के साथ ही योजना के लिए वर्ष 2020-21 की कीमतों के आधार पर 44 हजार 605 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करते हुए परियोजना को पूर्ण करने का समय भी निर्धारित किया है।

देश में अपने तरह की पहली और अनूठी यह परियोजना लाखों किसानों की भाग्य-रेखा बदलने के साथ सूखा प्रभावित बुंदेलखंड की जनता के प्यासे कंठ को अब तर-बतर कर सकेगी। दोनों राज्यों की लगभग 12 लाख हेक्टेयर सूखी भूमि को इस परियोजना से सिंचाई का लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश के 9 जिले रायसेन, विदिशा, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, शिवपुरी एवं दतिया के साथ उत्तरप्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जिलों को सिंचाई के अतिरिक्त पेयजल का लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना बुंदेलखंड की जीवन-रेखा बनेगी। इससे मध्यप्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र के 9 जिलों में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर असिंचित क्षेत्र में सिंचाई का लाभ मिलेगा। लगभग 42 लाख लोगों को पेयजल की सुगम उपलब्धता होगी। बुंदेलखंड की धरती अत्यंत उपजाऊ है, जो जल के अभाव में सूखे का शिकार होती रही। यह पानी बुंदेलखंड की जनता की तकदीर और तस्वीर बदल देगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार मानते हुए कहा कि उनके विजन और मिशन के परिणामस्वरूप ही परियोजना पूर्णता की ओर बढ़ रही है।

परियोजना गर्मी के दिनों में पानी के लिए दूर-दूर तक दौड़ती बुंदेलखंड की जनता के लिए जीवनदायिनी साबित होने वाली है। विश्व जल दिवस पर 22 मार्च 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 'जल शक्ति अभियान' 'कैच द रेन' के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के लिए केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश तथा मध्यप्रदेश के बीच हुए त्रि-पक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

केन और बेतवा दोनों नदियों का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश से प्रारंभ होता है। केन नदी मध्यप्रदेश के जबलपुर की कैमूर पहाड़ियों से निकलकर 427 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद उत्तरप्रदेश के बांदा जिले में यमुना नदी में समाहित हो जाती है। बेतवा नदी भी मध्यप्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किलोमीटर की दूरी तय कर उत्तरप्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना नदी से मिल जाती है। देश में नदियों को आपस में जोड़ने के 30 लिंक चिन्हित किये गये हैं। इनमें से सर्वप्रथम केन-बेतवा लिंक परियोजना का क्रियान्वयन आरंभ हो रहा है। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में फैले बुंदेलखंड क्षेत्र को पानी और बिजली देने की यह योजना बाँधों, नहरों और पॉवर हाउसों के माध्यम से जलाभाव-ग्रस्त मध्यप्रदेश के 9 और उत्तरप्रदेश के 4 जिलों का कायाकल्प कर देगी।

जैविक खेती को अपनाने के लिये उद्यानिकी विभाग की नई पहल

किसानों को जैविक कृषि फार्मों का भ्रमण कराया जायेगा

भोपाल, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्यमंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि जैविक खेती से अवगत कराने के लिये प्रदेश के किसानों को सफलतम जैविक कृषि फार्मों पर भेजा जायेगा। उद्यानिकी विभाग ने चयनित 20 मॉडल विकासखंड में से जैविक खेती के लिये 6 विकासखंड का चयन किया है। उद्यानिकी विभाग जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये नई पहल करने जा रहा है।

श्री कुशवाह ने कहा कि जैविक खेती के लिये चयनित सभी मॉडल विकासखंडों में 50-50 हेक्टेयर के जैविक खेती करने वाले किसानों के क्लस्टर बनाये गये हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 50 और 50 से अधिक किसान हैं। इन किसानों के समूह को सफलतम जैविक कृषि करने वाले कृषि फार्मों में भेजा जायेगा। मॉडल विकासखंडों में जैविक खेती कर रहे किसानों और जैविक खेती के रकबे को भी चिन्हित किया गया है। यह किसान प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले प्रेरक बनेंगे।

श्री कुशवाह ने कहा कि जैविक खेती अपनाने वाले किसानों को सहायता देने वाले कार्यक्रमों पर भी विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उद्यानिकी विभाग द्वारा जैविक खेती के लिये चिन्हांकित 6 मॉडल विकासखंड में बड़वानी जिले का पाटी विकासखंड, श्योपुर जिले का कराहल, झाबुआ जिले का झाबुआ, बालाघाट जिले का परसवाड़ा, मण्डला जिले का नारायणगंज और शहडोल जिले का गोहपारु विकासखंड शामिल है।

श्री कुशवाह ने चालू वित्तीय सत्र में योजनावार लक्ष्य और अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिये हर संभव प्रयास करें। प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, आयुक्त उद्यानिकी श्री एम.के. अग्रवाल, एम.डी. एम.पी. एग्रो श्री राजीव जैन बैठक में उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में 4 करोड़ 51 लाख नागरिकों को लगी दोनों डोज

भोपाल, टीकाकरण महाअभियान के चलते मध्यप्रदेश ने सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। प्रदेश में 16 दिसम्बर की शाम 7 बजे तक वैक्सीन की प्रथम डोज 5 करोड़ 18 लाख से अधिक पात्र लोगों को लगाई गयी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 94.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रदेश में 4 करोड़ 51 लाख से अधिक व्यक्तियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाकर निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 82.1 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित की जा चुकी है, जो अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है।

कोविड टीकाकरण महाभियान 10 में 16 दिसम्बर को सुबह से शाम 6 बजे तक 13 लाख से अधिक टीके लगाये गये। 16 दिसम्बर को देश के विभिन्न राज्यों में किये गये टीकाकरण में सर्वाधिक संख्या मध्यप्रदेश की रही।

अब एसएमएस से मिलेगी जीपीएफ संबंधी जानकारी

ग्वालियर, महालेखाकार ग्वालियर द्वारा एसएमएस सुविधा शुरू की जा रही है। इस व्यवस्था में अधिकारी एवं कर्मचारियों को महालेखाकार की ओर से आवश्यक जानकारी एसएमएस के माध्यम से दी जायेगी।

प्रधान महालेखाकार सुश्री गीताली तारे ने बताया कि राज्य शासन के ऐसे समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, जो सामान्य भविष्य निधि की पात्रता रखते हैं, उनसे मोबाइल नम्बर, ई-मेल आई.डी. और सामान्य भविष्य निधि खाते की जानकारी चाही है। उन्होंने बताया कि जानकारी उपलब्ध हो जाने पर महालेखाकार कार्यालय द्वारा एसएमएस सुविधा का लाभ अधिकारी एवं कर्मचारियों को मिलने लगेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अनिल मेनन

चाँद पर जाएंगे भारतीय मूल के विज्ञानी

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने भारतीय मूल के अनिल

मेनन का चयन चाँद और मंगल पर भेजे जाने वाले दल में किया है। नासा ने आगामी अंतरिक्ष मिशन के 10 यात्रियों का चयन किया है। इनमें 6 पुरुष 4 महिलाएं हैं। अमेरिका के मिनियापोलिस, मिनेसोटा निवासी मेनन यूक्रेनी और भारतीय दंपती के घर जन्मे हैं। वह स्पेसएक्स के पहले फ्लाइट सर्जन हैं। इन्हें 'स्पेसफ्लाइट' में यात्रा करने के योग्य बनाने के लिए दो साल का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ह्यूमेनॉयड रोबोट

दुनिया का अत्याधुनिक रोबोट पेश

ब्रिटेन में दुनिया के सबसे उन्नत ह्यूमेनॉयड रोबोट

'अमेका' की पहली झलक पेश की गई। इसे ब्रिटिश कंपनी इंजीनियर्ड आर्ट्स ने तैयार किया है। इसकी खासियत यह है कि इसके हाव भाव हूबहू मनुष्यों की तरह हैं। इसकी आंखों में मूवमेंट है। इसे आर्टीफीशियल बॉडी से तैयार किया गया है। यह तकनीक काफी हद तक सोफिया रोबोट से मिलती है। सोफिया को 2016 में पेश किया गया था। अमेका बनाने वाली कंपनी का कहना है यह ह्यूमन-रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी का सफलतम उदाहरण है। भविष्य में इसे अपग्रेड भी किया जाएगा।

नीलमणि फूकन और दामोदर मौउजो

ज्ञानपीठ पुरस्कार से होंगे सम्मानित

असमिया साहित्यकार नीलमणि फूकन को वर्ष 2021 के

लिए और कोंकणी के साहित्यकार दामोदर मौउजो को वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। नीलमणि लघुकथा और उपन्यास लेखन के लिए जाने जाते हैं। भारतीय ज्ञानपीठ ने क्रमशः 56वें और 57वें ज्ञानपीठ के लिए प्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ के पुरस्कृत प्रतिमा राय की अध्यक्षता में हुई चयन समिति की बैठक में यह घोषणा की। 1933 में जन्मे फूकन का असमिया साहित्य में विशेष स्थान है। उन्होंने कविता की 13 पुस्तकें लिखी हैं। जबकि 1944 में जन्मे मौउजो ने 50 साल के लेखन में छह कहानी संग्रह, चार उपन्यास, दो आत्मकथात्मक कृतियाँ, बाल साहित्य लिखा है।

राजकुमारी आइको

जापान के सम्राट की बेटी का शाही अभिषेक संपन्न

जापान के सम्राट नारुहितो की बेटी राजकुमारी आइको

का राज्याभिषेक समारोहपूर्वक किया गया। अब वे शाही जिम्मेदारियां संभालेंगी। आइको को बकायदा शाही ताज पहनाया गया। उन्हें राजकीय परिपत्र द्वारा शाही जिम्मेदारियां बतायी गई। इसके बाद राज्य मंत्रीमंडल ने उन्हें जिम्मेदारियां निभाने की शपथ भी दिलायी। अब आइको शाही फैसलों पर अपनी राय दे सकेंगी और जिम्मेदारियों को निपटाने में सम्राट की मदद करेंगी।

बैकाल झील

दुनिया की सबसे गहरी झील जमीं

यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट में शुमार रूस की बैकाल

झील दुनिया की सबसे गहरी और सबसे बड़ी ताजा पानी की झील है। पारा गिरने से इस झील पर दो मीटर मोटाई की बर्फ की परत जम गई है। सबसे खास बात यह है कि जब बैकाल झील जम जाती है तब अद्भुत नजारा बन जाता है। झील जमने से मीथेन गैस के बुलबुले भी जम गए हैं। दरअसल, झील में मीथेन गैस की अधिकता है। पारा गिरने से यह भी जम जाती है।

बैलेरी पेक्रेसी

फ्रांस में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी होंगी

फ्रांस की रिपब्लिकन पार्टी ने पूर्व मंत्री बैलेरी पेक्रेसी को

अगले वर्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशी चुना है। बैलेरी को पार्टी के प्राथमिक चुनाव में 61 प्रतिशत जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एरिक सिओटी को 39 प्रतिशत वोट मिले। रिपब्लिकन पार्टी के लगभग 1,40,000 पंजीकृत सदस्य इस मतदान में भाग लेने के पात्र थे।

निखिल श्रीवास्तव

भारतवंशी को मिला सिप्रियन फोयस अवॉर्ड

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ

निखिल श्रीवास्तव को अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी द्वारा ऑपरेटर थ्योरी में पहले सिप्रियन फोयस पुरस्कार के लिए चुना गया। दो अन्य विजेता एडम मार्कस और डेनियल स्पीलमैन हैं। एडम स्विट्जरलैंड में कॉम्बिनेन्शयल एनालिसिस के अध्यक्ष हैं, वहीं स्पीलमैन कंप्यूटर साइंस के प्राध्यापक हैं।

राधिका राणे भोंसले

मिसेज एशिया यूएसए में दूसरे स्थान पर रहीं

पुणे की राधिका राणे भोंसले अमेरिका में हुई मिसेज

एशिया यूएसए पेजेंट में रनर अप यानी दूसरे स्थान पर रहीं। इस ब्यूटी पेजेंट में प्रतिभागी बनने वाली राधिका ने अपने गेटअप से जगह बनायी। स्पर्धा में उनका झांसी की रानी वाला गेटअप ऑडियंस की खास पसंद रहा। उन्हें चयन के लिए सबसे ज्यादा वोटिंग भी प्राप्त हुई। राधिका पेशे से एक टेक स्टार्टअप की वाइस प्रेसिडेंट भी हैं।

अंटार्कटिका

पंद्रह लाख साल पुरानी बर्फ में खोज करेंगे वैज्ञानिक

वियान्ड एपिक मिशन के तहत वैज्ञानिकों की 6 टीमें

अंटार्कटिका में 15 लाख साल पुरानी बर्फ में ड्रिल कर खोज करेंगे। वे 1.8 मील मोटी परत में ड्रिल करेंगे। वेनिस के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर कार्लो बारवेंटे ने बताया कि एपिका 2008 में पूरा किया गया था। तब वैज्ञानिक आठ लाख साल पुरानी बर्फ निकालने और उसकी जांच में कामयाब हुए थे। अब जिस साइट पर मिशन कार्य करेगा वह अनुसंधान स्टेशन से 40 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 10 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यूरोपियन संघ इस मिशन के लिए 80.5 लाख पाउंड (करीब 84 करोड़ रुपए) मुहैया कराएगा। इसका उद्देश्य प्रागैतिहासिक अंटार्कटिका जलवायु, ग्रीनहाउस गैसों की जांच करना है। इसके परिणाम जलवायु परिवर्तन के अभियानों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने

मलबे के कारण स्थगित किया स्पेस वॉक

अंतरिक्ष में होने वाले स्पेस वॉक को अचानक स्थगित

कर दिया गया है, क्योंकि अंतरिक्ष में बिखरे मलबे यात्री के सूट को पंचर कर सकते थे या अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को नुकसान पहुंचा सकते थे। यह पहला मौका है जब मलबे के चलते स्पेस वॉक स्थगित करना पड़ा। अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के बाहर एक खराब एंटेना बदलने वाले थे। लेकिन देर रात मिशन कंट्रोल को पता चला कि अंतरिक्ष में घूम रहा मलबा टुकड़ों के रूप में आ सकता है।

अलका उपाध्याय

एनएचएआई की चेयरपर्सन बनीं

केन्द्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अलका

उपाध्याय को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। उपाध्याय मध्यप्रदेश कैडर की 1990 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, वर्तमान में ग्रामीण विकास विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेशानुसार बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव संजय बंदोपाध्याय को भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण का चेयरमैन बनाया गया है।

ग्रेग हंट

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री छोड़ेंगे राजनीति

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने संसद में अपने

भाषण में घोषणा की कि वह अगले चुनाव में राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि मई 2022 तक होने वाले अगले संघीय चुनाव में वह भाग नहीं लेंगे। वे मेलबर्न के दक्षिण में फ्लिंडर्क से 20 वर्षों से सांसद के तौर पर राजनीति में सक्रिय थे। वर्ष 2018 में उन्होंने गवर्निंग लिबरल पार्टी के उपनेता पद का चुनाव भी लड़ा था।

अमेरिका में

एक सौ दस साल बाद लाइब्रेरी को किताब लौटाई

अमेरिका में 110 साल बाद लाइब्रेरी को किताब लौटाने

का मामला सामने आया है। 1911 में किसी ने अमेरिका के बोइस, इडाहो के एक पुस्तकालय से 'न्यू क्रॉनिकल्स ऑफ रेवेका' किताब इश्यू करवाई थी। अब वही किताब अच्छी हालत में लौटा दी गई है। अभी तक किताब लेने वाले और जमा करने वाले का नाम नहीं पता चल पाया है।

गीता गोपीनाथन

आईएमएफ की पहली महिला डिप्टी एमडी होंगी

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की मुख्य अर्थशास्त्री गीता

गोपीनाथन को आईएमएफ की पहली महिला डिप्टी एमडी बनाया जा रहा है। वह इस पद पर जेफ्री ओकामोटो की जगह लेंगी। जेफ्री ओकामोटो अगले साल की शुरुआत में आईएमएफ छोड़ देंगे। गोपीनाथन जनवरी 2022 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अपने शैक्षणिक पद पर लौटने वाली थीं। लेकिन अब उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में वापस नहीं जाने का मन बना लिया है।

डॉक्टर संबित पात्रा

भारतीय पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन बने

डॉक्टर संबित पात्रा को भारतीय पर्यटन विकास निगम

का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति ने एक अहम निर्णय में डॉक्टर संबित पात्रा को निदेशक मंडल में गैर कार्यकारी निदेशक एवं अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया है। आदेशानुसार उनकी नियुक्ति तीन वर्ष के लिए अथवा अगले आदेश तक मान्य होगी।

फैटम जैलीफिश

कैलिफोर्निया के तट पर नजर आयी

कैलिफोर्निया के तट के पास स्थित मॉन्टेरे की खाड़ी की

गहराई में एक ऐसी जैलीफिश दिखाई दी जिसके मुंह में 33 फीट लंबी सूंड थी। वो इन्हीं सूंडों की मदद से खाना खा रही थी। वैज्ञानिक गहरे समुद्र के अंदर रिमोट सबमरीन से फुटेज बना रहे थे, तभी यह जैलीफिश दिखाई दी। वैज्ञानिक भाषा में इसे स्टीजियोमेडुसा गिगांटिया कहते हैं।

स्मृति शेष

पद्मश्री नंदा प्रस्टी का निधन

ओडिशा के जाजपुर जिले के कांटीरा गांव

के 104 वर्षीय शिक्षक व पद्मश्री नंदा किशोर प्रस्टी का निधन हो गया। कांटीरा निवासी नंदा को हाल ही में 9 नवंबर को पद्मश्री दिया गया था। प्रस्टी जीवन के अंतिम दिनों में भी बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रहे थे।

दुनिया की उम्रदराज क्रिकेटर एलीन ऐश का निधन

दुनिया की सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर

एलीन ऐश का 110 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने श्रद्धांजलि दी है। ऐश ने 1937 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 1949 में रिटायर होने से पहले 23.00 के औसत से 10 विकेट झटके थे। एलीन ने एक टेलीविजन डॉक्यूमेंट्री 100 ईयर ओल्ड ड्राइवर्स राइड अगेन में अभिनय भी किया था। उन्होंने ब्रिटिश सिक्रेट इंटेलिजेंस सर्विसेज MI6 के लिये भी काम किया था।

वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ का निधन

भारत के हिन्दी टेलीविजन के वरिष्ठ पत्रकार

विनोद दुआ का 67 साल की उम्र में निधन हो गया। दुआ ने दूरदर्शन और निजी टेलीविजन चैनलों में रहते हुए लंबे समय तक सक्रिय पत्रकारिता की थी। वे कोरोना संक्रमण से मुक्त हो गए थे लेकिन वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। अनुभवी दुआ को 2008 में पत्रकारिता में उत्कृष्ट सेवा के लिए पद्मश्री से पुरस्कृत किया गया था। उनके कार्यक्रम में 'युवजन', 'आपके लिए', 'जनवाणी', 'चक्रव्यूह', 'परख', 'चुनाव चुनौती', 'जायका इंडिया का', 'जन गण मन' प्रमुख हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
कला मंदिर रोड स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

एनआईटी नं. - 36/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./2266 रीवा, दिनांक : 06.12.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 1. अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के प्रशासनिक भवन में प्रथम तल में विस्तार तथा प्रशासनिक भवन, बालक एवं बालिका छात्रावास का नवीनीकरण तथा उन्नयन का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में) वर्षाकाल सहित
2021_PWPIU_171551_1	रीवा	169.13	169130/-	12500/-	08 माह वर्षाकाल सहित
2. अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में विभागीय भवनों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2021_PWPIU_171558_1	रीवा	252.20	252200/-	15000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
3. जिला रीवा के शासकीय आई.टी.आई. सिरमौर के नवीन परिसर में आई.टी.आई. भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2021_PWPIU_171565_1	रीवा	43.47	50000/-	5000/-	09 माह वर्षाकाल सहित
4. संभागीय परियोजना यंत्री लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. रीवा के कार्य क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न कार्यस्थलों पर वाह्य विद्युतीकरण का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2021_PWPIU_171573_1	रीवा	50.00	50000/-	5000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 10.12.2021 समय 09.00 AM से **दिनांक 24.12.2021 समय 6.00 PM तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-20167/46324/2021 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., रीवा**

कार्यालय प्राचार्य, शहीद भीमा नायक
शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय, बड़वानी (म.प्र.)

Re-accredited by NAAC "B" (CGPA 2.47) grade
E-mail - hegpgcbad@mp.gov.in, Phone & Fax - 07290-222035

क्रमांक/2402/स्था./2021 **बड़वानी, दिनांक : 23.11.2021**

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल के आदेश क्रमांक 1589/608/2015/38-1 भोपाल, दिनांक 25.8.2021 के परिपालन में मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स के पदों की पूर्ति हेतु नवीन निर्देश जारी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालयों के अग्रणी प्राचार्यों द्वारा नियमानुसार आउटसोर्स पर कर्मचारी रखे जाने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। बड़वानी जिले के निम्नलिखित शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स पदों की भर्ती के लिए शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एवं पात्र आउटसोर्स एजेंसी से सीलबंद लिफाफे में कोटेशन आमंत्रित किये जाते हैं। कोटेशन फार्म 500/- (रुपये पांच सौ मात्र) का बैंकर चैक/डीडी प्राचार्य शहीद भीमा नायक, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी (म.प्र.) के नाम से देय जमा कर महाविद्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। जिसमें नियम एवं शर्तें अंकित रहेगी। कोटेशन इस विज्ञापन के प्रथम प्रकाशन के 10 दिवस के अंदर शहीद भीमा नायक, शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय बड़वानी (म.प्र.) में पंजीकृत डाक से या स्वयं कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। कोटेशन नियम दिनांक के आगामी कार्य दिवस में क्रय समिति द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में खोले जायेंगे, जिसमें कोटेशन देने वाले या उसका प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है, जिसकी पृथक से सूचना नहीं दी जायेगी।

पदों का विवरण

क्र.	महाविद्यालय का नाम	पद का नाम		धरोहर राशि	कोटेशन के लिफाफे, जिस महाविद्यालय में प्रेषित करना है, उसका नाम व पता
		पद का नाम	संख्या		
1.	शहीद भीमा नायक, शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय बड़वानी (म.प्र.)	चौकीदार	02	100000/- (एक लाख रुपये मात्र)	प्राचार्य, शहीद भीमा नायक, शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय बड़वानी (म.प्र.)
		स्वीपर	01		
2.	शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी	प्रयोगशाला तकनीशियन	04		
		प्रयोगशाला परिचारक	04		
		हॉस्टल मैनेजर	01		
		कार्यालय सहायक	01		
		भृत्य	03		
		सुरक्षा सुपरवाईजर	01		
		सुरक्षा गार्ड	04		
3.	शासकीय महाविद्यालय अंजड़	प्रयोगशाला तकनीशियन	04		
		प्रयोगशाला परिचारक	04		
4.	शासकीय महाविद्यालय, पानसेमल	प्रयोगशाला तकनीशियन	04		
		प्रयोगशाला परिचारक	04		
5.	शासकीय महाविद्यालय, पाटी	सहायक ग्रेड-03	01		
		बुक लिफ्टर	01		
		भृत्य	01		
		चौकीदार	01		
		स्वीपर	01		
6.	शासकीय महाविद्यालय, बलवाड़ी	सहायक ग्रेड-03	01		
		बुक लिफ्टर	01		
		भृत्य	01		
		चौकीदार	01		
		स्वीपर	01		

प्राचार्य, शहीद भीमा नायक
जी-20331/46329/2021 **शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1, जबलपुर

निविदा सूचना क्र. 20 वर्ष 2021-22 एस ए सी **जबलपुर, दिनांक : 10.12.2021**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों की निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम - 1. घंटाघर स्थित एनसीसी भवन में प्रोफाइल शीट लगाने का कार्य वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट का कार्य एवं खप्पर को अलग कर प्रोफाईल शीट लगने का कार्य।

ई टेण्डर क्रमांक	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ईएमडी टेन्डर फीस एवं निविदा से संबंधित अन्य अभिलेख जमा करने हेतु
2021_PWDRBBR_2021_172812	प्रथम	11.00	22000/-	2000/-	4 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
2. आयुर्वेदिक कॉलेज के हॉस्टल बिल्डिंग में मरम्मत रेनोवेशन, पुट्टी पेंटिंग एवं नई सीवर लाईन का कार्य।						
2021_PWDRBBR_2021_172832	प्रथम	7.34	14680/-	2000/-	3 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
3. नई जिला न्यायालय जबलपुर में ग्रिल गेट लगाने एवं अन्य कार्य।						
2021_PWDRBBR_2021_172833	प्रथम	5.00	10000/-	2000/-	3 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
4. नई जिला न्यायालय जबलपुर में ग्राईल्ड फ्रेंडली कोर्ट एवं अन्य कार्य।						
2021_PWDRBBR_2021_172834	प्रथम	5.00	10000/-	2000/-	3 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
5. यूनिवर्सिटी से डुमना एयरपोर्ट मार्ग के निर्माण कार्य।						
2021_PWDRBBR_2021_172836	प्रथम	436.14	436150/-	15000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
	कुल योग	**464.48**				

टीप :- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि 15.12.2021 10.30 से अंतिम तिथि 29.12.2021 17.30 बजे तक है। अन्य तिथियां एवं विस्तृत विवरण व संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स)
जी-20328/46328/2021 **संभाग क्र. 1, जबलपुर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 847/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 08.12.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https//www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 11.01.2022 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_171885	राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना अन्तर्गत रियल टाइम डाटा एक्वीजीशन सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव राज्य जल आंकड़ा केन्द्र भोपाल म.प्र.।	भोपाल	431.56
2.	2021_WRD_171886	राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना अन्तर्गत कोलार बांध, कोलार बैराज, संजय सागर (बाह) मध्यप्रदेश के लिये सुवरवाईजरी कन्ट्रोल एवं डेटा एक्वीजीशन (स्काडा) प्रणाली की आपूर्ति स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और रखरखाव का कार्य।	भोपाल	737.10

जी-20240/46325/2021 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.), पिन-482001
फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 11/ब.ले.लि./2021-22 **जबलपुर, दिनांक .....**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. - 11

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स. क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
1.	2021_PWDRB_171338	मंडला-जबलपुर मार्ग से शिवपुरी-कजरवारा मार्ग लंबाई 1.60 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	224.32 लाख	225000/-	15000/-	08 माह (वर्षाऋतु सहित)
2.	2021_PWDRB_171340	नेताजी सुभाषचंद्र बोस, मेडीकल कॉलेज, जबलपुर में एडीशन आल्ट्रेशन का कार्य, एन.ओ.डब्ल्यू. कार्य एवं अन्य कार्य।	प्रथम	105.00 लाख	105000/-	12500/-	06 माह (वर्षाऋतु सहित)

टीप:- 1. निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की तिथि दिनांक 11.12.2021 समय 10.30 से **दिनांक 28.12.2021 समय 17.30 बजे तक** है। इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-20254/46326/2021 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश

(लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन)
लिंक रोड नंबर 3, माधवराव सप्रे मार्ग, भोपाल-462003

विज्ञापन

विज्ञा.क्र./रा.स्वा.मि./मा संसा./सेल-1/2021/2367 **भोपाल, दिनांक 14.12.2021**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. के अन्तर्गत संविदा आधार पर राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण (एनटीईपी) कार्यक्रम के अन्तर्गत संविदा डीआरटीबी कॉडिनेटर, संविदा स्टेट पी.पी.एम. कॉर्डिनेटर, संविदा जिला कार्यक्रम समन्वयक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह अनुबंध **31 मार्च 2022 तक** के लिये होगा, जिसे आगामी वर्षों की वार्षिक कार्य योजना में स्वीकृत अनुसार नवीनीकृत किया जा सकेगा :-

क्र.	पदनाम	रिक्त पद	मासिक मानदेय	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता/ वांछनीय शैक्षणिक योग्यता	आयु सीमा
1.	संविदा डीआरटीबी कॉडिनेटर	01	50,000/- रुपये प्रतिमाह	1. MBBS or equivalent degree from institution, recognized by Medical council of India; 2. One year experience of working in NTEP **वांछनीय शैक्षणिक योग्यता** - 1. MD Community Medicine/Diploma of Master in Public Health Administration (CHA)/ Tuberculosis & Chest diseases. 2. Preference to candidates who have experience in PMDT. 3. Working Knowledge of Computers	21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निशक्त जन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01/01/2022 की स्थिति में)
2.	संविदा स्टेट पी.पी.एम. कॉर्डिनेटर	01	50,000/- रुपये प्रतिमाह	1. Post Graduate degree in MSW or MBA 2. One year Experience of working in field of Public-Private Partnership/Health Projects/programs 3. Certificate course in computer operation (minimum two Months) **वांछनीय शैक्षणिक योग्यता** - 1. Preference to those who have worked in NTEP program, 2. Certificate/Diploma/Degree/Masters holders in Social Sciences/Mass Media/Communicaiton/Rural Development/Advocacy/Partnerships/ related field.	21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निशक्त जन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01/01/2022 की स्थिति में)
3.	संविदा जिला कार्यक्रम समन्वयक	31	22,000/- रुपये प्रतिमाह	1. MBA/PG Diploma in management health Administration from a Recognized institute/University. 2. At least 1 year of work experience. **वांछनीय शैक्षणिक योग्यता** - 1. Preference will be given to those who have worked in the field of Development/Health at District State level. 2. Basic knowledge of computers.	21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निशक्त जन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01/01/2022 की स्थिति में)

आवेदन सेम्स लिमिटेड के वेब पोर्टल **www.sams.co.in** के माध्यम से किया जा सकता है, आवेदन के लिए लिंक दिनांक 20.12.2021 से उपलब्ध की जायेगी। ऑनलाइन जमा करने की **अंतिम तिथि 20.01.2022** है। ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में मान्य/स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

1. पद का विवरण :-

स.क्र.	पद का नाम	रिक्त पद संख्या (ओपन)
1.	संविदा डीआरटीबी कॉडिनेटर	01
2.	संविदा स्टेट पीपीएम कॉडिनेटर	01

2. पद हेतु आरक्षण निम्नानुसार होगा :-

पद का नाम	संविदा स्वीकृत रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित (27%)		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (10%)		अनुसूचित जनजाति (20%)		अनुसूचित जाति (16%)		अन्य पिछड़ा वर्ग (27%)		रिक्तियों में माध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या (6%)			
		ओपन	महिला	ओपन	महिला	ओपन	महिला	ओपन	महिला	ओपन	महिला	बी एच	ई एच	एल डी	एम डी
संविदा जिला कार्यक्रम समन्वयक	31	6	3	2	1	4	2	3	2	5	3		1	1	-

● दिव्यांगजन का आरक्षण क्षैतिजिक (Horizonatal) के आधार पर 06 प्रतिशत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। निःशक्तजनों के लिए कुल रिक्तियों में से 06 प्रतिशत पद दिव्यांगजन के लिए आरक्षित है, जिस श्रेणी का दिव्यांगजन पदों के लिए चयनित होगा उसे उसी श्रेणी हेतु मान्य किया जावेगा। यह पद प्रत्येक श्रेणी के बिना वर्ग/ओपन नियुक्तियों में सम्मिलित है।

3. निर्धारित प्रारूप में नहीं किये गए अथवा अपूर्ण आवेदन स्वयमेंव निरस्त माने जावेंगे।

4. अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. किसी भी आवेदन को बिना कारण बताये स्वीकृत/निरस्त करने अथवा प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार होगा।

मिशन संचालक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश

जी-20357/46332/2021

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 849/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक 15.12.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.01.2022 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_172613	मुरकी जलाशय परियोजना के LBC हेड रेगुलेटर जलद्वार size - 2.0m x 2.0m-2nos के लिए इलेक्ट्रीकली, आपरेटेड रोप ड्रम हाइस्ट की डिजाइन, ड्राईंग, फेब्रिकेशन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग व कमीशनिंग एवं कास्ट आयरन वेलास्ट वेट के प्रदाय कास्टिंग ड्रेसिंग का कार्य।	भोपाल/ डिण्डौरी	32.39
2.	2021_WRD_172615	पवई परियोजना के RD 510 m पर नहर के क्रास रेग्यूलेटर जलद्वार size - 5.0m x 3.29m 2 नग के ऐम्बेडेड पार्ट्स हेतु स्टेनलेस स्टील फ्लैट के प्रदाय फेब्रिकेशन एवं फिक्सिंग, कास्ट स्टील रोलर की कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली, जलद्वारों का इरेक्शन, ट्रस्टल असेम्बली एवं रेलिंग डेकिंग के प्रदाय फेब्रिकेशन एवं इरेक्शन, इलेक्ट्रिकली आपरेटेड रोप ड्रम हाइस्ट की डिजाइन, ड्राइंग, फेब्रिकेशन एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल/ पन्ना	34.09
3.	2021_WRD_172617	गोपालपुरा टनल केनाल माइक्रो इरीगेशन के हेड रेगुलेटर जलद्वारों size - 3.75m x 3.75m-2 नग के कास्ट स्टील रोलर की कास्टिंग, मशीनिंग, असेम्बली एवं जलद्वारें के इरेक्शन का कार्य।	भोपाल/ दमोह	68.78
4.	2021_WRD_172620	एम.डी.एम.एफ. मद अन्तर्गत 10 नं. तालाब, गंजाखो, कछौवा, पुरा बनवार, पिपरौआ, सिकरौदा, भोरी, झांकरी, निकोड़ी, बहांगी खुर्द एवं परसें तालाब क्र. 2 का जीर्णोद्धार का कार्य दो वर्ष के लिए प्रबंधन संचालन एवं रख रखाव सहित।	ग्वालियर दमोह	270.83
5.	2021_WRD_172621	डोंगरखोडी जलाशय का विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	63.27
6.	2021_WRD_172625	पटोंदा तालाब एवं उसकी नहर का विशेष मरम्मत कार्य।	श्योपुर	51.48
7.	2021_WRD_172627	बड़ा बाँया तालाब की नहर सुदृढ़ीकरण (लाइनिंग) का विशेष मरम्मत कार्य।	सीहोर	46.64
8.	2021_WRD_173445	डुण्डा टैंक का विशेष मरम्मत कार्य।	टीकमगढ़	24.65
9.	2021_WRD_173510	एस.डी.एम.एफ. मव अन्तर्गत ग्राम कोडियाखेड़ी एवं ग्राम चाकरोद में नेवज नदी पर प्रोटेक्शन वाल निर्माण कार्य।	राजगढ़	170.74

जी-20410/46340/2021 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-03, गोरखपुर थाने के पीछे
1558, ऋषि काटेज, रतन कालोनी, जबलपुर (म.प्र.) पिनकोड-482003
फोन : 0761-4927003, Email : mpphcjabalpur3@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-03 के अंतर्गत जिला-नरसिंहपुर के उत्कृष्ट विद्यालय में अधोसंरचना निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-06/2021-22 (Online Tender No.-2021_MPPHC_173848_1) एवं जिला-मण्डला में हाईवे चैक पोस्ट भवन निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-07/2021-22 (Online Tender No.-2021_MPPHC_173849_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 27.12.2021 समय सायं 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102966/46344/2021 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, जबलपुर
1558 ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003
Ph.:0761-4927201, Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. संभाग जबलपुर क्र.-01 में (1) पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर में पूर्व निर्मित पुराने अतिथि गृह में मरम्मत एवं उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्र. 12/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_173180) एवं पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर परिसर हेतु नवीन सी.सी. रोड निर्माण कार्य निविदा क्र. 12/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_173181) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.12.2021 समय 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102931/46343/2021 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय संयुक्त संचालक
कौशल विकास, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएं, नंदानगर इंदौर
मेहमान प्रवक्ताओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित करने बाबत्

विज्ञप्ति क्रमांक 3030/14.12.2021

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग के अधीन इंदौर संभाग के अंतर्गत शासकीय आई.टी.आई. (औद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थाओं) में संचालित विभिन्न व्यवसायों (ट्रेडों) एवं ड्राइंग/गणित में प्रशिक्षण अधिकारी के रिक्त पदों के विरुद्ध मेहमान प्रवक्ता के रूप में [नियमित पदों की पूर्ति होने अथवा 11 माह (अधिकतम या सत्र समाप्ति तक)] प्रशिक्षण कार्य हेतु आवश्यकता है। मेहमान प्रवक्ता को रु. 110/- प्रतिघंटा अथवा (एक माह में रु. 10000/- अधिकतम) मानदेय देय होगा। आमंत्रित किये जाने वाले पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता संबंधित व्यवसाय में आई.टी.आई./शिक्षु परीक्षा/संबंधित ब्रांच में डिप्लोमा/डिग्री होना आवश्यक है।

आयु सीमा 01.01.2022 को 18 वर्ष से कम नहीं होना चाहिए तथा अधिकतम आयु का कोई बंधन नहीं है। विभागीय भर्ती नियम अनुसार डिप्लोमा/डिग्री धारी उम्मीदवारों के प्रत्येक व्यवसाय में 50 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। म.प्र. के मूल निवासी एवं पात्र उम्मीदवार कौशल विकास, संचालनालय के पोर्टल **www.mpskills.gov.in** पर **दिनांक 21.12.2021 से 31.12.2021** तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा वेरिफिकेशन दिनांक 21.12.2021 से दिनांक 05.01.2022 तक आवेदित की गई किसी भी शासकीय आई.टी.आई. में करा सकते हैं।

आई.टी.आई. एवं व्यवसायवार (ट्रेड) रिक्तियाँ आरक्षण एवं शैक्षणिक अर्हता एवं आवेदन पत्र का प्रारूप इत्यादि का विस्तृत जानकारी संचालनालय वेबसाइट **www.mpskills.gov.in** पर उपलब्ध है।

जी-20359/46333/2021 **संयुक्त संचालक, कौशल विकास, इंदौर क्षेत्र, इंदौर**

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लॉट नं. 27-28 अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 31/2021/निविदा/सा/एपीडी/ **भोपाल, दिनांक : 10.12.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जिला वैतूल अंतर्गत घोड़ाडोंगरी, शाहपुर एवं भीमपुर में 12 विस्तरीय एचडीयू की स्थापना का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2021_PWPIU_173208_1	वैतूल	134.31	134310	12500	45 दिवस वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. जयप्रकाश जिला चिकित्सालय भोपाल में 33 के.व्ही. उपकेन्द्र के पुनर्स्थापन का कार्य।

2021_PWPIU_172977_1	भोपाल	148.25	148250	12500	03 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. कंस्ट्रक्शन ऑफ वर्कशॉप एट गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक इटारसी, जिला होशंगाबाद।

2021_PWPIU_173210_1	होशंगाबाद	129.41	129410	12500	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भवन बुधनी, जिला सीहोर का निर्माण कार्य।

2021_PWPIU_173329_1	सीहोर	97.29	97290	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. विदिशा जिले अंतर्गत तहसील गंजबासौदा में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा।

2021_PWPIU_173264_1	विदिशा	99.98	99980	10000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. विदिशा जिले अंतर्गत जिला विदिशा में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा।

2021_PWPIU_173270_1	विदिशा	99.98	99980	10000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. पी.आई.यू. जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के स्वीकृत/प्रगतिरत कार्यों सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल कार्य।

2021_PWPIU_173227_1	विदिशा	5800.00	116000	12500	24 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 10.12.2021 समय 10.30 से **दिनांक 27.12.2021** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक

जी-20360/46334/2021 **(मुख्य अभियंता) लो.नि.वि. पी.आई.यू. भोपाल**

संयुक्त संचालक, कौशल विकास
क्षेत्रीय कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थायें, उज्जैन क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष - 0734-2517029, ईमेल - jdofficeujjain@gmail.com

उज्जैन क्षेत्र स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण कार्य हेतु मेहमान प्रवक्ताओं हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने बाबत् विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधीन उज्जैन क्षेत्र में संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में विभिन्न व्यवसायों में रिक्त प्रशिक्षण अधिकारियों के पद के विरुद्ध मेहमान प्रवक्ताओं के आवेदन आमंत्रित किया जाना है। आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन पत्र **www.mpskills.gov.in** वेबसाइट पर दिनांक **21.12.2021 से 31.12.2021** तक स्वीकार किये जावेंगे। आमंत्रित किये जाने वाले मेहमान प्रवक्ताओं के लिए **शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता** - संबंधित ट्रेड/ब्रांच में आईटीआई/डिप्लोमा अथवा डिग्री होना चाहिए। **आयु सीमा** आवेदन भरने की अंतिम तिथि को 18 वर्ष से कम नहीं होना चाहिए। अधिकतम आयु का कोई बंधन नहीं है।

आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। म.प्र. शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मंत्रालय के ज्ञापन क्रमांक - एफ-2/2008/42-2, भोपाल दिनांक 30.04.2014 के अनुसार मानदेय रु. 110/- प्रति घंटे की दर से अधिकतम 05 घंटे प्रतिदिन, एक माह में अधिकतम रु. 10000/- एवं रिसोर्स पर्सन हेतु मेहमान प्रवक्ता को रु. 80/- प्रति घंटा अथवा (एक माह में रु. 7200/- अधिकतम) देय होगा।

आमंत्रण शैक्षणिक सत्र समाप्ति तक अधिकतम 11 माह के लिये अथवा पद की पूर्ति नियमित प्रशिक्षण अधिकारी से होने पर/प्रवेश न होने पर/आवश्यकता न होने पर, जो भी पहले हो तक होगा। आवश्यकता अनुसार आवेदन प्राप्त होने के उपरांत भी पदों को कम अथवा ज्यादा किया जा सकता है। आवेदन पत्र एवं अनुभव, शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता, व्यवसायों के नाम एवं रिक्त स्थानों की विस्तृत जानकारी वेबसाइट **www.mpskills.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

जी-20365/46335/2021 **संयुक्त संचालक, कौशल विकास, उज्जैन क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)**

संयुक्त संचालक (कौशल विकास) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएं
जबलपुर क्षेत्र, जबलपुर (म.प्र.)
जबलपुर संभाग की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में मेहमान प्रवक्ताओं हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने बावत्

वेबसाइट www.mpskills.gov.in

विज्ञप्ति

क्रमांक/संसंचा/क्षेकाज/स्थाप/मे.प्र.विज्ञा.दिस.2021/1239 **जबलपुर, दिनांक : 14.12.2021**

मध्यप्रदेश शासन, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अन्तर्गत जबलपुर क्षेत्र में स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (ITI) में विभिन्न व्यवसायों (ट्रेडों) में रिक्त प्रशिक्षण अधिकारियों के पद के विरुद्ध मेहमान प्रवक्ताओं को आमंत्रित किया जाना है। आवेदकों से आवेदन पत्र वेबसाइट **www.mpskills.gov.in** पर दिनांक 21.12.2021 से 31.12.2021 तक संबंधित संस्था (ITI) में स्वीकार किये जावेंगे। आमंत्रित किए जाने वाले मेहमान प्रवक्ताओं के लिए शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता :- संबंधित ट्रेड/ब्रांच में आई.टी.आई./डिप्लोमा अथवा डिग्री होना चाहिए, आयु सीमा दिनांक 31.12.2021 को 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है।

आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। म.प्र. शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मंत्रालय के ज्ञापन क्र. एफ-2/1/2008/42-2 भोपाल, दिनांक 30.04.2014 के अनुसार मानदेय रु. 110/- प्रति घंटे की दर से अधिकतम 5 घण्टे प्रतिदिन, एक माह में अधिकतम रु. 10,000/- तथा रिसोर्स पर्सन को रु. 7200/- भुगतान किया जावेगा।

आमंत्रण शैक्षणिक सत्र समाप्ति तक अधिकतम 11 माह के लिए अथवा पद की पूर्ति नियमित प्रशिक्षण अधिकारी होने पर/प्रवेश न होने पर/आवश्यकता न होने पर जो भी पहले हो तक होगा। आवेदन प्रत्र एवं अनुभव, शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता, व्यवसायों के नाम एवं रिक्त स्थानों की विस्तृत जानकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यो से तथा वेबसाइड **www.mpskills.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

संयुक्त संचालक, (कौशल विकास)
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएं, जबलपुर क्षेत्र

जी-20400/46341/2021 **जबलपुर, (म.प्र.)**

संयुक्त संचालक, कौशल विकास, भोपाल क्षेत्र, भोपाल
भोपाल एवं होशंगाबाद संभाग की शासकीय
आई.टी.आई. में मेहमान प्रवक्ताओं हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने बावत्

वेबसाइट www.mpskills.gov.in

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग के अन्तर्गत भोपाल क्षेत्र में स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में विभिन्न व्यवसायों (ट्रेडों) में रिक्त प्रशिक्षण अधिकारी के पदों के विरुद्ध मेहमान प्रवक्ताओं को आमंत्रित किया जाना है। आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन पत्र **www.mpskills.gov.in** वेबसाइट पर दिनांक 21.12.2021 से 31.12.2021 तक स्वीकार किए जावेंगे। आमंत्रित किए जाने वाले मेहमान प्रवक्ताओं के लिए शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता :- संबंधित ट्रेड/ब्रांच में आईटीआई/डिप्लोमा अथवा डिग्री होना चाहिए। आयु सीमा दिनांक 01.01.2021 को 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। अधिकतम आयु का कोई बंधन नहीं है।

आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। म.प्र. शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मंत्रालय के ज्ञापन क्र. एफ-2/2008/42-2 भोपाल दिनांक 30.04.2014 के अनुसार मानदेय रु. 110/- प्रति घंटे की दर से एक माह में अधिकतम रु. 10000/- रु. भुगतान किया जावेगा।

आमंत्रण शैक्षणिक सत्र समाप्ति तक अधिकतम 11 माह के लिए अथवा पद की पूर्ति नियमित प्रशिक्षण अधिकारी होने पर/प्रवेश न होने पर/आवश्यकता न होने पर जो भी पहले हो तक होगा। आवश्यकतानुसार आवेदन प्राप्त होने के उपरांत भी पदों को कम अथवा ज्यादा किया जा सकता है। आवेदन पर एवं अनुभव, शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता, व्यवसायों के नाम एवं रिक्त स्थानों की विस्तृत जानकारी वेबसाइट **www.mpskills.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

संयुक्त संचालक, कौशल विकास

जी-20348/46331/2021 **भोपाल क्षेत्र, भोपाल**

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लाट नं. - 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-32/2021/निविदा/सा/एपीडी/ **भोपाल, दिनांक : 13.12.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है -

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 1. नवीन चिकित्सा महाविद्यालय राजगढ़ जिला राजगढ़ का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. करोड़ में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2021_PWPIU_17340_1	राजगढ़	220.30 करोड़	5000000/-	50000/-	24 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल **ऑनलाइन दिनांक 13.12.2021 समय 10.30 से दिनांक 03.01.2022 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. प्री-विड की मीटिंग दिनांक 23.12.2021 को 03.00 बजे, कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि.पी.आई.यू. भोपाल, प्लाट नं. 27, 28, तृतीय तल, निर्माण भवन, अरेरा हिल्स भोपाल में आयोजित की गई है। 5. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक
(मुख्य अभियंता)

जी-20422/46338/2021 **लो.नि.वि. पी.आई.यू. भोपाल**

आवश्यकता | स्वर्गीय मेहताब सिंह शिक्षण समिति द्वारा संचालित
रुक्मणी एकेडमी, बड़वानी
कुक्षी बॉयपास रोड़, बड़वानी, जिला-बड़वानी म.प्र. 45155

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली, म.प्र.उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर से सम्बद्धता प्राप्त
बी.एड. (द्विवर्षीय नियमित पाठ्यक्रम हेतु)परिनियम 28 (कॉलेज कोड) के अन्तर्गत नियुक्ति

क्र.	पद	पदों की संख्या
1.	प्राचार्य	1
2.	संकाय पद (शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में)	4
3.	संकाय पद (विज्ञान, गणित, भौतिक, रसायन, सामा.विज्ञान भाषा)	8
4.	शारीरिक शिक्षा	1
5.	ललितकला	1
6.	निष्पादन कलाएं (संगीत, नृत्य, रंगमंच)	1

नोट-समस्त पदों हेतु योग्यता एन.सी.टी.ई. के मापदण्डों के अनुसार। वेतनमान यू.जी.सी. एवं एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार। आवेदन-पत्र विज्ञापन प्रकाशित होने के 8 दिनों के भीतर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित उपरोक्त पते अथवा मेल पर भेजे।

संपर्क : 98934 65805, 98265 87812 ई-मेल rabarwani@gmail.com

R-46349/2021

ख्वाब देखें और उसे हकीकत में बदलने तक मेहनत करें - राधिका गुप्ता

आपका उद्देश्य आपकी परेशानियों से बड़ा होना चाहिए। तभी परेशानियां कम होती जाएंगी और उद्देश्य जीवित रहेगा। इस बात से इत्तेफाक रखने वाली राधिका गुप्ता ने देश में सिविल सर्विस 2020 की परीक्षा में 18वीं रैंक हासिल की है। राधिका का नाता भारत के एक ऐसे जिले से है जिसकी पहचान देश के सबसे अशिक्षित जिले के रूप में होती है। जहां की साक्षरता दर तकरीबन 36.10 फीसदी है। हो सकता है यह बात किसी को निराशा से भर दे, लेकिन यहां रहने वाली राधिका ने अपने जिले की इस बात से ही खुद को प्रेरित किया और जीवन में कुछ बड़ा करने का प्रयास किया। कॉर्पोरेट सेक्टर की अच्छी जॉब, बड़े शहर की लाइफ स्टाइल को छोड़कर सिविल सर्विस की राह चुनी और वर्ष 2020 की परीक्षा में दूसरे प्रयास में कामयाबी हासिल की। इससे पहले वह 2019 की परीक्षा में प्रथम प्रयास में वेटिंग लिस्ट में आकर भारतीय रेल सेवा के लिए चुनी गई थीं। सिविल सर्विस की परीक्षा के इस सफर के बारे में राधिका कहती हैं कि, मैंने जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को सीखा। धैर्य एवं संयम इस परीक्षा ने मुझे सिखाया है। अपने इस सफर के बारे में उन्होंने 'रोज़गार और निर्माण' से बात की....

परिचय

नाम	:	**राधिका गुप्ता**
पद	:	आईएएस
उम्र	:	24 साल
पिता	:	श्री प्रहलाद गुप्ता व्यवसायी
माता	:	श्रीमती चंदा गुप्ता, गृहिणी
पता	:	अलीराजपुर, मध्यप्रदेश
आभार	:	ईश्वर, अपने माता-पिता, भाई, समेत पूरे परिवार, शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया और इस कामयाबी को हासिल करने में मुझे सहयोग दिया।
शिक्षा	:	बीई मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एसजीएसआईटीएस इंदौर
रुचि	:	टेबल टेनिस, बैडमिंटन खेलना

Q आपने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है, फिर आपने एंथ्रोपोलॉजी विषय का चुनाव क्यों किया?

● मुझे एंथ्रोपोलॉजी यानी मानव विज्ञान विषय दिलचस्प लगता है, साथ ही इससे मेरा जुड़ाव भी है। मैं जहां से आती हूं वो सघन आदिवासी इलाका है। शुरू से ही मेरी रुचि जनजीवन को जानने की रही है और आदिवासियों की जीवनशैली मैं बचपन से देखते आ रही थी। इसलिए एंथ्रोपोलॉजी के जरिये उन्हें नजदीक से जानना चाहती थी। इस विषय को गहराई से पढ़ने के बाद मुझे लगा कि हम लोग आदिवासियों को असभ्य या अनपढ़ समझते हैं, पर वास्तव में असभ्य तो हम हैं वे नहीं। वो जिस परिवेश से आते हैं उसे ही जीते हैं और प्रकृति के बेहद नजदीक हैं। जबकि हम कल्चर्ड होने के नाम पर बदल गए और अपनी जड़ों से कट गए।

Q अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताइए?

● मैं अलीराजपुर से हूं, देश में इस जिले की पहचान शिक्षा के रूप में सबसे पिछड़े जिले के रूप में है। मेरे परिवार की मैं पहली शख्स हूं, जो शासकीय सेवा में अपना कॅरियर बना रही हूं, मेरे परिवार का मुख्य प्रोफेशन बिजनेस है। एसजीएसआईटीएस इंदौर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद मैं दिल्ली में जॉब करने लगी थी। कॉर्पोरेट कंपनी में जॉब थी। तब मुझे सिविल सर्विसेज एग्जाम की अच्छी जानकारी मिली। राजेन्द्र नगर के कोचिंग सिस्टम के बारे में भी पता लगा। सिलेबस को समझने के बाद मैंने जॉब छोड़ी और तैयारी के लिए इंदौर वापस आ गई। मैंने जेईई की कोचिंग कोटा से ली थी। कोचिंग सिस्टम को जानती थी इसलिए राजेन्द्र नगर के कोचिंग सिस्टम से दूरी बनाना ठीक समझा। मैंने रोजाना 9-10 घंटे पढ़ाई की। टाइम टेबल बनाया। सोशल मीडिया से दूर रही। मैंने ठान लिया था कि दो बार प्रयास करूंगी। अगर क्लियर हो गया तो ठीक है नहीं तो फिर से कॉर्पोरेट जॉब में चली जाऊंगी। इसलिए मैंने किसी अन्य सरकारी नौकरी का फॉर्म भी नहीं भरा था। मैंने 2018 में सिविल सर्विस की तैयारी करना शुरू किया था। पहली बार में रैंक कम होने की वजह से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के जरिए मुझे भारतीय रेलवे अलॉट किया गया, लेकिन मुझे मेरे समाज के लिए कुछ बेहतर करना था, इसलिए मैंने हिम्मत नहीं हारी और दोबारा कोशिश की और दूसरे प्रयास में एग्जाम क्रैक किया।

Q कब तय किया कि सिविल सेवा में जाना है? आपको किसने प्रेरित किया?

● 'मैं जिस जिले से हूं वह साक्षरता दर में सबसे नीचे आता है, लेकिन इसने मेरे पर्सनालिटी को बनाने में मदद की है। यही मेरे लिए सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत भी है। यहां रहने के बाद ही मुझे समझ आया कि शिक्षा किसी के भी जीवन में कितनी बड़ी भूमिका निभाती है और कैसे लोगों की जिंदगी को बेहतर कर सकती है। इसके अलावा जब इंदौर में पढ़ रही थी, तब तत्कालीन कलेक्टर पी. नरहरि सर के कामकाज ने मुझे प्रभावित किया। इंदौर को साफ-सफाई में देश का नंबर 1 शहर बनाने और ग्वालियर को डिसेबल फ्रेंडली बनाने वाले उनके काम से समझ आया कि एक आईएएस कैसे तस्वीर बदल सकता है। मेरी दादी मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। मेरे पिता सात भाई-बहन थे, मेरी दादी ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सभी बच्चों को पढ़ाया, क्योंकि वह शिक्षा के महत्व को समझती थीं। मेरे भाई को मुझ पर मुझसे ज्यादा भरोसा है उसने ही मुझे यूपीएससी की तैयारी के लिए प्रेरित किया और कहा कि तुम यह कर सकती हो।

Q बेहतर जॉब, अच्छी सैलरी के बाद क्या आपको नहीं लगा कि इस तरह जॉब छोड़कर तैयारी करना सही फैसला नहीं होगा? कब आपने यह निर्णय लिया?

● मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद जब मैं दिल्ली में होंडा मोटर्स में जॉब कर रही थी। अच्छी खासी सैलरी मिलती थी, बढ़िया पैकेज था। मेरा अपने काम में मन भी लग गया था। एक दिन मैं शॉपिंग करने करोल बाग गई थी। इस एरिया का एक हिस्सा शॉपिंग के लिए है, जबकि दूसरे हिस्से में कोचिंग इंस्टीट्यूट है। उस दिन संयोग से मैं टैक्सी से उस हिस्से में उतर गई, जो कोचिंग वाला एरिया है। वहां लगे कुछ साइन बोर्ड पर मेरी नजर पड़ी और उत्सुकतावश मैं उन्हें देखने लगी। वहां का दृश्य देखकर मुझे लगा कि मैं क्यों यूपीएससी का एग्जाम नहीं दे सकती? मैंने खुद से ही सवाल किया और खुद से ही जवाब मिल गया। इसके बाद मैंने इसके बारे में अपने भाई से चर्चा की जिसने मुझे तैयारी के लिए प्रेरित किया। कुछ समय बाद मुझे लगा कि नौकरी के साथ यह तैयारी नहीं हो सकेगी और मैंने जॉब छोड़कर इंदौर वापस आकर तैयारी शुरू की।

Q क्या कभी इस बात का डर लगा कि अगर सलेक्शन नहीं हुआ तो क्या करेंगी? ऐसे में खुद को कैसे मोटीवेट किया?

● हां, हर अभ्यर्थी की तरह मेरे मन में भी तैयारी के दौरान कई बार सवाल आता था, अगर सिलेक्शन नहीं हुआ तो? हम खुद पर शक करने लगते हैं और स्ट्रेस में आने लगते हैं। ऐसे में हमें हमारी हॉबी को फॉलो करना चाहिए। मुझे स्पोर्ट्स बहुत पसंद है, तो मैं टेबल टेनिस, बैडमिंटन खेलती थी। मानसिक शांति के लिए कई बार पॉडकास्ट सुनती थी।

Q रणनीति के तहत पढ़ाई के लिए हर दिन कैसे समय तय किया? दिनचर्या क्या थी?

● मैंने सबसे पहले यूपीएससी के कोर्स को समझा। एक साल में यह सिलेबस कैसे पूरा किया जा सकता है, इसको सोचकर एक टाइम टेबल तैयार किया। इस टाइम टेबल में टेस्ट सीरीज, पढ़ाई आदि चीजों को भी सम्मिलित किया। यूपीएससी को लेकर बहुत बड़ा भ्रम है कि इसके लिए 10-12 घंटे तक पढ़ाई करेंगे तभी सलेक्शन होगा। लेकिन मेरा मानना है कि प्रतिदिन 8-10 घंटे की पढ़ाई भी काफी है।

Q इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में किस तरह की चुनौतियां सामने आई?

● मैंने 2018 से यूपीएससी एग्जाम की प्रिपरेशन शुरू की थी और दूसरे प्रयास में सफलता हासिल कर ली। पढ़ाई के लिए समय बचाने के लिए अपने परिवार से न मिल पाना मेरे लिए कई बार काफी मुश्किल होता था। इसके अलावा लगातार कई घंटों तक पढ़ना होता था, ऐसे में मानसिक तनाव बढ़ जाता था, तो मैं इससे निपटने के लिए अपनी हॉबी की मदद लेती थी। यूपीएससी एग्जाम क्लियर करने के लिए जो तैयारी की वह काफी अहम और मुश्किल भरी थी, लेकिन मैं जानती थी कि इससे मेरी लाइफ बदल जाएगी और आज मुझे इस बात का एहसास हो रहा है। यह तैयारी और यह उपलब्धि मेरे लिए एक समृद्धि भरी यात्रा के जैसी है।

Q साक्षात्कार के दौरान आपका अनुभव कैसा रहा?

● इंटरव्यू के पहले एक डीटेल एप्लीकेशन फॉर्म भरना होता है। उससे संबंधित कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं। इंटरव्यू परीक्षा पास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेरा इंटरव्यू काफी अच्छा रहा। इंटरव्यू बोर्ड ने मुझसे मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बिजनेस, पर्यावरण, महिला मुद्दे आदि से जुड़े सामान्य से सवाल पूछे। यह एक पर्सनालिटी टेस्ट होता है इसमें सामान्य से सवाल पूछे जा सकते हैं जैसे कि आपका आज का दिन कैसा रहा? क्या आप हमें कुछ अच्छी न्यूज दे सकते हैं?

Q परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन सा था? उसे आपने कहां से चुना?

● मैंने कोचिंग के नोट्स, किताबें, मैग्जीन, ऑनलाइन लेक्चर, वेबसाइट आदि के माध्यम से अपने स्टडी का चुनाव किया। भारतीय राजनीति के लिए लक्ष्मीकांत, भारतीय इतिहास के लिए स्पेक्ट्रम, विपिन चंद्रा, अर्थशास्त्र के लिए संजीव वर्मा और क्लास के नोट्स, इको सर्वे और बजट हाइलाइट्स, एंथ्रोपोलॉजी के लिए नदीम हसनेन, विवेक भास्मी, पी नाथ, भूगोल के लिए जीसी लियॉन्ग के अलावा सभी विषयों के लिए एनसीईआरटी और कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से अपनी तैयारी की। प्रधानमंत्री, राज्यसभा टीवी के शो द विग पिक्चर और इंडिया वर्ल्ड भी देखे।

Q लॉकडाउन का दौर निराशा और त्रासदी भरा रहा। ऐसे में कैसे खुद को संभाला और तैयारी के लिए बूस्टअप किया?

● मेरे ख्याल से सभी प्रतिभागी लॉकडाउन के दौरान सिविल सर्विस की तैयारी में जुटे हुए थे, मगर कोविड की दूसरी लहर में सिर्फ आइसोलेशन नहीं था, आसपास हो रही त्रासदी की वजह से मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ा था। मैंने तब अपने परिवार के संग समय बिताया। मैंने कुछ किताबें भी पढ़ीं।

Q आपको कौन-सा विषय कठिन लगता है? कठिन और मुश्किल विषयों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?

● मुझे जियोग्राफी में मैप्स, बायोटेक, प्राचीन भारत का इतिहास, कला और संस्कृति आदि के फैक्ट याद करने में दिक्कत होती थी। जानती थी कि फैक्ट ऐसे नहीं होते हैं जिन्हें एक दिन में याद किया जा सके। इसलिए मैं पांच जगह नक्शे पर देखती, 15 मिनट कला और संस्कृति को देती थी। इसने इन बड़े विषयों को छोटे-छोटे टास्क में बदल दिया। जो तैयारी करती, उसे कमरे में लटके ब्लैक बोर्ड पर इस तरह लिखती जैसे किसी को पढ़ा रही हूं। ये मेरे रिवीजन का तरीका भी था। इसका परिणाम ये रहा कि मुझे हर बात याद रहने लगी। कठिन और मुश्किल विषयों को याद करने के लिए मैंने लिख-लिखकर प्रैक्टिस की।

Q आपने ज्यादातर सेल्फ स्टडी की है, आपको क्या लगता है कोचिंग कितनी महत्वपूर्ण भूमिका चयन में निभाती है?

● मैंने इंदौर से जनरल स्टडीज की कोचिंग की है। इसने मुझे परीक्षा में फाउंडेशन की तैयारी में मदद की। मगर हां मैं यह कह सकती हूं कि आज के समय में बिना कोचिंग के मैनेज किया जा सकता है, क्योंकि सारा जरूरी गाइडेंस इंटरनेट पर मौजूद है। स्ट्रेटजी, बुक लिस्ट से लेकर स्टडी मटेरियल तक यहां उपलब्ध है। कुछ रिसोर्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और फ्री क्वालिटी कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। टॉपर्स की स्ट्रेटजी भी आपके लिए यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यूपीएससी की तैयारी करनी है तो हमें दिल्ली जाना पड़ेगा मैंने अपनी पूरी तैयारी इंदौर में रहकर की है। परीक्षा पास करने के लिए लगन और मेहनत की जरूरत है। इससे शहर का कोई ताल्लुक नहीं है। अगर मैं कर सकती हूं, तो आप भी कर सकते हैं। बस अपने आप पर भरोसा कीजिए।

Q परीक्षा की तैयारी के लिए आपकी क्या स्ट्रेटजी थी?

● पढ़ाई को लेकर मैंने खुद को अनुशासित किया। कितने घंटे पढ़ना है, यह पहले ही तय कर लेती थी। क्योंकि यूपीएससी के लिए आप कितने घंटे पढ़ते हैं यह मायने नहीं रखता है, आपने क्या पढ़ा और ठीक से समझा या नहीं यह मायने रखता है। मैं खुद पढ़ती थी और फिर खुद को पढ़ाती थी। यूपीएससी के पहले प्रयास में एक विषय को छोड़कर सभी में अच्छे मार्क्स आए थे। जब दूसरी बार यूपीएससी दी तो उस विषय की पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दिया। प्रीलिम्स के हिसाब से दो हिस्सों में बांट लीजिए, पहले उन सवालों को हल करना चाहिए जिन्हें लेकर आप बिलकुल श्योर हैं और दूसरा उन्हें जिन्हें लेकर 50-50 हैं। टाइम मैनेजमेंट सबसे जरूरी है। मेन्स की परीक्षा के लिए मैंने कई टेस्ट सीरीज सॉल्व कीं। किसी भी टॉपिक को पढ़ने के बाद मेन्स और प्रीलिम्स दोनों के हिसाब से सवाल और जवाब बनाने की कोशिश की। इससे मेरी मेन्स और प्री दोनों की तैयारी एक साथ होती रही। इंटरव्यू की तैयारी के लिए मैंने दिल्ली में जामिया मीलिया इस्लामिया की अकादमी में कोचिंग हासिल की। वहां तैयारी के दौरान हर तरह का सपोर्ट मिला, फिर बात चाहे पर्सनल सपोर्ट की हो या इमोशनल सपोर्ट की। यूपीएससी की तैयारी कर रहे ऐसे छात्र जो बहुत ज्यादा पैसा खर्च नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत है उनके लिए यह कोचिंग अकादमी एक बेस्ट संस्थान है।

Q जो सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं? उन्हें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

● इस परीक्षा की तैयारी के लिए हमें दो साल की ईमानदारी से मेहनत करनी होगी। अगर हमने अच्छी तरह से मेहनत कर ली तो सफल होने के अवसर बढ़ जाते हैं। कभी भी उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। अपनी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखें। बड़े सपने देखें और उसको पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। फेलियर इस परीक्षा का एक हिस्सा है। कई बार हम असफल हो जाते हैं। लेकिन आप अडिग रहिए।

Q जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है? आपका फोकस किन क्षेत्रों में काम करने पर होगा?

● मैं आईएएस बनकर समाज के सबसे पीछे खड़े व्यक्तियों के लिए कुछ करना चाहती हूं। मैं उस बाधा को तोड़ना चाहती हूं, जो समाज और प्रशासन के बीच में आती है। मैं चाहती हूं कि लोग खुलकर अपनी बात कह सकें, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी दिखाई नहीं देता। मैंने अलीराजपुर में रहकर देखा है कि आम लोग प्रशासन से कितना दूर हैं। उस दूरी को कम करना ही मेरी कोशिश होगी। यदि मैं ऐसा कर सकी तो यही मेरी सबसे बड़ी सफलता होगी। मैं महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने में मेरी रुचि है।

Q 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

● 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से मैं यही संदेश देना चाहती हूं कि बड़े सपने देखिए और उसे पूरा करने के लिए प्लानिंग के साथ खूब मेहनत कीजिए, लेकिन पहले ये तय कर लीजिए वास्तव में आप क्या करना चाहते हैं। खुद पर भरोसा कीजिए, क्योंकि जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप हासिल नहीं कर सकते हैं।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस-24 दिसम्बर

उपभोक्ताओं को दिए गए हैं कई अधिकार

प्रबंधन और मार्केटिंग के क्षेत्र में हमेशा ही 'उपभोक्ता देवो भव' कहा जाता है जिसका अर्थ है उपभोक्ता भगवान के समान है, वहीं अंग्रेजी में कहा जाता 'कंज्यूमर इज किंग' यानी उपभोक्ता ही राजा है। उपभोक्ता की परिभाषा पर गौर करें तो हम पाते हैं कि उपभोक्ता वह व्यक्ति है, जो अपने इस्तेमाल के लिये कोई वस्तु खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है। इसमें वह व्यक्ति शामिल नहीं होता, जो दोबारा बेचने के लिये किसी वस्तु को हासिल करता है या कमर्शियल उद्देश्य के लिये किसी वस्तु या सेवा को प्राप्त करता है। उपभोक्ता में वह व्यक्ति भी शामिल नहीं होता, जो वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में प्राप्त करता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके, टेली शॉपिंग, मल्टी लेवल मार्केटिंग या सीधे खरीद के जरिये किया जाने वाला सभी तरह का ऑफलाइन या ऑनलाइन लेन-देन शामिल है। उपभोक्ताओं के हित के लिए और न्याय दिलाने के लिए अधिनियम बनाए गए हैं, जिससे उपभोक्ता सशक्त और जागरूक होते हैं। हमारी सरकारें उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रही हैं, इसके साथ ही वे ग्राहकों यानी उपभोक्ताओं के लिए समय-समय पर अधिनियम एवं दिशा-निर्देश जारी करती रही हैं। उपभोक्ता विभाग की टैग लाइन जागो ग्राहक जागो को देश में व्यापक पहचान मिली हुई है।

उपभोक्ता विभाग का महत्व

भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का उपभोक्ता मामले विभाग उपभोक्ता संरक्षण हेतु नोडल विभाग है और उपभोक्ताओं के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए यह विभिन्न उपाय कर रहा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत दो विभागों में से एक उपभोक्ता मामले विभाग है। देश में बुनियादी उपभोक्ता आंदोलन को गति देने के लिए एक विशिष्ट विभाग की आवश्यकता को देखते हुए जून 1997 में इसे एक अलग विभाग के रूप में गठित किया गया था। विभाग को कई कार्य सौंपे गए हैं जैसे :- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, वाट और माप मानकों का कार्यान्वयन आदि।

उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986 को मंजूरी इसी दिन मिली

प्रत्येक वर्ष 24 दिसम्बर को देशभर में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। इसी दिन उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम, 1986 को राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त हुई थी। यह दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। पिछले साल यानी वर्ष 2020 की थीम 'उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम, 2019 की नई विशेषताएं' तय की गई थीं। यह अधिनियम देश में उपभोक्ता आंदोलन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जाता है। इस अधिनियम में उपभोक्ताओं को छः उपभोक्ता अधिकार प्रदान किए गए हैं : 1. सुरक्षा का अधिकार, 2. संसुचित किए जाने का अधिकार, 3. चयन का अधिकार, 4. सुनवाई का अधिकार, 5. प्रतितोष यानी क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार और 6. उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार।

तीन दशक पुराने कानून में हुआ बदलाव

नया उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 को 20 जुलाई, 2020 से लागू किया गया है। यह उपभोक्ताओं को सशक्त करने के साथ ही उनके अधिकारों की रक्षा करने में भी मदद करेगा। नया अधिनियम तीव्रता से और कम समय में कार्यों का निपटान करेगा। पुराना अधिनियम न्याय हेतु सिंगल-

प्वाइंट पहुंच के कारण ज्यादा समय लेता था। नया अधिनियम उपभोक्ताओं को सशक्त बनायेगा और उनके अधिकारों की रक्षा करने में मदद करेगा। इस अधिनियम में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के अनुचित व्यापार चलन को रोकने के लिए नियम भी शामिल किए गए हैं। इस अधिनियम के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को 48 घंटों के भीतर उपभोक्ता को शिकायत प्राप्ति की सूचना देनी होगी और शिकायत प्राप्ति की तारीख से एक महीने के भीतर उसका निपटारा करना होगा। नया अधिनियम उत्पाद दायित्व की अवधारणा को प्रस्तुत करता है और मुआवजे के किसी भी दावे के लिए उत्पाद निर्माता, उत्पाद सेवा प्रदाता और उत्पाद विक्रेता को इसके दायरे में लाता है।

नए अधिनियम में मध्यस्थता का एक वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र प्रदान किया गया है। ये इस अधिनिर्णय प्रक्रिया को सरल करेगा। उपभोक्ता आयोगों के तत्वावधान में स्थापित किए जाने वाले मध्यस्थता प्रकोष्ठों में मध्यस्थता आयोजित की जाएगी। मध्यस्थता के माध्यम से होने वाले निपटान के खिलाफ कोई अपील नहीं होगी। नया अधिनियम उत्पाद दायित्व की अवधारणा को भी लाया है। मुआवजे के लिए यह किसी भी दावे के लिए उत्पाद निर्माता, उत्पाद सेवा प्रदाता और उत्पाद विक्रेता को अपने दायरे में लाता है। इस अधिनियम में एक सक्षम न्यायालय द्वारा मिलावटी और नकली सामानों के निर्माण या विक्री के लिए सजा का प्रावधान है। इसमें पहली बार दोषी पाए जाने की स्थिति में संबंधित अदालत दो साल तक की अवधि के लिए व्यक्ति को जारी किए गए किसी भी लाइसेंस को निलंबित कर सकती है, और दूसरी बार या उसके बाद दोषी पाए जाने पर उस लाइसेंस को रद्द कर सकती है।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए)

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की स्थापना 24 जुलाई, 2020 से की जा चुकी है। इस प्राधिकरण का उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देना, उनकी रक्षा करना और उसे लागू करना है। सीसीपीए के पास उपभोक्ता के अधिकारों का उल्लंघन करने और संस्थानों के प्रति शिकायतों और अभियोजनों, असुरक्षित वस्तुओं और सेवाओं को वापस बुलाने, अनुचित विक्रय प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों को बंद करवाने का आदेश देने, भ्रामक विज्ञापनों के लिए विनिर्माताओं, समर्थनकर्ताओं और प्रकाशकों पर जुर्माना लगाने का अधिकार है। प्राधिकरण को गलतफहमी पैदा करने वाले या झूठे विज्ञापनों के निर्माताओं या उनको समर्थन करने वालों पर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना तथा दो वर्ष कारावास का दंड लगाने का अधिकार दिया गया है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) विवादों के निवारण के लिए सस्ती और त्वरित सेवा प्रदान करता है। वाद सूचियों, निर्णयों, मुकदमे की स्थिति, दैनिक निर्णयों, उपभोक्ता के अधिवक्ता और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में आप इसकी वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा 24 जुलाई, 2020 से कुछ प्रभावी विनियमों को अधिसूचित किया गया है। नया उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के नियमों के अनुसार 5 लाख रुपये तक का मामला दर्ज करने के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। इलेक्ट्रॉनिक रूप से शिकायतें दर्ज करने के लिए भी इसमें प्रावधान है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- वैश्विक स्तर पर उपभोक्ता दिवस हर वर्ष 15 मार्च को मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्रतिमाह औसतन 70,000 शिकायतें दर्ज की जाती हैं।
- भारत सरकार ने एनआईसी की मदद से ई-दाखिल पोर्टल की शुरुआत की है। इस पोर्टल की मदद से उपभोक्ताओं के लिए शिकायत दर्ज करना काफी आसान हो गया है। उपभोक्ता अपनी शिकायत के समाधान के लिए ऑनलाइन माध्यम से कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है।
- लगभग 17 राज्यों और एनसीडीआरसी ने ई-दाखिल पोर्टल की सेवाओं को कामकाज में शामिल कर लिया है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **इस वर्ष डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?**
(अ) विक्टर एक्सेलसेन
(ब) कैंटो मोमोटा
(स) सौरभ वर्मा
(द) ली चोंग वेई

2. **ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?**
(अ) लसिथ मलिंगा
(ब) शाकिब अल हसन
(स) क्रिस जॉर्डन
(द) टिम साउथी

3. **सीमा पूनिया किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
(अ) भाला फेंक (ब) गोला फेंक
(स) चक्का फेंक (द) ऊंची कूद

4. **स्वप्ना बर्मन ने एशियन गेम्स-2018 में किस खेल में स्वर्ण पदक जीता था?**
(अ) स्टीपलचेज (ब) मैराथन
(स) बाधा दौड़ (द) हेप्टाथलॉन

5. **फुटबॉल मैच में एक हाफ कितने मिनट का होता है?**
(अ) 35 मिनट (ब) 40 मिनट
(स) 45 मिनट (द) 50 मिनट

6. **वर्ष 2022 के आईपीएल सत्र में कितनी नई टीमें शामिल होंगी?**
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) इनमें से कोई नहीं

7. **इनमें से कौन-सा खेल विंटर ओलिंपिक-2022 का हिस्सा नहीं है?**
(अ) ल्यूज (ब) स्कीइंग
(स) वॉलीबॉल (द) आइस हॉकी

8. **इस वर्ष फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनीं थीं?**
(अ) आन से यंग
(ब) अकाने यामागुची
(स) पी.वी. सिंधु
(द) सयाका ताकाहाशी

9. **भारत वर्ष 2031 में किस देश के साथ मिलकर आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप की मेजबानी करेगा?**
(अ) बांग्लादेश (ब) पाकिस्तान
(स) श्रीलंका (द) मलेशिया

10. **इस वर्ष महिला विग बैश लीग का खिताब किस टीम ने जीता है?**
(अ) एडिलेड स्ट्राइकर्स
(ब) सिडनी थंडर्स
(स) ब्रिस्बेन हीट्स
(द) पर्थ स्कॉचर्स

11. **इस वर्ष मैक्सिकन सिटी ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस किस खिलाड़ी ने जीती है?**
(अ) लुईस हैमिल्टन
(ब) मैक्स वर्स्टापेन
(स) लांस स्ट्रॉल
(द) इनमें से कोई नहीं

12. **वर्ष 2019 में किस देश ने फीफा महिला वर्ल्डकप की मेजबानी की थी?**
(अ) फ्रांस (ब) बेल्जियम
(स) जर्मनी (द) स्पेन

13. **दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?**
(अ) शॉन पोलक
(ब) एलेन डोनाल्ड
(स) मखाया एंटिनी
(द) डेल स्टेन

14. **टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने जिम्नास्टिक में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते थे?**
(अ) चीन (ब) जापान
(स) कनाडा (द) अमेरिका

15. **गीत सेठी ने कितने बार वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप जीती है?**
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) पांच बार

16. **इनमें से किस खिलाड़ी को इस वर्ष अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया है?**
(अ) भाविना पटेल
(ब) शिखर धवन
(स) दीपक पूनिया
(द) उपरोक्त सभी

17. **फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कितने बार बेलोन डिओर पुरस्कार जीता है?**
(अ) तीन बार (ब) चार बार
(स) पांच बार (द) सात बार

18. **भारत में विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट के किस फॉर्मेट में खेली जाती है?**
(अ) टेस्ट (ब) वन-डे
(स) ट्वेंटी-20
(द) इनमें से कोई नहीं

19. **इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार एएफसी एशियन कप जीता है?**
(अ) जापान (ब) द. कोरिया
(स) ईरान (द) कतर

20. **विंसेंट हैनकॉक किस देश के दिग्गज निशानेबाज हैं?**
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका
(स) इटली (द) यूक्रेन

21. **इनमें से किस बल्लेबाज ने ट्वेंटी-20 वर्ल्डकप-2021 में शतक बनाया है?**
(अ) डेविड वॉर्नर
(ब) मोहम्मद रिजवान
(स) जोस बटलर
(द) वानिंदु हसरंगा

22. **एनेट कोंटावेट किस देश की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी हैं?**
(अ) फ्रांस (ब) सर्बिया
(स) क्रोएशिया (द) एस्टोनिया

23. **सुमित अंतिल ने टोक्यो पैरालिंपिक में किस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?**
(अ) निशानेबाजी (ब) बैडमिंटन
(स) भाला फेंक (द) ऊंची कूद

24. **ऑर्थर वान डोरेन किस देश के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी हैं?**
(अ) नीदरलैंड (ब) बेल्जियम
(स) अर्जेंटीना (द) न्यूजीलैंड

25. **किस खिलाड़ी को भारत की ट्वेंटी-20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है?**
(अ) रोहित शर्मा
(ब) के.एल. राहुल
(स) रविंद्र जडेजा
(द) हार्दिक पंड्या

उत्तर

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स), 6. (ब), 7. (स), 8. (ब), 9. (अ), 10. (द), 11. (ब), 12. (अ), 13. (द), 14. (अ), 15. (द), 16. (द), 17. (स), 18. (ब), 19. (अ), 20. (ब), 21. (स), 22. (द), 23. (स), 24. (ब), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

जबलपुर में टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना के लिए 21 एकड़ भूमि आवंटित

जबलपुर, उद्योगों की नई तकनीक से सम्बंधित जरूरतों को पूरा करने और युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए जबलपुर में टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने जबलपुर के औद्योगिक क्षेत्र रिछाई में सेंटर के लिये 21 एकड़ से अधिक भूमि के आवंटन की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। श्री सखलेचा के अथक प्रयास से भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

इस आवंटित पट्टे की अवधि अधिकतम 99 वर्षों की होगी। इसके बाद जमीन पर पुनः गतिविधि संचालित होने की दशा में लीज का निःशुल्क नवीनीकरण किया जाएगा। इस टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना से जबलपुर की औद्योगिक इकाइयों को लाभ मिलेगा। टेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा डिजाइन, टेस्टिंग इत्यादि के रूप में उद्योगों को तकनीक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य हिन्दी

1. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
A) ज्योतसना
B) ज्योत्सना
C) ज्योतिसना
D) जोत्सना।
उत्तर : B) ज्योत्सना

2. 'बेइंसाफी' में प्रयुक्त उपसर्ग है?
A) बे
B) इन
C) बेइ
D) बेइन।
उत्तर : A) बे

3. शब्द रचना में किसका योगदान नहीं होता?
A) प्रत्यय
B) पद
C) धातु
D) उपसर्ग।
उत्तर : B) पद

4. सुपुरुष में कौन-सा समास है?
A) तत्पुरुष समास
B) अव्ययी भाव समास
C) कर्मधारय समास
D) द्वंद समास।
उत्तर : C) कर्मधारय समास

5. 'खग कुल-कुल-कुल सा बोल रहा है' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
A) उत्प्रेक्षा अलंकार
B) उपमा अलंकार
C) श्लेष अलंकार
D) यमक अलंकार।
उत्तर : D) यमक अलंकार।

6. प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहां है? दुःख जल निधि डूबी था सहारा कहां है? इन पंक्तियों में कौन-सा स्थायी भाव है?
A) विस्मय
B) रति
C) शोक
D) क्रोध।
उत्तर : C) शोक

7. 'खड़ी बोली' के लिए सुनीति कुमार चटर्जी ने किस शब्द का प्रयोग किया है?
A) जनपदीय हिन्दुस्तानी
B) वर्नाक्युलर हिन्दुस्तानी
C) कौरवी
D) रेख्ता।
उत्तर : A) जनपदीय हिन्दुस्तानी

8. मनोरम का संधि विच्छेद है?
A) मन + ओरम
B) मन + रम
C) मनो + रम
D) मनः + रम।
उत्तर : D) मनः + रम

9. कवि स्वयंभू किस भाषा के कवि हैं?
A) अपभ्रंश
B) पालि
C) प्राकृत
D) अवहट्ट।
उत्तर : A) अपभ्रंश

10. शांत रस का स्थायी भाव क्या है?
A) जुगुप्सा
B) क्रोध
C) शोक
D) निर्वेद।
उत्तर : D) निर्वेद

11. 'पावक' का पर्यायवाची शब्द है?
A) अंगारा
B) हुताशन
C) लपट
D) ज्वाला।
उत्तर : B) हुताशन

12. 'स्वागत' में प्रयुक्त संधि का नाम है?
A) व्यंजन संधि
B) यण् संधि
C) दीर्घ संधि
D) वृद्धि संधि।
उत्तर : B) यण् संधि

13. 'लेखक' शब्द के अंत में कौन-सा प्रत्यय लगा हुआ है?
A) क
B) इक
C) आक
D) अक।
उत्तर : D) अक

14. डिंगल भाषा का संबंध किस साहित्य से है?
A) हरियाणवी साहित्य
B) राजस्थानी साहित्य
C) अवधी साहित्य
D) मैथली साहित्य।
उत्तर : B) राजस्थानी साहित्य

15. देशांतर में कौन-सा समास है?
A) बहुव्रीहि समास
B) द्विगु समास
C) तत्पुरुष समास
D) कर्मधारय समास।
उत्तर : C) तत्पुरुष समास

16. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
A) अनुक्रम
B) अनुकृम
C) अनुकर्म
D) अनुक्रर्म।
उत्तर : A) अनुक्रम

17. नीचे दिए विकल्पों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए?
A) बैंक
B) मुँह
C) मर्म
D) प्रलाप।
उत्तर : B) मुँह।

18. गिरीश का सही संधि विच्छेद है?
A) गिरि + इश
B) गिरि + ईश
C) गिर + इश
D) गिर + ईश।
उत्तर : B) गिरि + ईश = गिरीश

19. किलक अरे मैं नेह निघरूँ
इन दाँतों पर मोती पारूँ
इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?
A) वीर रस
B) शांत रस
C) वात्सल्य रस
D) हास्य रस।
उत्तर : C) वात्सल्य रस

20. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
A) अन्तर्ध्यान
B) अन्तर्धान
C) अन्तर ध्यान
D) अन्तःध्यान।
उत्तर : A) अन्तर्ध्यान

21. 'ज्ञ' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है?
A) ज + ञ
B) ज् + ञ
C) ज + घ
D) ज + न्य।
उत्तर : B) ज् + ञ

22. निम्नलिखित में से किस शब्द में रूप साधक प्रत्यय है?
A) बचपन
B) मातृत्व
C) लड़के
D) एकता।
उत्तर : C) लड़के

23. जितेन्द्रिय में कौन सा समास है?
A) द्वन्द समास
B) बहुव्रीहि समास
C) तत्पुरुष समास
D) कर्मधारय समास।
उत्तर : B) बहुव्रीहि समास

24. 'राम चरित मानस' की भाषा क्या है?
A) भोजपुरी
B) प्राकृत
C) ब्रजभाषा
D) अवधी।
उत्तर : D) अवधी

25. आंचलिक रचनाएं किससे संबंधित हैं?
A) देश विशेष से
B) लोक विशेष से
C) क्षेत्र विशेष से
D) जाति विशेष से।
उत्तर : C) क्षेत्र विशेष से

26. 'दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीत' में कौन-सा अलंकार है?
A) विरोधाभास
B) असंगति
C) विभावना
D) निदर्शना
उत्तर : B) असंगति

27. बिहारी हिन्दी के अंतर्गत कौन-सी बोली शामिल नहीं है?
A) मैथली
B) मगही
C) भोजपुरी
D) मारवाड़ी।
उत्तर : D) मारवाड़ी।

28. नहि पराग नहि मधुर मधु, नहि विकास इहिकाल।
अली गली ही सौ बिंध्यौ, आगे कौन हवाल।। प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
A) रूपक अलंकार
B) विशेषोक्ति अलंकार
C) अन्योक्ति अलंकार
D) अतिश्योक्ति अलंकार।
उत्तर : C) अन्योक्ति अलंकार

29. निम्नलिखित में से उपसर्ग रहित शब्द है?
A) सुयोग
B) विदेश
C) अत्यधिक
D) सुरेश।
उत्तर : D) सुरेश।

30. निम्न में 'रूढ़' शब्द कौन-सा है?
A) मलयज
B) जलज
C) पंकज
D) वैभव।
उत्तर : D) वैभव।

31. पट-पीत मानहु तड़ित रुचि सुचि नौमी जनक सुतावरम में कौन-सा अलंकार है?
A) उपमा अलंकार
B) रूपक अलंकार
C) उत्प्रेक्षा अलंकार
D) उदाहरण अलंकार
उत्तर : A) उपमा अलंकार

32. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
A) प्राक्कथन
B) प्रक्कथन
C) प्राकथन
D) प्रकाथन।
उत्तर : A) प्राक्कथन

33. कौन-सा शब्द 'देशज' नहीं है?
A) ढ़िबरी
B) पगड़ी
C) ढोर
D) पुष्कर।
उत्तर : D) पुष्कर

34. निजभाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल बिन निज भाषा ज्ञान के मिरे नु हिय को शूल प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
A) सोरठा
B) दोहा
C) रोला
D) हरि गीतिका।
उत्तर : B) दोहा

35. 'परीक्षा' शब्द निम्नलिखित वर्गों में से किस वर्ग में आता है?
A) तत्सम
B) तद्भव
C) देशज
D) विदेशज।
उत्तर : A) तत्सम

36. मस्तीन सुखा डाहिपी। असीम औरम थाहिपी। घी घी धुना नुप जाहिपी। फी फी फिना सत साहिपी।।
उपरोक्त पंक्तियां किस भाषा का नमूना है?
A) मगधी
B) पैशाची
C) बांगरू
D) कौरवी।
उत्तर : B) पैशाची

37. खुसरो की रचना 'खालिक बारी' वस्तुतः है?
A) पहेलियों का संकलन
B) मनोरंजन परक रचना
C) फारसी-हिन्दी शब्दकोष
D) मुकरियों का संग्रह।
उत्तर : C) फारसी-हिन्दी शब्दकोष

38. सिंधी भाषा का विकास अपभ्रंश की किस बोली से माना गया है?
A) ब्राचड़
B) पैशाची
C) मगधी
D) अर्धमागधी।
उत्तर : A) ब्राचड़

39. कंठ्योष्ठ्य ध्वनि का उदाहरण है?
A) औ
B) ए
C) क
D) त।
उत्तर : A) औ

40. पश्चिमी हिन्दी की दो बोलियों का सही युग्म है?
A) कन्नौजी - अवधी
B) ब्रज - बघेली
C) छत्तीसगढ़ी - बांगरू
D) खड़ी बोली - बुन्देली।
उत्तर : D) खड़ी बोली - बुन्देली

41. भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का आधार है?
A) रूप रचना
B) ध्वनि
C) इतिहास
D) अर्थ।
उत्तर : C) इतिहास

42. मुख-दर्शन में कौन-सा समास है?
A) द्विगु समास
B) तत्पुरुष समास
C) द्वन्द समास
D) बहुव्रीहि समास।
उत्तर : B) तत्पुरुष समास

43. निम्नलिखित में से कौन द्रविड़ परिवार की भाषा है?
A) उडिया
B) बंगला
C) असमिया
D) कन्नड़।
उत्तर : D) कन्नड़

44. 'मगही' किस हिन्दी प्रदेश की बोली है?
A) मध्यप्रदेश
B) बिहार
C) राजस्थान
D) छत्तीसगढ़।
उत्तर : B) बिहार

45. शब्द की द्विअर्थी योजना में कौन-सा अलंकार होता है?
A) अनुप्रास
B) वक्रोक्ति
C) श्लेष
D) उत्प्रेक्षा।
उत्तर : B) वक्रोक्ति
व्याख्या - शब्द की द्विअर्थी योजना या एक शब्द के कई अर्थ होने पर श्लेष अलंकार होता है। श्लेष का अर्थ है चिपका हुआ अर्थात एक शब्द में कई अर्थ चिपके होते हैं। जैसे 'पानी गए नहीं उबरे मोती मानुष चून' इनमें दो से अधिक अर्थ भी होते हैं। जबकि वक्रोक्ति में शब्द के दो अर्थ होते हैं।

46. ऊधो मोहि व्रज विसरत नाही।
हंस सुता की सुन्दर कगरी और दुमन की छांही।।
इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?
A) श्रृंगार रस
B) हास्य रस
C) वीर रस
D) करुण रस।
उत्तर : A) श्रृंगार रस

47. संचार माध्यमों में प्रयोग होता है?
A) हिन्दी का शासकीय रूप
B) हिन्दी का व्याकरणिक रूप
C) हिन्दी का शुद्ध व्याकरणिक रूप
D) हिन्दी का साहित्यिक रूप।
उत्तर : A) हिन्दी का शासकीय रूप

48. रहिमन जो गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारे लगे, बढ़े अंधेरो होय।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
A) उपमा अलंकार
B) रूपक अलंकार
C) यमक अलंकार
D) श्लेष अलंकार।
उत्तर : D) श्लेष अलंकार

49. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
A) रिषि
B) ऋषि
C) क्रिषी
D) ऋशि।
उत्तर : B) ऋषि

50. 'व्यर्थ' शब्द में किन वर्णों की संधि हुई है?
A) इ + अ
B) इ + उ
C) इ + ए
D) ई + अ
उत्तर : A) इ + अ

51. 'चिरायु' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है?
A) चि
B) चिर
C) यु
D) आयु
उत्तर : B) चिर

52. दिगम्बर में प्रयुक्त संधि का नाम है?
A) स्वर संधि
B) व्यंजन संधि
C) विसर्ग संधि
D) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर : B) व्यंजन संधि

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

खेल चर्चा

भारत करेगा डेविस कप मुकाबले के लिये डेनमार्क की मेजबानी

नई दिल्ली, भारत मार्च 2022 में डेविस कप के विश्व ग्रुप-एक के प्ले ऑफ मुकाबले के लिये डेनमार्क की मेजबानी करेगा। यह वर्ष 2019 के बाद यह पहला मौका है, जब भारत डेविस कप मुकाबले की मेजबानी कर रहा है। ये मुकाबले 4 और 5 मार्च को खेले जायेंगे। अभी आयोजन स्थल तय नहीं किया गया है। भारत ने वर्ष 2019 में डेविस कप में इटली की मेजबानी की थी, तब भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत और डेनमार्क की टीमें डेविस कप में अब तक दो बार भिड़ी हैं। वर्ष 1927 में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया था, वहीं वर्ष 1984 में भारत ने 3-2 से जीत दर्ज की थी।

एश्ले बार्टी बनीं डब्ल्यूटीए प्लेयर ऑफ द ईयर

सेंट पीटर्सबर्ग, विश्व की नंबर वन महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले वार्टी को वूमेन टेनिस एसोसिएशन (डब्ल्यूटीए) ने वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना है। वार्टी ने वर्ष 2021 में विम्बलडन ग्रैंड स्लैम जीता है। ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ी वार्टी काफी समय से महिला एकल रैंकिंग में पहले पायदान पर हैं। वार्टी ने वर्ष 2019 में भी यह अवॉर्ड जीता था। इसके अलावा डब्ल्यूटीए ने ब्रिटेन की युवा खिलाड़ी एम्मा राडुकानू को सर्वश्रेष्ठ नवोदित खिलाड़ी चुना है। चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा को मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लयेर का अवॉर्ड मिला है। क्रेजिकोवा ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ वर्ष की सर्वश्रेष्ठ युगल वर्ग का अवॉर्ड भी अपने नाम किया है।

एशिया कप के लिये भारतीय अंडर-19 टीम घोषित

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर चयन समिति ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस महीने खेले जाने वाले एशिया कप के लिये भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम की घोषणा की है। टीम की कमान यश धूल को सौंपी है। यश दिल्ली के बल्लेबाज हैं। यश ने इस वर्ष वीनू मांकड़ ट्रॉफी में 75.50 की औसत से 302 रन बनाये हैं। बीसीसीआई ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत में वेस्टइंडीज में आयोजित होने वाले अंडर-19 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से एशिया कप हमारे लिये महत्वपूर्ण है। जूनियर चयन समिति ने 20 खिलाड़ियों के अलावा पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों के नाम भी घोषित किये हैं।

भारत में वन-डे सीरीज खेलेगी अफगानिस्तान की टीम

काबुल, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अफगान टीम का वर्ष 2022 से लेकर 2023 तक का क्रिकेट कार्यक्रम घोषित किया है। इस कार्यक्रम के तहत अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम मार्च 2022 में भारत में तीन मैचों की वन-डे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह पहली द्विपक्षीय वन-डे सीरीज होगी। अब तक दोनों टीमों ने आपस में सिर्फ तीन वन-डे मैच खेले हैं। इनमें से भारत ने 2 मैच जीते हैं और एक मैच टाई रहा है। इनमें दो मुकाबले एशिया कप तथा एक मुकाबला वन-डे विश्वकप में खेला गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि भविष्य के दौरे कार्यक्रम के तहत अफगानिस्तान को वर्ष 2022-23 में 11 वन-डे, चार ट्वेंटी-20 और दो टेस्ट मैच खेलने हैं।

फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप

हैमिल्टन को आखिरी लैप में पछाड़कर वर्स्टापेन बने चैंपियन

आबुधाबी, रेडबुल के युवा फॉर्मूला-वन रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने फॉर्मूला-वन इतिहास की सबसे रोमांचक रेस में से एक आबुधाबी ग्रांप्री को जीतकर फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। वर्स्टापेन ने रेस की आखिरी लैप में लुईस हैमिल्टन को पछाड़कर यह खिताब जीता। वर्स्टापेन ने पहली बार फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप का खिताब जीता है।

इस रेस से पहले मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन 369.5-369.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। ऐसे में चैंपियनशिप के विजेता का फैसला आखिरी रेस से हुआ। आबुधाबी के यास मेरिना सर्किट में आयोजित फॉर्मूला-वन रेस में वर्स्टापेन ने पोल पोजिशन हासिल की। वर्स्टापेन ने 58 लैप की इस रेस को एक घंटा 30 मिनट 17.345 सेकेंड में पूरा किया। वहीं हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे। रेस में कार्लोस सेंज ने तीसरा, यूकी सोनोडा ने चौथा तथा पियरे गैस्ली ने पांचवां स्थान हासिल किया।

54वीं लैप में बदला खेल

आबुधाबी ग्रांप्री में हैमिल्टन और वर्स्टापेन के बीच शुरुआत से रोमांचक जंग देखने को मिली। हैमिल्टन ने रेस की शुरुआत में ही अपनी बढ़त बनाते हुये सबसे आगे निकल गये। इस दौरान वर्स्टापेन ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हैमिल्टन रेस में पूरे समय

आगे रहे। ऐसा लगने लगा कि हैमिल्टन ही विजेता बनेंगे, तभी 54वीं लैप के दौरान हुई एक घटना ने सब बदल दिया।

54वीं लैप में विलियम्स रेसिंग टीम के ड्राइवर निकोलस लातिफी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस कारण आयोजकों ने सेफ्टी कार लागू कर दी। इस नियम के तहत सभी ड्राइवरों को रफ्तार घटानी पड़ी और ट्रैक से मलवा साफ होने तक ओवर टेक पर रोक लगी रही। आखिरी लैप से ठीक पहले सेफ्टी कार हटाई गई और रेस दोबारा शुरू की गई। इसके बाद आखिरी लैप के चौथे मोड़ पर वर्स्टापेन ने हैमिल्टन को ओवरटेक कर बढ़त हासिल की और अंत तक बरकरार रही।

- **वर्स्टापेन फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप जीतने वाले नीदरलैंड के पहले रेसर हैं।**
- **वर्स्टापेन ने इस सत्र में 22 में से 10 रेस जीती हैं।**
- **लुईस हैमिल्टन ने वर्ष 2008, 2014, 2015, 2017, 2018, 2019 और 2020 में जीती है फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप।**
- **रेडबुल होंडा टीम ने वर्ष 2013 के बाद पहली बार जीत दर्ज की है।**
- **इस सत्र में वर्स्टापेन ने 395.5 और हैमिल्टन ने 387.5 अंक हासिल किये हैं।**
- **फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में पदार्पण करने वाले सबसे युवा ड्राइवर हैं वर्स्टापेन ।**

शूमाकर का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके हैमिल्टन

आबुधाबी में वर्स्टापेन के हाथों मिली हार के बाद हैमिल्टन का आठवीं बार खिताब जीतने का इंतजार बढ़ गया है। अभी हैमिल्टन और माइकल शूमाकर ने सर्वाधिक 7-7 बार फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप जीती है। हैमिल्टन यदि इस साल फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप जीत जाते तो वे शूमाकर को पीछे छोड़कर सबसे सफल फॉर्मूला-वन रेसर बन जाते।

पेरिस ओलिंपिक

टॉप्स योजना में जोड़े गये 20 नये खिलाड़ी

नई दिल्ली, केंद्रीय खेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 में पेरिस में आयोजित होने वाले ओलिंपिक खेलों की तैयारी शुरू कर दी है। पेरिस ओलिंपिक और पैरालिंपिक खेलों के लिये टारगेट ओलिंपिक पोडियम (टॉप्स) योजना में 20 नये खिलाड़ी शामिल किये गये हैं। इन खिलाड़ियों के जुड़ने के साथ ही योजना के तहत अनुदान पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या 148 हो गई है। खेल मंत्रालय ने बताया कि साइक्लिंग, नौकायन, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित पैरा खेलों से जुड़े 20 खिलाड़ियों को टॉप्स में शामिल किया गया है।

रोहित चोट के कारण टेस्ट टीम से हुये बाहर

मुंबई, भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये हैं। मुंबई में टीम के प्रैक्टिस सेशन के दौरान रोहित को हैमस्ट्रिंग चोट लगी। चोट की गंभीरता को देखते हुये बीसीसीआई की चयन समिति ने रोहित की जगह प्रियांक पंचाल को टेस्ट टीम में बतौर सलामी बल्लेबाज शामिल किया है। प्रियांक दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई इंडिया-ए टीम के कप्तान हैं। बीसीसीआई ने अभी यह नहीं बताया कि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले जाने वाली वन-डे सीरीज का हिस्सा होंगे या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया ने जीता एशेज सीरीज का पहला टेस्ट मैच

ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम ने एशेज सीरीज में जीत के साथ शुरुआत की। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान में खेले गये सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड की बल्लेबाजी को धराशाई करते हुये इंग्लैंड की पारी 147 रनों पर समेट दी। इंग्लैंड के लिये जोस बटलर ने 39 और ओली पोप ने 35 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया के लिये कप्तान पैट कमिंस ने 5 विकेट लिये।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुये 425 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया के लिये सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (94) और मार्नस लाबुशन (74) ने दूसरे विकेट के लिये 156 रन की साझेदारी की। इसके बाद ट्रेविस हेड ने 152 रनों की शतकीय पारी खेली।

दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने सधी शुरुआत की। 61 रन पर दो विकेट गिरने के बाद कप्तान जो रूट (89) और डेविड मलान (82) ने पारी को संभाला

और 162 रनों की साझेदारी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जबरजस्त वापसी की और 297 रनों पर इंग्लैंड की पारी समेट दी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिये महज 20 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लॉयन ने टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट पूरे किये। लॉयन टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। लॉयन से पहले शेन वॉर्न (708) और ग्लेन मैक्ग्राथ (563) भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा लॉयन टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले विश्व के 17वें गेंदबाज हैं।

डेविड वॉर्नर ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से नवाजा है। वॉर्नर को यह पुरस्कार नवम्बर महीने में शानदार प्रदर्शन के लिये दिया गया है।

डेविड वॉर्नर ने नवम्बर महीने में आयोजित आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में लाजवाब प्रदर्शन करते हुये ऑस्ट्रेलिया को पहली बार ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वॉर्नर ने इस विश्वकप में 7 मैचों में 289 रन बनाये थे। आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये डेविड वॉर्नर के अलावा न्यूजीलैंड के टिम साउथी और पाकिस्तान के आबिद अली को भी नॉमिनेट किया था।

महिला वर्ग में मैथ्यूज बनीं विजेता

महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हीली मैथ्यूज ने जीता। मैथ्यूज ने इस अवॉर्ड की रेस में पाकिस्तान की स्पिनर अनम अमीन और बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर को पीछे छोड़ा। मैथ्यूज ने नवम्बर में

पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वन-डे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुये 132 रन बनाये और तीन विकेट झटके थे। मैथ्यूज के इस प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने सीरीज 3-0 से जीती थी।

- **वॉर्नर यह अवॉर्ड जीतने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं।**
- **आईसीसी प्रत्येक माह क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड देती है।**

मैग्नस कार्लसन

पांचवीं बार बने विश्व शतरंज चैंपियन

दुबई, नॉर्वे के शतरंज मास्टर मैग्नस कार्लसन ने फिडे विश्व चैंपियनशिप में रूस के इयान नेपोमनियाच्ची को हराकर अपने खिताब का बचाव किया। उन्होंने दुबई के एक्सपो-2020 में आयोजित वैश्विक टूर्नामेंट जीतने के लिये सात अंकों की सीमा को पार करने के लिये आवश्यक एक अंक हासिल करते हुये नेपोमनियाच्ची को हराया। कार्लसन ने एक के बाद एक कई गेम के ड्रॉ होने के बाद नेपामनियाच्ची की गलती का फायदा उठाते हुये रोमांचक जीत दर्ज की।

चार अंक के फासले से जीता खिताब

बेस्ट ऑफ 14 गेम की सीरीज की 11वीं बाजी कार्लसन ने तीन घंटे और 20 मिनट में जीती। कार्लसन ने एक के बाद एक कई गेम के ड्रॉ होने के बाद नेपामनियाच्ची की गलती का फायदा उठाते

हुये रोमांचक जीत दर्ज की। कार्लसन ने चैंपियनशिप द्वारा पेश किये गये करीब 17.13 करोड़ रुपये (दो मिलियन यूरो) के पुरस्कार का 60 फीसद अपने नाम किया।

छठी बाजी 136 चाल में खत्म हुई थी

पहले पांच दौर ड्रॉ पर छूटे जबकि आठ घंटे तक चले छठे दौर का मुकाबला कार्लसन ने जीता। उन्होंने 136 चाल के बाद जीत दर्ज की जो विश्व चैंपियनशिप के इतिहास की सबसे लंबी बाजी रही। नेपोमनियाच्ची ने हार के बाद कहा कि वह यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनसे कहां गलती हुई। उन्होंने कहा कि जो चीजें यहां मेरे साथ हुईं, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। अपने कॅरियर में मैंने कुछ बड़ी गलतियां की हैं।

- **कार्लसन ने वर्ष 2013 में विश्वनाथन आनंद को हराकर पहली बार जीता था विश्व खिताब।**
- **कार्लसन ने वर्ष 2014, 2016 और 2018 में भी जीती है विश्व चैंपियनशिप।**
- **भारत के विश्वनाथन आनंद भी पांच बार विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीत चुके हैं।**

न्यूयॉर्क सिटी ने जीती मेजर सॉकर लीग

पोर्टलैंड, अमेरिका की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग एमएसएल (मेजर सॉकर लीग) का खिताब न्यूयॉर्क सिटी एफसी ने अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में न्यूयॉर्क सिटी ने पोर्टलैंड टिंबर्स को उनके घरेलु मैदान पर रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूटआउट के जरिये हराया। मैच में पहला गोल न्यूयॉर्क सिटी के वेलेंटिन कैस्टेलानोस ने 41वें मिनट में किया, वहीं पोर्टलैंड टिंबर्स के लिये फिलिप मोरा ने अतिरिक्त समय में गोल किया। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में न्यूयॉर्क सिटी ने 4-2 से जीत दर्ज की। न्यूयॉर्क सिटी एफसी ने वर्ष 2015 में एमएसएल में पदार्पण किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• एलन मस्क •

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर बने

टेस्ला और स्पेस एक्स के प्रमुख एलन मस्क को टाइम मैगजीन ने पर्सन ऑफ द ईयर घोषित किया है। वहीं वैक्सीन

वैज्ञानिकों को टाइम हीरोज ऑफ द ईयर चुना गया है। टाइम के एडिटर-इन-चीफ एडवर्ड फेलसेंथल ने मस्क को लेकर कहा कि पृथ्वी पर या शायद इसके बाहर भी इस समय कुछ लोग और हों, जिनका प्रभाव मस्क से ज्यादा हो। टाइम मैगजीन की ओर से हर साल दिए जाने वाले इस खिताब को मस्क को दिए जाने के फैसले पर टाइम के राजनीतिक रिपोर्टर ने कहा कि अमेरिकी जीवन में साल दर साल एलन मस्क के बढ़ते प्रभाव को नजरअंदाज करना मुश्किल है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण

विश्वनाथ धाम भारत की सनातन संस्कृति, परम्पराओं ऊर्जा और गतिशीलता का प्रतीक है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि विश्वनाथ धाम का यह पूरा नया परिसर एक भव्य भवन भर नहीं है। यह हमारे भारत की सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारी आध्यात्मिक आत्मा का प्रतीक है। यह भारत की प्राचीनता, परंपराओं, भारत की ऊर्जा और गतिशीलता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा, "जब कोई यहां आएगा तो यहां न केवल आस्था, बल्कि अतीत के गौरव को भी महसूस करेगा।" उन्होंने कहा कि "प्राचीनता और नवीनता एक साथ कैसे जीवंत हो उठी है। प्राचीन की प्रेरणा भविष्य को कैसे दिशा दे रही है, इसके साक्षात दर्शन हम विश्वनाथ धाम परिसर में कर रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले मंदिर का क्षेत्रफल केवल 3,000 वर्गफीट तक सीमित था, जो अब बढ़कर लगभग 5 लाख वर्गफीट हो गया है।

प्रधानमंत्री ने काशी केवल शब्दों की बात नहीं है, यह संवेदनाओं की सृष्टि है। काशी वह है - जहाँ जागृति ही जीवन है, काशी वह है - जहाँ मृत्यु भी मंगल है। काशी वह है - जहाँ सत्य ही संस्कार है काशी वह है जहां प्रेम ही परम्परा है। उन्होंने कहा कि वाराणसी वह शहर है जहां से जगद्गुरु शंकराचार्य को श्री डोम राजा की

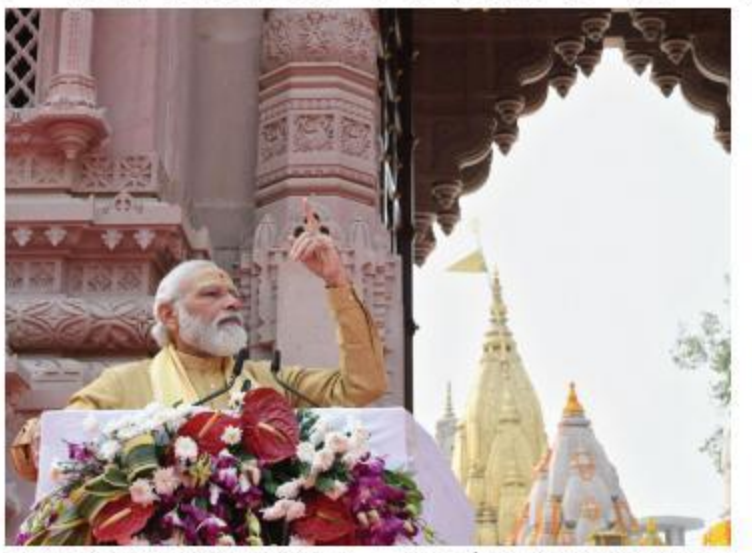

पवित्रता से प्रेरणा मिली और उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने का संकल्प लिया। यह वह स्थान है जहां गोस्वामी तुलसीदास ने भगवान शंकर से प्रेरणा लेकर रामचरित मानस जैसी अलौकिक रचना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहीं की धरती सारनाथ में भगवान बुद्ध का बोध संसार के लिए प्राकट्य हुआ। समाज सुधार के लिए कबीरदास जैसे मनीषी यहां प्रकट हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर समाज को जोड़ने करने की जरूरत पड़ी थी, तो यह काशी संत रैदास जी की भक्ति की शक्ति का केन्द्र बनी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी चार जैन तीर्थंकरों की भूमि है, जो अहिंसा और तपस्या का प्रतीक रहे हैं। राजा हरिशचंद्र की सत्य-निष्ठा से लेकर बल्लभाचार्य, रमानंद जी के ज्ञान तक। चैतन्य महाप्रभु, समर्थगुरु रामदास से लेकर स्वामी विवेकानंद, मदन मोहन मालवीय तक। काशी की पवित्र भूमि अनेक संतों, आचार्यों का घर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के चरण यहां पड़े थे। रानी लक्ष्मीबाई से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक, कई सेनानियों की कर्मभूमि-जन्मभूमि काशी रही है। उन्होंने कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचंद, पंडित रविशंकर और बिस्मिल्लाह खान जैसी प्रतिभाएं इस महान शहर से हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत अपनी खोई हुई विरासत को फिर से संजो रहा है। यहां काशी में माता अन्नपूर्णा खुद विराजती हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि काशी से चुराई गई मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा को अब एक शताब्दी के इंतजार के बाद काशी में फिर से स्थापित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण भारत को निर्णायक दिशा देगा और उज्ज्वल भविष्य का नेतृत्व करेगा। यह परिसर हमारी क्षमता और हमारे कर्तव्य का साक्षी है। अगर सोच लिया जाए, ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर भारतवासी की भुजाओं में अकल्पनीय को साकार करने का बल है। हमें तप जानते हैं। तपस्या जानते हैं और देश के लिए दिन-रात खपना जानते हैं। कितनी भी बड़ी चुनौती क्यों न हो, हम भारतीय हर चुनौती को एक साथ मिलकर परास्त कर सकते हैं।

।। हरनाज संधू ने ।।

मिस यूनिवर्स का खिताब जीता

अभिनेत्री और मॉडल हरनाज संधू ने मिस यूनिवर्स - 2021 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। 21 वर्षीय संधू ने

- **विजेता घोषित होने के बाद हरनाज ने 'चक दे फट्टे इंडिया' का उद्घोष किया। कहा - मैं परमेश्वर, माता-पिता और मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन के प्रति कृतज्ञ हूं, जिन्होंने मार्गदर्शन और समर्थन दिया।**
- **इजरायल में हुई प्रतियोगिता में 79 देशों की प्रतिभागियों को पीछे छोड़ा।**

प्रतियोगिता में 79 देशों की प्रतिभागियों को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की। मिस यूनिवर्स का ताज 21 साल बाद भारत लौटा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संधू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संधू से पहले सिर्फ दो भारतीयों ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है। इनमें अभिनेत्री सुष्मिता सेन (वर्ष 1994) और

लारा दत्ता (वर्ष 2000) शामिल हैं। प्रतियोगिता के 70वें संस्करण का आयोजन इजरायल के इलात में किया गया था। इजरायल ने पहली बार आयोजन की मेजबानी की है।

चंडीगढ़ की मॉडल संधू लोक प्रशासन विषय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं। उन्हें यह ताज 2020 की विजेता मेक्सिको की एंड्रिया मेजा ने पहनाया। पराग्वे की नादिया फेरेरा (22) दूसरे, जबकि दक्षिण अफ्रीका की लालेला मसवाने (24) तीसरे स्थान पर रहीं।

नासा

अंतरिक्ष में नए स्टेशन बनाने की कर रहा तैयारी

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष में नए हब बनाने की तैयारी की है। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में फिलहाल काम

- **अरबपति जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजन, नार्थरोप ग्रमैन कार्प और नैनोरैक्स को जिम्मेदारी दी गई है।**
- **तीनों कंपनियां अलग-अलग स्टेशन तैयार करेंगी।**
- **नासा ने इस काम के लिए तीनों को 41.56 करोड़ डॉलर (करीब 3,100 करोड़ रुपये) देने का ऐलान किया है।**

कर रहा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) इस दशक के आखिर तक काम करना बंद कर सकता है। इससे पहले नासा निजी कंपनियों की मदद से लो-अर्थ ऑर्बिट में अमेरिका के स्पेस स्टेशन बनाने के प्रयास में है। नासा ने स्टेशन बनाने के लिए ब्लू ओरिजन को 13 करोड़ डालर (करीब 977 करोड़ रुपये) देने का ऐलान किया है। ब्लू ओरिजन अपने ऑर्बिटल रीफ स्टेशन को मैन्यूफैक्चरिंग, एंटरटेनमेंट,

स्पोर्ट्स, गेमिंग और एडवेंचर ट्रैवल के लिए एक हब के रूप में विकसित करना चाह रही है।

ब्लू ओरिजन इस काम के लिए सिएरा स्पेस और बोइंग से साझेदारी करेगी। ह्यूस्टन की नैनोरैक्स को सबसे ज्यादा 16 करोड़ डॉलर (करीब 1,200 करोड़ रुपये) दिए जा रहे हैं। नैनोरैक्स स्टारलैब स्पेस स्टेशन बनाएगी, जिसमें उसे लाकहीड मार्टिन कार्प और बोएजर स्पेस का साथ मिलेगा। नार्थरोप ग्रमैन कार्प को स्टेशन बनाने के लिए 12.56 करोड़ डॉलर (करीब 944 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे।

पिछले माह के अंत में नासा ने एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के साथ मिलकर एक अभियान को शुरू किया है। स्पेस एक्स के फाल्कन-9 राकेट की मदद से नासा ने डार्ट स्पेस यान रवाना किया है।

डार्ट से जिस डायमार्फस एस्टेरायड को निशाना बनाया जाएगा, वह करीब एक फुटबॉल के आकार का है। वह अपने से पांच गुना बड़े दूसरे एस्टेरायड का चक्कर लगा रहा है। दो एस्टेरायड के इस सिस्टम को डायडिमोस कहा जाता है। यह ग्रीक शब्द है, जिसका अर्थ होता है जुड़वां। इसे इसीलिए चुना गया है, क्योंकि इससे टक्कर के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी और यह अध्ययन किया जा सकेगा कि धरती के सापेक्ष किसी एस्टेरायड की दिशा बदलने का यह प्रयास कितना कारगर हो सकता है।

= इजराइल ने =

विवादित पूर्वी यरुशलम बस्ती की योजना रोकी

यरुशलम नगर निकाय के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में एक खाली पड़े हवाई अड्डे पर विवादास्पद बड़ी यहूदी बस्ती बनाने की योजना पर रोक लगा दी।

परियोजना को लेकर अमेरिका के भारी विरोध के मद्देनजर एटारोट बस्ती योजना को रोकने का निर्णय किया गया। घनी आबादी वाले फिलिस्तीनी समुदाय के ऐसे तीन क्षेत्रों के पास एक खुले क्षेत्र में अत्यंत रूढ़िवादी यहूदियों के लिए 9000 मकानों वाली बस्ती के निर्माण की योजना थी, जिनमें से एक इजरायल के विवादास्पद क्षेत्र के पीछे है।

प्रस्तावित बस्ती के समस्याग्रस्त स्थान का हवाला देते हुए, बस्ती विरोधी समूह पीस नाउ ने योजना के खिलाफ एक सार्वजनिक अभियान चलाया था। इससे पहले इजरायल के विदेश मंत्री याइर लापिद ने संकेत दिया था कि इजरायल सरकार को योजना को मंजूरी

देने की कोई जल्दी नहीं है।

उन्होंने कहा, "इससे राष्ट्रीय स्तर पर निपटा जाएगा। यह एक प्रक्रिया है और हम सुनिश्चित करेंगे कि यह (अमेरिकी) प्रशासन के साथ टकराव में न बदल जाए।"

ज्ञात रहे कि बाइडेन प्रशासन ने बार-बार बस्ती निर्माण की आलोचना करते हुए कहा है कि यह शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने में बाधा डालता है, लेकिन इजराइल ने बस्ती निर्माण की योजनाओं को आगे बढ़ाना जारी रखा।

इजराइल ने लताकिया बंदरगाह पर किया मिसाइल हमला

सीरिया की सेना ने कहा है कि इजराइल के लड़ाकू विमानों ने तटीय शहर लताकिया के बंदरगाह पर मिसाइलें दागीं। उसने बताया कि हमले में किसी की मौत नहीं हुई है।

सीरिया के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया कि बंदरगाह पर उस स्थान पर मिसाइलें गिरीं जहां अनेक कंटेनर रखे हुए थे, हमले से कई कंटेनरों में आग लग गई। लताकिया आयात के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण बंदरगाह है।

सीरिया के सरकारी टीवी पर बताया गया कि बंदरगाह पर पांच बार धमाकों की आवाज आई, कंटेनर जहां रखे थे उस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आग लग गई, जिसके बाद दमकल की गाड़ियों को उस ओर भेजा गया। इस बारे में इजराइल की सेना की ओर से अभी कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया ने रक्षा सौदे पर किये हस्ताक्षर

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई-इन के ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर पहुंचने के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया ने 68 करोड़ डॉलर के रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर किए। कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के बाद मून जेई-इन ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने वाले पहले विदेशी नेता हैं। यह ऑस्ट्रेलिया और एक एशियाई राष्ट्र के बीच सबसे बड़ा रक्षा अनुबंध है। यह समझौता ऐसे समय पर किया गया है, जब ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच तनाव कायम है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में अमेरिका और ब्रिटेन के साथ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण के लिए एक समझौता करने की घोषणा की थी और इस कदम की चीन ने कड़ी निंदा की थी। मून ने इस यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से मुलाकात की और दोनों नेता अपने देशों के बीच औपचारिक संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' में बदलने के लिए सहमत हुए। दोनों नेताओं ने यह भी कहा कि वे 'हाइड्रोजन' सहित स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुविधाजनक बनाने को लेकर मिलकर काम करेंगे, जो ऑस्ट्रेलिया में प्रचुर मात्रा में है।

मॉरिसन ने कहा कि नए रक्षा सौदे से ऑस्ट्रेलिया में उस जगह पर लगभग 300 नौकरियों का सृजन होगा जहां दक्षिण कोरियाई रक्षा कंपनी 'हनव्हा' की एक इकाई है। वहीं, मून ने कहा कि भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के मूल्य समान हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि चीन के साथ भी संबंध महत्वपूर्ण हैं, खासकर जब उत्तर कोरिया के साथ शांति बहाल करने की बात आती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।